शनिवार
20 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



बेगूसराय जिले में गंडक में डूबने से एक ही परिवार के चार की मौत

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एयरलाइंस, बैंक, स्टॉक एक्सचेंज, पेमेंट सिस्टम, टेलीकम्युनिकेशन, इमरजेंसी सर्विस सहित अन्य में परेशानी

दिल्ली से लेकर न्यूयॉर्क तक माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर ठप

केटी न्यूज/नई दिल्ली

हर दिन की तरह सब कुछ सामान्य चल रहा था लोग इधर उधर आ और जा रहे थे बैंको में सही से काम हो रहा था। पर अचानक से सिस्टम बंद करने लगे बैंक, न्यूज चैनल, स्टोक एक्सचेंज सबसे ज्यादा एयरलाइंस सब कुछ थम गया। पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। सरकारें हरकत में आ गईं और आपात बैठकें बुलानी पड़ी। बाद में पता चला ये दिक्कत माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आ गई है। जिस वजह से दुनियाभर में विभिन्न सेवाओं में असुविधा हो रही है, जैसे एयरलाइंस, बैंक, स्टॉक एक्सचेंज, पेमेंट सिस्टम, टेलीकम्युनिकेशन, इमरजेंसी सर्विस, हेल्थ सिस्टम और ब्रॉडकास्टर्स माइक्रोसॉफ्ट इस समस्या को दूर करने में जुटा हुआ है। अमेरिका, यूके, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ भारत में भी इसका प्रभाव देखने को मिल रहा है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे कई एयरपोर्ट्स पर



विमानों की देरी हो रही है और यात्रियों को हाथों से लिखकर मैनुअल बोर्डिंग पास दिए जा रहे हैं। यह गड़बड़ी संभवतः क्राउडस्ट्राइक की विफलता के कारण हुई है, जो एक साइबर सिक्योरिटी प्लेटफॉर्म है। यह माइक्रोसॉफ्ट विंडोज को सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स प्रदान करता है। इसने भारत में उड़ान सेवाओं, भुगतान प्रणालियों और व्यापार व्यवस्था जैसी कई सेवाओं पर प्रभाव डाला है। इंडिगो, अकासा एयरलाइंस और स्पाइसजेट जैसी कई एयरलाइंस के बुकिंग और चेक-इन सेवाएं पर काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार अब इस समस्या का समाधान निकालने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ विचार-विमर्श कर रही है। एयर इंडिया ने एक बयान जारी किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट के वर्तमान आउटेज के कारण उनके डिजिटल सिस्टम अस्थायी रूप से प्रभावित हुए है, जिससे उड़ानों में देरी हो रही है। उन्होंने इस असुविधा के लिए माफी मांगी है। इसके साथ ही अकासा, इंडिगो और स्पाइसजेट ने भी अपनी सेवाओं को लेकर इस आपात स्थिति की जानकारी दी है। भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास अब मैन्युअली दिए जा रहे हैं। इंडिगो के कर्मचारी हैदराबाद एयरपोर्ट पर तत्काल उड़ानों के लिए हाथ से लिखे बोर्डिंग पास जारी कर रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानें 35 मिनट, बेंगलुरु में 32 मिनट और मुंबई में 40 मिनट की देरी से चल रही हैं।

दुनियाभर में फ्लाइट्स में आई दिक्कतें

नई दिल्ली। प्राग एयरपोर्ट ने उड़ानों में देरी की सूचना जारी की है। दुनिया के कुछ सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे ने बयान जारी करके इसकी सूचना दी है कि चेक-इन प्रक्रिया मैन्युअल तरीके से संचालित की जा रही है। स्पेन के सभी एयरपोर्ट इस आईटी आउटेज से प्रभावित हो गए हैं। ब्रिटेन के प्रमुख रेल ऑपरेटर ने व्यापक आईटी समस्याओं की चेतावनी देते हुए सेवाओं के रद्द होने की सूचना दी है। तुर्की एयरलाइंस ने भी बताया कि वे वर्तमान में ग्लोबल टेक्निकल समस्या के कारण टिकटिंग, चेक-इन और रिजर्वेशन प्रक्रियाओं में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। बर्लिन हवाई अड्डे पर भी तकनीकी समस्याओं के कारण कई उड़ानें निलंबित हो गई हैं। एयरलाइंस, डेल्टा और यूनाइटेड ने आईटी समस्या के कारण सभी उड़ानें रोक दी हैं। अमेरिका के कई हिस्सों में आपातकालीन 911 सेवाएं भी इस खराबी के कारण बाधित हो गई हैं और इस वजह से नॉन-इमरजेंसी कॉल सेंटर भी कार्य नहीं कर रहे हैं। यूरोप के कुछ सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक एम्स्टर्डम का शिफोल हवाई अड्डा भी इस समस्या से प्रभावित हुआ है। करीब 5 घंटे के आउटेज के बाद अमेरिकी एयरलाइंस की सेवाएं शुरू हो गई हैं। इसी बीच इंडोगो ने कहा है कि फ्लाइट कैंसिल हो गई हैं।

उड्डयन मंत्री ने दिया भोजन-पानी उपलब्ध कराने का आदेश

नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि मैंने हवाई अड्डे के अधिकारियों और एयरलाइंस को विमानों देरी से प्रभावित यात्रियों के लिए अतिरिक्त बैठने की जगह, पानी और भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। हम आपकी चिंताओं को समझते हैं और आपकी सुरक्षित और यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। आपके धैर्य और सहयोग की अत्यधिक सराहना की जाती है।

क्राउडस्ट्राइक के सीईओ ने दिया बयान

नई दिल्ली। क्राउडस्ट्राइक के अध्यक्ष और सीईओ जॉर्ज कर्ट्ज ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि क्राउडस्ट्राइक विंडोज के लिए जारी अपडेट में आई खामी के कारण प्रभावित ग्राहकों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है। मैक और लिनक्स होस्ट प्रभावित नहीं हुए हैं। यह कोई साइबर अटैक नहीं है। समस्या बनी हुई है और उसकी पहचान हो गई है। टीम समाधान के लिए लगातार काम कर रही है। रिकॉर्डेड मैसेज में कहा गया कि क्राउडस्ट्राइक से संपर्क करने के लिए धन्यवाद। क्राउडस्ट्राइक फाल्कन सेंसर से संबंधित विंडोज पर क्रैश की रिपोर्ट से अवगत है। क्राउडस्ट्राइक का मुख्यालय टेक्सास के ऑस्टिन में है। यह एक ग्लोबल सिक्योरिटी फर्म है जो डेटा सिक्योरिटी के लिए एडवांस प्लेटफॉर्म मुहैया कराता है। रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को क्राउडस्ट्राइक अपडेट के कारण माइक्रोसॉफ्ट ऑपरेटिंग सिस्टम में क्रिटिकल एरर आया जिससे दुनिया भर में लाखों लोग प्रभावित हुए। हालांकि समय रहते इसे ठीक भी कर लिया गया।

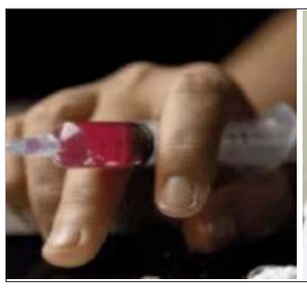
ऑस्ट्रेलिया सबसे ज्यादा रहा प्रभावित

इस गड़बड़ी का सबसे बड़ा असर ऑस्ट्रेलिया पर दिख रहा है। यहां ग्लोबल आईटी समस्या ने देश के राष्ट्रीय ब्रॉडकास्टर, सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और एक प्रमुख दूरसंचार कंपनी को भी प्रभावित किया है। ब्रिसबेन एयरपोर्ट पर उड़ानों का उतरना और उड़ान भरना जारी है। इस हालात के बावजूद एयरलाइंस बैकअप सिस्टम का उपयोग कर रही हैं। सिडनी एयरपोर्ट में भी तकनीकी खराबी के कारण सेवाएं प्रभावित हुई है। ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा कॉर्डिनेटर ने इस समस्या को गंभीर मानते हुए कई कंपनियों और सेवाओं के लिए आपात स्थिति घोषित की है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने इस मामले में एक इमरजेंसी बैठक बुलाई है।

एनसीबी ने 10 करोड़ की नशीली दवाओं के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/हैदराबाद

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई की टीम एक तस्कर को पकड़ा। तस्कर के पास से 10 करोड़ की नशीली दवा पांच किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद की गई। बताया गया कि यह दवा अंतरराज्यीय तस्करी के तहत हैदराबाद से मुंबई लाई गई थी। एनसीबी मामले की जांच कर रही है। एनसीबी अधिकारियों ने बताया कि एक खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। तस्कर से पूछताछ की जा रही है। मेफेड्रोन ड्रग को कोड नाम के तहत म्याऊं-म्याऊं कहा जाता है। मेफेड्रोन कोई दवा नहीं, बल्कि पौधों के लिए बनी सिंथेटिक खाद है। लेकिन, इसका सेवन करने से हेरोइन और कोकीन से भी ज्यादा नशा होता है। नशे के कारोबारी इसकी खपत के लिए कॉलेजी छात्र-छात्राओं तथा पार्टी में जाने वाले युवाओं को निशाना





बनाते हैं। म्याऊं-म्याऊं के सौदागर फेसबुक प्रोफाइल पर ऐसे युवाओं को तलाशते हैं, जो पार्टी या क्लब में जाना पसंद करते हैं।

यह ड्रग बहुत ही सस्ता है। यह होते हैं दुष्प्रभाव

दूसरे ड्रग्स की तरह ही मेफेड्रोन से भूख, मांसपेशियों में खिंचाव, शरीर कांपना, सिरदर्द, घबराट, हाई बल्ड प्रेशर, पेशाब में कठिनाई, शरीर के तापमान में बदलाव और हाथ नील पड़ने जैसे दुष्प्रभाव होते हैं। लत लगने के बाद इसे बार-बार और ज्यादा से ज्यादा मात्रा में लेने की इच्छा होती है। जब लोग इसे ज्यादा मात्रा में लेना शुरू कर देते हैं तो वह डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं।

गृहमंत्री ने दिए थे निर्देश

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के देशभर के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने सख्ती से कहा था कि भारत में एक ग्राम भी नशीली दवा की आपूर्ति नहीं होनी चाहिए। ड्रग्स की आपूर्ति शृंखला के प्रति सख्त कार्रवाई की जाए। इसकी मांग में कमी लाने के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण और नुकसान में कमी लाये।

जम्मू में टूटेगी आतंकियों की कमर, भेजे गये तीन हजार अतिरिक्त सैनिक

- जम्मू में हो रही लगातार वारदात को देखते हुए सेना ने लिया फैसला, बढ़ाई जा सकती है और संख्या

केटी न्यूज/नई दिल्ली

जम्मू क्षेत्र में लगातार हो रही आतंकी वारदातों को देखते हुए भारतीय सेना ने वहां अतिरिक्त 3,000 सैनिकों की तैनाती कर दी है। सूत्रों के मुताबिक इसी हफ्ते सेना ने जम्मू क्षेत्र में एक ब्रिगेड हेडक्वॉर्टर, तीन बटालियन और कुछ पैरा एसएफ की टीम को भी भेज दिया है। एक बटालियन में करीब 800 सैनिक होते हैं। इसी तरह एक पैरा एसएफ टीम में करीब 40 कमांडो होते हैं। इस तरह करीब 2,500 सैनिक और करीब 500 पैरा कमांडो को जम्मू भेजा गया है। इसके साथ ही सीएपीएफ (सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स) ने भी जम्मू क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती कर दी है। सैनिकों की कमी और ईस्टर्न लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ तनाव का असर जम्मू क्षेत्र में दिखाई दिया और वहां आतंकियों को फिर से पनपने का मौका मिला। आतंकियों ने सैनिकों की कमी का फायदा उठाते हुए खुद का खड़ा ही नहीं किया बल्कि अब जम्मू क्षेत्र में वे सिक्यॉरिटी फोर्स के लिए बड़ा सिरदर्द बन गए हैं। चार साल पहले जब ईस्टर्न लद्दाख में चीन के साथ एलएसी पर तनाव बढ़ा और स्थिति हिंसक झड़प तक पहुंच गई तब यहां से यूनिफॉर्म फोर्स को हटाकर भेज दिया गया। यहां से एक डिविजन जितने सैनिकों को कम किया गया। यानी करीब 10-12 हजार सैनिक यहां से कम हुए। जम्मू क्षेत्र में चार साल पहले सेना की करीब चार डिविजन जितनी संख्या थी। यूनिफॉर्म फोर्स को एलएसी भेजने से यहां तीन डिविजन रह गई। यहां अभी राष्ट्रीय राइफल की रोमियो फोर्स और डेल्टा फोर्स है।

प्रधानमंत्री ने नौकरियों पर झूठ बोलकर युवाओं के जले पर नमक छिड़का: खरगे

- पीएम मोदी आठ करोड़ युवाओं को नौकरी देने की दें रहे है झूठी रिपोर्ट
- पीएम नरेंद्र मोदी ने युवाओं के हिस्सें की करीब 12 करोड़ नौकरियां छीन ली है

केटी न्यूज/नई दिल्ली



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ करोड़ नौकरियों का झूठ बोलकर देश के युवाओं के जले पर नमक छिड़का है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन से चार वर्ष में देश में आठ करोड़ नई नौकरियां उपलब्ध हुईं जिसने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों की बोलती बंद करा दी। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी ने नौकरियों पर एक के बाद एक झूठ बोलकर आप युवाओं के जले पर नमक छिड़क रहें हैं। उन्होंने सवाल किया कि ऐसा क्यों है कि आपने 10 वर्षों में 20 करोड़ नौकरियों का वादा करके 12 करोड़ से ज्यादा नौकरियां छीन ली। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार 2012 और 2019 के बीच में रोजगार में 2.1 करोड़ की वृद्धि हुई पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट कहती है कि ये वृद्धि केवल दो लाख है, जबकि दोनों की ही रिपोर्ट का मुख्य स्त्रोत सरकारी पीएलएफएस सर्वे ही है। तो फिर सच्चाई क्या है। खरगे ने कहा पीएम मोदी सालाना दो करोड़ नौकरियां देने के वादे को रिजर्व बैंक का दुरुपयोग कर फर्जी रिपोर्टों से मत छिपाइए। झूठे रिपोर्ट दिखाकर चुनाव जीता जा रहा है। जबकि वर्तमान समय में युवाओं के हाथों में रोजगार नहीं है। युवाओं को हुनर खराब हो रहा है। वह रोजगार के लिए कोई भी काम करने के लिए मजबूर हो जा रहे है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्डियक सर्जन वालियाथन के निधन पर दुःख जताया

केटी न्यूज/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जाने-माने कार्डियक सर्जन डॉक्टर एम.एस. वालियाथन के निधन पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी डॉ. वालियाधन के निधन से दुखी हूं। उनके योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है और अनगिनत लोगों को लाभान्वित किया है। इसमें उन्होंने आगे कहा कि उन्हें विशेष रूप से लागत प्रभावी और उच्च गुणवत्ता वाले नवाचारों के लिए याद किया जाएगा। वह भारत के चिकित्सा क्षेत्र में सुधार के लिए भी सबसे आगे थे। मेरी संवेदना उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ है। ओम शांति। चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एससीटीआईएमएसटी) के संस्थापक वालियाथन का निधन हुआ। डॉ. वालियाथन 90 वर्ष के थे। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में कई शोध किये थे।

रक्षा अलंकरण से नवाजे गये सेना प्रमुख

केटी न्यूज/नई दिल्ली



राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षा अलंकरण समारोह 2024 के दौरान सेना प्रमुख और अन्य अधिकारियों को विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान सभी सेना अधिकारियों की देश सेवा की राष्ट्रपति ने सराहना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) प्रदान किया। वहीं भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही भारतीय सेना विमानन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय सूरी को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), भारतीय तटरक्षक महानिदेशक राकेश पाल को अति विशिष्ट सेवा पदक लेफ्टिनेंट जनरल एचएस शाही को उत्तम युद्ध सेवा पदक (यूवाईएसएम) प्रदान किया गया। वहीं राष्ट्रपति ने भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) प्रदान किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्र राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और दिल्ली उप राज्यपाल वीके सक्सेना समेत तमाम लोग शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री ने बिना केमिकल फर्टिलाइजर के अनाज उत्पादन करने वाले किसानों को दी बधाई

प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को मिलेगी सब्सिडी: शिवराज सिंह

केटी न्यूज/लखनऊ

कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए केमिकल और फर्टिलाइजर के प्रयोग का परिणाम हम सबके सामने है। आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज को लेकर चिंतित है, लेकिन इसके जिम्मेदार हम खुद हैं। इससे ये सिद्ध हो गया है कि आने वाली पीढ़ी के लिए ये धरती रहने लायक नहीं रहेगी। ऐसे में हमें समय रहते संभलना होगा। इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। इसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देने पर विचार कर रही है। ये बातें शुक्रवार को प्राकृतिक खेती पर आधारित भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति



कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कही। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया, को आत्मसात कर आगे बढ़ने वाला देश है। भारत की यह भावना प्राचीन खेती में भी निहित थी। उस समय खेती में केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल नहीं होता था। ऐसे में धरती उपजाऊ होती थी और अन्न पोषक पैदा होते थे। वहीं धीरे-धीरे धरती पर दबाव बढ़ता गया और उत्पादन बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल होने लगा। साथ ही नई-नई वैराइटी के लिए ऐसे बीज का प्रयोग होने लगा जिसमें ज्यादा खाद, पानी और कीटनाशक की जरूरत पड़ने लगी। इससे उत्पादन तो बढ़ा, लेकिन बीमारियां भी बढ़ती गयीं। इसके लिए कैंसर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें चलानी पड़ीं। आज हम सभी अपनी सेहत को लेकर काफी गंभीर हैं। यही वजह है कि लोग बिना केमिकल फर्टिलाइजर के कृषि उत्पाद को खरीदने के लिए दोगुने दाम देने को तैयार हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन में कमी आएगी, यह लोगों का भ्रम है। प्राकृतिक खेती से न तो उत्पादन कम होगा और न ही भंडारण में कमी आएगी। उन्होंने ऐसे किसानों को बधाई दी जो बिना केमिकल फर्टिलाइजर के अनाज का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कीटनाशक दवाइयों के इस्तेमाल से धरती की उर्वरक क्षमता प्रभावित होती है। इससे कीट मित्र जमीन से खत्म होते जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि दुनिया में आपदाएं बढ़ती जा रही है। यह मानव जाति के अस्तित्व पर खतरा है। ऐसे में हमे समय रहते सावधान रहना होगा और धरती के अस्तित्व को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा।



शिक्षक भर्ती परीक्षा केंद्र में पकड़ा गया फर्जी अभ्यर्थी

- पकड़े गए मुन्ना भाई की पहचान प्रभात कुमार के रूप में हुई
- एडमिट कार्ड चेक करने के दौरान प्रशासन को हुई शक, जांच में पाया गया फर्जी अभ्यर्थी

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में चल रही बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र में एक फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा गया। उक्त आरोपी दूसरे की जगह पर परीक्षा देने के लिए आया था। लेकिन बायोमेट्रिक जांच के दौरान पकड़ा गया। यह मामला शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के नीतिश्वर सिंह कॉलेज का है। पकड़े गए मुन्ना भाई की पहचान प्रभात कुमार के रूप में की गई है। वह हाजीपुर वैशाली जिले का रहने वाले बताया जा रहा है। एसडीएम पूर्वी अमित कुमार ने यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को बीपीएससी की परीक्षा के दौरान एडमिट कार्ड की जांच के दौरान एक अभ्यर्थी पर संदेह हुआ। जिसके बाद उसकी जांच की गई तो वह असली अभ्यर्थी नहीं निकला। उसके बाद



उक्त आरोपी को पकड़ लिया गया। उसके बाद मामले की जानकारी मिठनपुरा थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी अभ्यर्थी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए आरोपी की पहचान वैशाली जिले के हाजीपुर शहर निवासी प्रभात कुमार के रूप में की गई है। वह अपने ही शहर के एक युवक के लिए परीक्षा देने के लिए आया हुआ था।मामले को लेकर एसडीएम पूर्वी अमित कुमार ने बताया कि शहर के एक परीक्षा केंद्र में आज जांच के दौरान एक फर्जी अभ्यर्थी को जांच के दौरान पकड़ा गया है। वह दूसरे अभ्यर्थी की जगह पर परीक्षा देने के लिए आया हुआ था। आरोपी अभ्यर्थी प्रभात कुमार अपने ही शहर के रहने वाले रंजन कुमार की जगह पर परीक्षा देने आया था। थाने में मामला दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है। विदित हो कि परीक्षाओं में हो रहे लगातार पेपर लीक को लेकर सरकार ने पूरी सख्ती बरती थी। हर सेंटर पर पूरी चौकसी बरती गई थी। प्रशासन का यह प्रयास था कि परीक्षा के दौरान किसी तरह की कोई गलती नहीं हो। इस पर कड़ी नजर रखी गई थी।

जीतन सहनी के घर में मिले शराब के 38 पाउच

केटी न्यूज/दरभंगा

विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की हत्या में सूदखोरी ही बड़ी वजह थी। बातें कई तरह की आ रही थीं, लेकिन अंतिम तौर पर पुलिस ने सूदखोरी को हत्या की वजह बताया है। पुलिस ने दो दिन पहले सूद पर पैसा लेकर नहीं लौटाने वाले एक आरोपी काजिम अंसारी को गिरफ्तार किया था। बाकी तीन हिरासत में थे।

पूछताछ के बाद अब इनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है। लेकिन, इसके साथ पुलिस ने कई तरह की बातें सामने लायी हैं। जिस बक्से और



जिन कागजातों पर मुकेश सहनी की पार्टी के लोगों ने डीजीपी आरएस भट्टी से मिलकर सवाल उठाया था, उनका भी खुलासा कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार जीतन सहनी की हत्या के बाद घर में देसी शराब के 38 खाली पाउच की बरामदगी हुई थी। उसमें शराब थी या नहीं, इसकी जांच एफएसएल टीम कर रही है। चोरी के बाद सूदखोरी और फिर शराब का एंगल सामने आने के कारण ही बाकी पूछताछ के लिए पुलिस ने समय लिया था। अब शराब के कारोबार की अफवाह पर पुलिस कुछ नहीं कह रही, लेकिन शराब पीने की आशंका को नकार नहीं रही है। जिन कागजातों को पुलिस ने बरामद किया है, उनमें 21 सूद पर पैसे देने से जुड़े हैं। हत्या के जिन तीन आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार बताया गया, उनमें से भी दो काजिम अंसारी की तरह सूद पर जीतन सहनी से पैसे लिए बैठे थे।

बेगूसराय जिले के बीरपुर थाना क्षेत्र के भवानंदपुर की घटना

गंडक में डूबने से एक ही परिवार के चार की मौत

- चारों लड़के साइकिल पर सवार होकर गंडक नदी में स्नान करने गये थे

केटी न्यूज/पटना

बेगूसराय में गंडक नदी में चार भाईयों की डूबने से मौत हो गई। घटना बीरपुर थाना क्षेत्र के भवानंदपुर गंडक नदी घाट की है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। इस घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सभी किशोर एक ही परिवार के सदस्य हैं और आपस में रिश्तेदार थे। मृतकों की पहचान बीरपुर थाना क्षेत्र के पानापुर वार्ड नम्बर तीन निवासी बबलू साह का पुत्र अमन कुमार (13), जगदीश साह का पुत्र राकेश कुमार (10), अर्जुन शाह का पुत्र दीपांशु कुमार (12)और फेको साह का पुत्र दिलखुश (12) के रूप में की गई है। स्थानीय मछुआरे कर रहे हैं लड़कों की तलाश घटना के संबंध



में परिजनों का कहना है कि चारों लड़के साइकिल पर सवार होकर गंडक नदी में स्नान करने गये थे। स्नान करने के क्रम में सभी गहरे पानी में चले गए, जिससे सबों की डूबने से मौत हो गई। घटनास्थल पर हरेराम साह ने बताया कि इस घटना में उनका पोता डूब गया है।। वहीं एक महिला का कहना है कि घटना में उनका तीन पोता और एक भतीजा डूब गया है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में रोना-चीखना शुरू हो गया। परिजन और ग्रामीण तुरंत दौड़ कर नदी किनारे पहुंचे और स्थानीय मछुआरों की मदद से उनकी खोजबीन शुरू हो गई। परिजनों का कहना है कि डूबने वाले चारों लड़कों की उम्र लगभग दस से तेरह साल के बीच है। घटना की जानकारी स्थानीय थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। घटना के बाद परिजनो का रो-रो कर बुरा हाल है।प्रशासन के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश स्थानीय मछुआरों के द्वारा इन तीनों को खोजकर पानी से बाहर निकाल लिया गया, जबकि दिलखुश का शव अब तक बरामद नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष के साथ-साथ सीओ और बीडीओ भी घटनास्थल पर पहुंचे।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत, सड़क जाम



बेतिया। बेतिया में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद मौके पर घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा। घटना जिले के छावनी गुमटी की है। वहीं, मृतक की पहचान बानुछापर थाना क्षेत्र के हाजमा टोला वार्ड-27 निवासी रामायण साह के बेटे आर्यन कुमार के रूप में की गई है। जबकि घायल युवक मनुआपुल थाना क्षेत्र के छावनी निवासी आकिल मीर का बेटा गुलफरान आलम है, जो प्लंबर मिस्त्री का काम करता था। वहीं, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आगजनी कर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। आक्रोशित लोगों ने बताया कि पिछले पांच साल से ओवरब्रिज का काम हो रहा है। ओवरब्रिज के नीचे सड़क काफी खराब हो चुकी है। लेकिन कंपनी नहीं बनवाती है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। आक्रोशितों ने बताया कि घटनास्थल के पास सड़क टूटी हुई है। ट्रक माल से लदा हुआ था, शायद इसी वजह से ट्रक समय से नहीं रुक पाया और टक्कर लगने से युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद मौके पर तनाव का माहौल कायम हो गया। सूचना पर मौके पर छह थानों की पुलिस पहुंच गई। फिर लोगों को समझा-बुझा कर शांत कराया गया। जानकारी के अनुसार, गुलफरान प्लंबर का काम करने आर्यन के घर गया हुआ था। काम खत्म होने के बाद आर्यन उसे छावनी छोड़ने जा रहा था। रास्ते में रेलवे गुमटी पर फाटक बंद था। इसी दौरान एक ट्रक ने अनियंत्रित होकर टक्कर मार दी, जिसके बाद दोनों युवक ट्रक और ओवरब्रिज के पिलर के बीच बाइक सहित फंस गए।

शौचालय की सेंटरिंग खोलने के दौरान मकान मालिक और मजदूर की मौत

केटी न्यूज/गोपालगंज

गोपालगंज जिले के मांझा प्रखंड में निमार्णाधीन शौचालय टंकी का सेंटरिंग खोलने के दौरान जहां मकान मालिक और एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं, बचाव करने गए दो युवक अचेत हो गए। बेहोशी की हालत में दोनों युवकों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों द्वारा उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना मांझागढ़ थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव की है। मृतकों की पहचान सुधीर दुबे और फेंकू मिस्त्री के तौर पर हुई है। जानकारी के मुताबिक, जिले के मांझा थाना के फुलवरिया गांव में सुधीर दुबे अपने निमार्णाधीन घर में शौचालय की टंकी बनवा रहे थे। उसी दौरान शौचालय की टंकी का सेंटरिंग खोलने के लिए अंदर घुसे सुधीर दुबे और राज मिस्त्री फेंकू की दम घुटने से मौत हो गई। अंदर घुसे दोनों लोगों को बचाव करने गए दो युवक कुलदीप कुमार और अंकित कुमार भी अचेत हो गए। इस घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची मांझा पुलिस ने जेसीबी के मदद से सभी लोगों को बाहर निकाला। उसके बाद ग्रामीणों की मदद से अचेत दोनों युवक कुलदीप कुमार और अंकित कुमार को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

बोले सांसद पप्पू यादव... बिहार के सभी जिलों में खोलेंगे निःशुल्क राम जानकी अस्पताल

- कोसी-सीमांचल से बाढ़ की मुक्ति और हाईडैम का निर्माण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल
- न्यूनतम दर पर मरीजों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी

केटी न्यूज/मधेपुरा

बीएन मंडल विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का स्वागत सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सांसद बनने के बाद पहली बार मधेपुरा पहुंचे पप्पू यादव का लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पूरे शहर का भ्रमण के बाद शाम लगभग चार बजे वे बीएनएमयू के ऑडिटोरियम पहुंचे। जहां मौजूद लोगों ने उनपर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। इस दौरान अपने संबोधन में पप्पू यादव ने कहा कि हमेशा बिहार की जनता राजनीति का शिकार रही है। राजनीतिक दुकान चलाने के लिए लोग विशेष राज्य और विशेष पैकेज की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य और कोसी-सीमांचल को विशेष पैकेज मिले, यह उनकी पहली प्राथमिकता है। कोसी-सीमांचल में दो दर्जन से अधिक



फैक्टरी मक्का, मखाना और फूड प्रोसेसिंग की आवश्यकता है। सांसद यादव ने कहा कि कोसी-सीमांचल से बाढ़ की मुक्ति और हाईडैम का निर्माण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इस इलाके से डेढ़ करोड़ लोगों का पलायन रोकना होगा। इसके लिए इसी क्षेत्र में लोगों को रोजगार का अवसर उपलब्ध करवाना होगा। पप्पू यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्ति के लिए अभियान चलाया जाएगा। वहीं, उन्होंने कहा कि बिहार के सभी जिलों में निशुल्क राम जानकी अस्पताल खोलेंगे। इनमें न्यूनतम दर पर मरीजों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें फीस मात्र 11 रुपये, जांच 50 रुपये और दवा में 70 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कोसी-सीमांचल के बगैर किसी की सरकार न बने, मैं ऐसा प्रयास करूंगा।

उमस भरी गर्मी से पढ़ाई कर रही 3 छात्राएं व एक छात्र हुए बेहोश

गोपालगंज गोपालगंज जिले के पंचदेवरी प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझवलिया में पढ़ाई के समय तीसरी घंटी में अलग-अलग वर्ग की कक्षाओं में तीन छात्राएं और एक छात्र बेहोश होकर गिर पड़े। एक साथ चार बच्चों के बेहोश होकर गिरने से विद्यालय में अफरातफरी का माहौल हो गया। विद्यालय के शिक्षक आलोक कुमार राय, जयपाल टुडू और तारकेश्वर मिश्र ने बताया कि विद्यालय की तीसरी घंटी चल रही थी। उसी दौरान कक्षा नौ की छात्रा चांदनी कुमारी चक्कर खाकर गिर गई। विद्यालय के शिक्षक और बच्चे कुछ समझ पाते उससे पूर्व कक्षा नौ के ही एक और छात्र वृज राम, वर्ग आठ की छात्रा ज्योति कुमारी और वर्ग 10 की छात्रा सुनीता कुमारी भी कक्षा में बेहोश होकर गिर गए। अचानक हुई इस घटना से विद्यालय में हड़कंप मच गया। सभी बच्चे डर गए।

राज्य के शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ेगी, देवघर में जगह-जगह से पहुंचेंगे कांवड़ियां

इस बार आएगा सावन झूम के इस बात के आसार कम, बिहार में बारिश की जगह तेज धूप की संभावना

- पटना समेत कई जिलों में धूप-छांव का खेल जारी है। लोग बारिश का इंतजार कर रहे
- भागलपुर केसुल्तान गंज में श्रावणी मेला को लेकर सारी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी

बिहार के कई जिलों में उमस भरी गर्मी से लोग परेशाान हैं। पटना समेत कई जिलों में धूप-छांव का खेल जारी है। लोग बारिश का इंतजार कर रहे। बताया जा रहा है कि मानसून कमजोर होने के कारण बारिश में कमी आई है। मानसून की टर्फ लाइन फिलहाल बिहार से नहीं गुजर रही है। मौसम



विभाग ने 22 जुलाई के बाद बिहार में बारिश के आसार जताए हैं। इसी दिन से सावन की भी शुरूआत हो रही है। राज्य के शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ेगी। अगर बारिश हुई तो लोगों को गर्मी से काफी राहत मिलेगी। इधर, भागलपुर के सुल्तानगंज में श्रावणी मेला को लेकर सारी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। भागलपुर में 17 जुलाई तक औसत 30 प्रतिशत बारिश कम हुई।

उमस भरी गर्मी से वह परेशान दिखे श्रद्धालु: डीएम ने सुल्तानगंज में श्रावणी मेला को लेकर सारे कामों को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया थ। बारिश नहीं हुई तो जिम्मेदार जल्द से जल्द बचे हुए काम पूरा करने में जुट गए। कच्चा कांवरिया पथ किनारे लगे टूटे-फूटे आरसीसी बेंच और कांवर स्टैंड को व्यवस्थित कर दिया गया है। वहीं साफ-सफाई की मुकम्मल व्यवस्था के लिए मजदूरों की संख्या भी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। सुलतानगंज में अभी से ही कांवरियों की भीड़ देखी जा रहा है। हालांकि बारिश नहीं होने के कारण उमस भरी गर्मी से वह परेशान जरूर दिखे। वह भी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। श्रद्धालु सावन की पहली सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ और बासुकीनाथ पर जलाभिषेक की तैयारी में हैं। वहीं पहली सोमवार को ही जलाभिषेक करने के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों से कांवड़ियों का भीड़ उमड़ने लगी है। कई ऐसी ट्रेने है जो सीधे देवघर के लिए प्रस्तान नहीं करेंगी। बावजूद इस तरह की ट्रेनों में भीड़ देखने को मिल रहा है। कई ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं मिल पा रही है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018
APPROVED RERA PROJECT
ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

खबरें फटाफट

फरार चल रहे दो वारंटी धराये, जेल

डुमरांव। स्थानीय पुलिस ने फरार चल रहे दो वारंटियों को धर दबोचा है। गिरफ्तार वारंटियों की पहचान थाना क्षेत्र के अटांव गांव के रहने वाले भृगुनाथ सिंह के पुत्र नंदबिहारी सिंह और गोरख सिंह के रूप में हुई है। दोनों आपस में भाई बताये जाते हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया। डुमरांव पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ स्थानीय थाने में मामला दर्ज किया गया था। जिसके आलोक में न्यायालय से वारंट निर्गत था।

शराबी पति को पत्नी ने भिजवाया जेल

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के चारमोटिया इनार निवासी एक युवक को शराब पीने को लेकर हंगामा करना महंगा पड़ गया। आरोपी युवक की पत्नी ने हंगामा कर रहे युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे धर दबोचा तथा उसके पास से ऐट पीएम के एक पीस शराब को भी बरामद किया हैं। आरोपी की पहचान चारमोटिया इनार का रहने वाला रामजी महतो के पुत्र रत्न कुमार के रूप में हुई है। वह शराब पीने के लिए अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज व हंगामा कर रहा था। इसी दौरान उसकी पत्नी ने पुलिस को फोन किया और शराब पीने से मना किया। अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि आरोपी के पास से शराब बरामद हुआ है। कागजी कार्रवाई के बाद पुलिस उसे जेल भेजने की तैयारी कर रही हैं।

फरार महिला शराब तस्कर गिरफ्तार

नावानगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के भटौली डेरा से फरार महिला शराब तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद शुक्रवार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार फरार महिला शराब तस्कर उक्त गांव के देवंती देवी पति बिंदा डोम बताई जाती है। इसकी पुष्टि करते हुए नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि बीते वर्ष 17 फरवरी को महिला तस्कर के घर से 10 लीटर महुआ शराब बरामद हुआ था। पर महिला तस्कर भाग निकली थी। गुरुवार की देर शाम सूचना मिली कि महिला शराब तस्कर अपने घर आई हुई है। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष ने चिह्नित घर छापेमारी कर फरार महिला तस्कर को धर दबोचा। जिसके बाद आगे की कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

पुलिस ने वारंटी को भेजा जेल

नावानगर। सोनवर्षा ओपी क्षेत्र के रामनगर गांव से कोर्ट वारंटी एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार वारंटी उक्त गांव के कमल चौधरी उर्फ बब्लू बताया जाता है। ओपीध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त पर कोर्ट से वारंट निर्गत किया गया था। जिस पर अमल करते हुए उसे उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बरामद किया तीन रायफल, एक बंदूक, एक कट्टा, 8 कारतूस व एक खोखा

एक घंटा के अंदर गिरफ्तार हुए राजपुर में युवक को गोली मारने वाले 6 अपराधी

- एसपी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर



राजपुर पुलिस व अपराधियों में चूहा बिल्ली का खेल जारी है। पुलिस लगातार अपराधियों पर भारी पड़ रही है। गुरूवार को थाना क्षेत्र के सिराढ़ पुल के पास बहुआरा के एक युवक को गोली मारने वाले छह अभियुक्तों को पुलिस ने घटना के एक घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से पुलिस ने तीन रायफल, एक बंदूक, एक कट्टा, आठ जिंदा कारतूस तथा एक खोखा बरामद किया है। शुक्रवार को एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बहुआरा के लालमोहर सिंह व शिवशंकर सिंह के बीच नाली का विवाद चल रहा है। इसी विवाद में गुरूवार की दोपहर लालमोहर सिंह के पक्ष ने शिव शंकर सिंह के 32 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार सिंह को गोली मार जख्मी कर दिया गया था। इसकी सूचना मिलते ही तत्काल सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। छापेमारी के दौरान ही घटना स्थल से कुछ दूर स्थित एक घर से इस वारदात में शामिल हरेराम सिंह के तीन पुत्रों रामदयाल सिंह, लालमोहर सिंह व रामाश्रय सिंह, रामदयाल सिंह के पुत्र संतोष सिंह तथा रामाश्रय सिंह के दो पुत्रों रंजीत कुमार व नीतेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से तीन रायफल, एक बंदूक, एक कट्टा, आठ कारतूस तथा एक खोखा बरामद किया गया। एसपी ने बताया कि पूछताछ में सभी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। एसपी ने बताया कि अपराधियों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। बता दें कि गुरूवार की भरी दोपहरी पीराढ़ पुल के पास नामजदों ने शिवम सिंह को जान मारने की नियत से तीन गोली मारी थी। लेकिन, संयोग से उसकी जान बच गई है। उन्हें गिरफ्तार करने वाली टीम में सदर डीएसपी धीरज के अलावे राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार, धनसोई थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह, इटाढ़ी थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद के अलावे राजपुर थाने के पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल शामिल थे।

चिंताजनक स्थिति में चल रहा है इलाज : इधर जख्मी शिवम सिंह का इलाज चिंताजनक स्थिति में बाराणसी के किसी अस्पताल में चल रहा है। समाचार लिखे जाने तक उसकी हालत स्थित बनी हुई है। वही इस घटना को ले परिजनों में गहरा आक्रोश है। घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी से परिजनों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। वही इस घटना के बाद से गांव में गुटीय तनाव व्याप्त है। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

हाल के दिनों में सराहनीय रही है राजपुर पुलिस की भूमिका, कई मामलों में मिली सफलता

हाल के दिनों में अपराध नियंत्रण के प्रति राजपुर पुलिस की भूमिका काफी सराहनीय रही है। बता दें कि पिछले एक पखवाड़े में राजपुर पुलिस ने कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ ही सफेदशपोशों व राजनेताओं तक को सलाखों के पीछे भेजा है। इसकी शुरूआत चार जुलाई को रामपुर गांव के पास यूपी व बिहार के कुख्यात अपराधकर्मी गुड्डू राय को उसके आधा दर्जन गुर्गों तथा हथियार के साथ गिरफ्तार कर हुई थी। वहीं, सात जुलाई को सैंथू गांव में जबरन जमीन पर कब्जा दिलाने गए पूर्व मंत्री छेदीलाल राम, एक मुखिया पति समेत पांच लोगों को पुलिस ने दो रायफल व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आठ जुलाई को सरेंजा एसबीआई से पैसा निकला घर जा रहे एक व्यक्ति से हुई 1.5 लाख रूपए के लूट में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक घंटे के अंदर चार लूटेरों को राजपुर के पास से गिरफ्तार किया। फिर 18 जुलाई को सिसराढ़ पुल के पास नाली के विवाद में युवक को गोली मार जख्मी करने वाले छह अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार करने के साथ ही उनके पास से तीन रायफल, एक बंदूक व एक कट्टा तथा कारतूस व खोखा बरामद किया। जबकि 19 जुलाई को जिले के टॉप 10 अपराधियों में शामिल तथा 15 हजार के ईनामी अपराधी अखिलेश चौधरी उर्फ प्रवीण राज को पुलिस ने सरेंजा के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के त्वरित ऐक्शन तथा अपराधियों की गिरफ्तारी से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ गया है।

अपराध नियंत्रण पर किया जा रहा फोकस



अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी थानाध्यक्षों को अपराध नियंत्रण का निर्देश दिया गया है। जिस पर फोकस किया जा रहा है। हालिया समय में राजपुर पुलिस की कार्यशैली काफी सराहनीय रही है।
- मनीष कुमार, एसपी, बक्सर

प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा मुफ्त स्टडी किट

केटी न्यूज/बक्सर

जिला नियोजन पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त सूचनानुसार बिहार सरकार, श्रम संसाधन विभाग, जिला नियोजनालय बक्सर के द्वारा स्टडी किट योजना के अंतर्गत आवेदन प्राप्त किये जा रहे है। यह योजना पूर्णतः निःशुल्क है।

योजना का लाभ लेने के लिए लाभुक को नियोजनालय में कम से कम छः माह का निबंधन होना चाहिए, सरकारी सेवा के लिए रिक्ति के विरूद्ध आवेदन का साक्ष्य होना चाहिए। उम्र सीमा सरकारी सेवा के मापदंड के अनुसार होना चाहिए, बिहार राज्य का निवासी होना चाहिए, वार्षिक पारिवारिक आय अधिकतम 1.80 लाख से कम होना चाहिए एवं शैक्षणिक योग्यता परिक्षावार अनुमान्य होना चाहिए। संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली एवं बिहार लोक सेवा आयोग, पटना के द्वारा आयोजित होने वाले प्रतियोगिता परीक्षा सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्टडी किट उपलब्ध कराया जा रहा है। लाभुकों के चयन में दिव्यांगजन ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति, अनुसूचिज जनजाति, आर्थिक रूप से पिछडे वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा एवं महिला वर्ग को प्राथमिकता दी जायेगी। पूर्व में स्टडी किट एवं टूल किट प्राप्त कर चुके अभ्यर्थी इस योजना के पात्र नहीं होंगे। स्टडी किट के लिए पात्र उम्मीदवारों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तकें, नोट्स, डायरी, मानचित्र, कलम इत्यादि उपलब्ध कराया जाएगा।

15 हजार रुपये का इनामी गिरफ्तार, टॉप टेन अपराधियों की लिस्ट में था शामिल

केटी न्यूज/बक्सर



जिले की पुलिस ने टॉप टेन अपराधियों की फेहरिस्त में शामिल अखिलेश चौधरी उर्फ प्रवीण राज को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी राजपुर थाना क्षेत्र के सरेंजा मोड़ के पास से हुई है। वह ऑनर किलिंग के एक मामले में पिछले एक साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर 15 हजार का इनाम भी घोषित किया था। बता दें कि 2023 में थाना क्षेत्र में हुए एक ऑनर किलिंग के मामले में उसकी संलिप्तता सामने आई थी। जिसमें वह फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा सैकड़ो जगहों पर छापेमारी किया गया था। लेकिन यह पुलिस के गिरफ्त में नहीं आ पाया था। हालांकि राजपुर की पुलिस को इसकी गिरफ्तारी करने में सफलता मिल गई, जिसकी जानकारी एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता कर दी।

बता दे कि बक्सर जिले के रोहणीभान के पास सड़क किनारे झाड़ी में एक युवती की हत्या कर शव को फेक कुछ लोग फरार हो गए थे। घटना 19 फरवरी 2023 की है। जिसके बाद से पुलिस जांच में जुट गई तो महिला की पहचान धनसोई के रामपुर के गांव के निवासी के रूप में हुई थी। जहां ऑनर किलिंग में युवती की हत्या कर एंबुलेंस से इलाज का बहाना बना सुनसान जगह सड़क किनारे फेंक दिया गया था। जिसमें पुलिस द्वारा कुछ लोगों की गिरफ्तारी किया गया था। लेकिन इस हत्या में संलिप्त प्रवीन चौधरी फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी सरेंजा के पास करने के बाद जेल भेज दिया गया। एसपी मनीष कुमार ने बताया कि ऑनर किलिंग के मामले में कुछ लोगों की गिरफ्तारी हो गई थी। इसमें पीरो थाना के नखावल गांव के निवासी अखिलेश चौधरी उर्फ प्रवीण राज फरार चल रहा था। जिसे पुलिस टॉप टेन की लिस्ट में उसे रखते हुए 15 हजार का इनाम भी घोषित किया था। जिसे राजपुर थाना द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

डुमरांव के ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर का छत टूटकर गिरा, लोगों ने की संरक्षण की मांग

केटी न्यूज/डुमरांव



डुमरांव की हृदयस्थली राजगढ़ परिसर में स्थिति बांके बिहारी मंदिर के छत का एक हिस्सा शुक्रवार को टूटकर गिर गया। हालांकि जिस वक्त छत का हिस्सा टूटकर गिरा उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था। जिससे कोई क्षति नहीं हुई है। बावजूद ऐतिहासिक व प्राचीन मंदिर के इस हालत पर श्रद्धालुओं में मायूशी छाई है। इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उसे देखने पहुंचे। लोगों ने इसके संरक्षण की मांग की है।

बता दें कि यह मंदिर डुमरांव ही नहीं बल्कि जिले का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है। इसकी बनावट, नक्काशी आज भी आकर्षक है तथा दूसरे प्रदेशों के श्रद्धालुओं को भी अपनी ओर आकर्षित करता है। राजगढ़ परिसर स्थित इस मंदिर को देखने के लिए लोग दूर दराज से आते है। भारत रत्न उस्ताद विस्मिल्लाह खां इसी मंदिर से शहनाई की फनकारी सिखे थे। यह मंदिर डुमरांव राज परिवार के समृद्धि व मंदिर प्रेम का द्योतक भी है। जहां हर साल विजयादशमी व श्रीकृष्णजन्माष्टमी पर आयोजित होने वाले जलसे में राजपरिवार शामिल होता है। यह मंदिर शहर वासियों के श्रद्धा व विश्वास का अटूट केंन्द्र भी है। यही कारण है कि मंदिर का छत टूटने से लोगों में मायूशी छाई है। लोगों ने इस ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की मांग की है।

21 सूत्री मांगों के समर्थन में जिले के होमगॉर्ड जवानों ने लगाया काला बिल्ला

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के होमगार्ड जवानों अपनी 21 सूत्री मांगों के समर्थन में शुक्रवार को काला बिल्ला लगा अपनी ड्यूटि निभाई। साथ ही राज्य स्तरीय अभियान के तहत मूल समस्याओं के निदान कराने के लिए सरकार के समक्ष चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया है। दूसरे चरण में रक्षा वाहिनी के जवान मार्च करते हुए जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय पर जिला पदाधिकारी के समक्ष धरना देंगे।

होमगार्ड जवानों ने अपनी 21 सूत्री मांगों को लेकर हाथ में काला पट्टी बांधकर नगर के बाजार समिति परिसर में होमगार्ड परिसर में सरकार के विरोध में जमकर नारे बाजी किया। वहीं काली पट्टी बांधकर जवान 23 जुलाई तक विरोध जतायेंगे। जिले मे विभिन्न विभागों में ड्यूटी पर तैनात अपने कार्य में रहते हुए जवानों ने विरोध जताया। संघ के जिलाध्यक्ष कामेश्वर चौधरी ने बताया कि रक्षा वाहिनी के जवान पुलिस के जवानों से ज्यादा काम करते है। उनसे ज्यादा काम लिये जाने के बावजूद वेतन महज कुछ ही दिया जाता है। उन्हें अवकाश नहीं मिलता है, उनका लगातार शोषण हो रहा है। मौके पर सचिव संजय कुमार सिंह, रामायण सिंह, राजू कुमार पाल, रामजी सिंह, मनोज कुमार सिंह, शिवशंकर नट, धर्मेंद्र प्रसाद, शशि भूषण ठाकुर, राम प्रवेश सिंह, मुन्ना प्रसाद केशरी समेत अन्य शामिल रहे।

एक नजर

कुलमनपुर में खरीफ किसान पाठशाला में किसानों को सोनाचूर धान की खेती की दी गई जानकारी



केसठ। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर के तत्वावधान में प्रखंड अंतर्गत रामपुर पंचायत के कुलमनपुर में खरीफ किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। पाठशाला कार्यक्रम का नेतृत्व प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉक्टर प्रफुल्ल कुमार ने किया। जिसमें संचालक की भूमिका चितरंजन सिंह द्वारा निभाई गई। इस दौरान किसानों को सोनाचूर धान के बारे में विधिवत जानकारी दी गई। तथा सोनाचूर धान उपजाने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि धान के सोनाचूर प्रभेद को विलुप्त होने से बचने के उद्देश्य से कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण द्वारा किसान पाठशाला संचालित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉक्टर प्रफुल्ल कुमार अपने कुशल मार्गदर्शन में सोना चूर धान की रोपनी करवाई और किसानों को इससे जुड़ी आवश्यक ससामयिक जानकारी भी दी। साथ ही फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी जांच के आधार पर संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग, फफूंदनाशी एवं कीटनाशी से बीजोंपचार, सिंचाई के लिए जल प्रबंधन, कीट तथा पोषक तत्व से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने का सलाह दिया गया। मौके पर लेखपाल प्रफुल्ल कुमार, किसान सलाहकार अमरेंद्र प्रसाद, रितेश कुमार, विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने से बच्चों के नामांकन पर पड़ रहा असर

केसठ। स्थानीय प्रखंड कार्यालय में काफी दिनों से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए दिए गए आवेदनों का निष्पादन नहीं हुआ है। जिससे सैकड़ों से अधिक आवेदन लंबित पड़े हैं। प्रमाण पत्र नहीं मिलने से लोगों में सिस्टम के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। आवेदकों ने बताया कि कुछ माह पहले जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए कार्यालय में आवेदन जमा किया गया था। लेकिन, महीनों बीत जाने के बाद भी आवेदनों का निष्पादन नहीं हुआ। लोगों ने बताया कि पिछले एक माह से वे जन्म प्रमाण पत्र के लिए दौड़ रहे हैं। लेकिन, कर्मी व अधिकारी उन्हें टाल दे रहे हैं। इधर, प्रमाण पत्र के अभाव में उनके बच्चों का विद्यालयों में नामांकन नहीं हो रहा है। जिससे बच्चों के नामांकन पर खतरा हो रहा है। बताते चले की शिक्षा विभाग के निर्देश है कि विद्यालय में नामांकित बच्चों के ई शिक्षा कोष पर आधार संख्या सहित उनका परिचय अपडेट करना है। लेकिन अधिकांश बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है, जिसके कारण ई शिक्षा कोष पर उनका अपडेट नहीं हो पा रहा है। जब परिजन आधार केंद्र पर जाते है तो वहां आधार कार्ड बनवाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है इधर प्रखंड कार्यालय में लंबित पड़े जन्म प्रमाण का निष्पादन नहीं होने से बच्चों के आधार कार्ड नहीं बन पा रहा है साथ ही अगले कक्षे में नामांकन नहीं हो पा रहा है। जानकारी देते हुए बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने बताया कि सर्वर डाउन और नेटवर्क इश्यू के कारण प्रमाण पत्र बनाने में दिक्कतें आ रही है। ऑपरेटर हर संभव जल्द से जल्द जन्म प्रमाण पत्र बनाने में लगे हुए। जल्द ही सभी आवेदनों का निष्पादन कर दी जाएगी।

आशा फैसिलिटेटर को बंध्याकरण और अश्विन पोर्टल के संबंध में दी गई विस्तृत जानकारी



डुमरांव। स्थानीय पीएचसी में आशा फैसीलेटरों के साथ पीएचसी प्रभार डा. आर बी प्रसाद ने एक बैठक आहूत की। बैठक में परिवार नियोजन पखवारा के लिए मिले लक्ष्य के संबंध में सभी के साथ समीक्षात्मक वार्ता की गई। फिर सघन दस्त नियंत्रण पखवारा के संबंध में सभी को बताया गया। इतना ही नहीं एमपीआर और सीडीआर पर भी चर्चा की गई। फिर अनमोल एनसीडी के साथ ही आयुष्मान भारत के संबंध में सभी से पूछा गया। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले इस पर ज्यादा फोकस रहा। आशा फैसीलेटरों को कहा गया की एक फैसीलेटर के अधीन जितनी आशा हैं, सभी से फिल्ड में काम लेना आपका कार्य है। उनसे संपर्क स्थापित करते हुए उनके कार्य की समीक्षा करना है, फिर इस कार्य को पूरा करने में उन्हें कितना लाभ मिलेगा इसको भी बताना होगा। अश्विन पोर्टल के संबंध में आशा फैसीलेटरों को वृहद रूप से बताया गया। क्योंकी पूछने पर किसी ने सही तौर पर जवाब नहीं दिया। फिर पात्र लोग जो आयुष्मान कार्ड के हकदार है, उन्हें लाभ मिले इस पर ध्यान देने की बात कही गई। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए उन्हें बताया जाए की कहां बनता है, उसकी पात्रता क्या है।

वीसी में मुख्यमंत्री ने अपराध नियंत्रण के दिए निर्देश, शामिल हुए डीएम-एसपी



बक्सर। शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित राज्य में अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गई। जिसमें जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने भाग लिया। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से शनिवारीय शांति समिति की बैठक, अभियोजन में प्रगति लाने के लिए बैठक आयोजित कर भूमि विवाद की समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश दिया। इसके साथ-साथ शराब कारोबारियों, अवैध भूमि एवं खनन संबंधी असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त करवाई करने के संबंध में निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा कई अन्य महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। वीसी के बाद डीएम एसपी ने जिले के सभी सीओ व थानाध्यक्षों को हर शनिवार थानों में जनता दरबार का आयोजन कर भूमि विवाद के मामलों का निपटारा करने का निर्देश दिए। वही शराब तस्करों को पकड़ने तथा शराब तस्करी के जीरो टालरेंस की नीति को धरातल पर उतारने के लिए पुलिस को और सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया गया। जबकि खनन व बालू माफियाओं पर कार्रवाई करने का निर्देश भी डीएम एसपी ने दिया है। मुख्यमंत्री के इस वीसी के बाद माना जा रहा है कि जिले की विधि व्यवस्था में सुधार होगा।

डीएम के नेतृत्व में एमवी कॉलेज परिसर में किया गया पौधरोपण, डीएम ने छात्रों को पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

पौधरोपण से ही मिल सकती है ग्लोबल वर्मिंग से निजात: डीएम

- बोले जिलाधिकारी... दुनियाभर में ग्लोबल वर्मिंग एक बड़ा खतरा बनते जा रहा है

केटी न्यूज/बक्सर



दुनियाभर में ग्लोबल वर्मिंग का खतरा मंडरा रहा है। हमारे जिले का तापमान भी अब नया रिकार्ड बना रहा है। इससे बचाव का एकमात्र उपाय अधिक से अधिक पौधे लगाना तथा उनकी देखभाल करना है। उक्त बातें बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल ने शुक्रवार को एमवी कॉलेज परिसर में पौधरोपण के बाद छात्रों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिस तरह धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है तथा दुनियाभर में ग्लोबल वर्मिंग एक बड़ा खतरा बनते जा रहा है, वह मानवता के लिए चिंता की बात है। डीएम ने छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक पौधा लगाने तथा उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे द्वारा लगाए गए पौधों से ही प्रकृति का संतुलन बना रहेगा तथा हमे अत्यधिक तापमान तथा जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों से निजात मिल सकती है।

डीएम ने कहा कि यदि हम अभी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ी के लिए समय बहुत खराब होने वाला है। हमें अपनी भावी पीढ़ी के लिए न सिर्फ अधिक से अधिक पौधा लगाना होगा, बल्कि उनकी उचित देखभाल करने की आदत भी डालनी होगी। बता दें कि जिले में पर्यावरण सुरक्षा को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें सरकारी खाली जगहों के साथ ही नीजी विद्यालयों एवं सरकारी विद्यालयों में खाली जगहों पर पौधरोपण किया जा रहा है। जिससे पर्यावरण की सुरक्षा की जा सके। इसी क्रम में एमवी कॉलेज परिसर में डीएम के नेतृत्व में 50 पौधों का रोपण किया गया। जिला पदाधिकारी ने सभी से ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने के साथ ही अन्य लोगों को भी पौधरोपण के प्रति प्रेरित करने की बात कही। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र पाठक ने बताया कि परिसर में कुल 50 की संख्या में डीएम के निर्देश पर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर पौधों का रोपण कराया गया है। प्राचार्य ने कहा कि कॉलेज के छात्रों को इन पौधों को बचाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही उन्हें जिम्मेवारी भी दी जा रही है। ताकी उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़े। उन्होंने कहा कि समय समय पर कॉलेज परिसर में पर्यावरण के प्रति छात्रों को जागरूकर करने के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते है। इस दौरान वहा उपस्थित छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधें लगाने तथा उनकी देखभाल का संकल्प भी लिया। मौके पर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा एवं एसडीपीओ धीरज कुमार के साथ ही महाविद्यालय के प्रोफेसर व अन्य उपस्थित थे।

सात सूत्री मांग को लेकर मजदूर नेता व मजदूर गए थे नप ईओ से मिले

सफाई कर्मियों के साथ डुमरांव कार्यपालक ने किया दुर्व्यवहार, आज से हड़ताल पर जाएंगे सभी

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ तानाशाही रवैये से क्षुब्ध हुए सभी सफाई कर्मी

नगर परिषद की सफाई व्यवस्था में कार्यरत सफाई मजदूर अपनी सात सूत्री मांगों के लेकर नप ईओ से वातार्लाप करने के लिए उनके कार्यालय में शुक्रवार को गये। इनके साथ मजदूरों का एक प्रतिनिधि मंडल मौजूद था। वार्ता करने के लिए नप कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बुलाया। वार्ता जैसे ही शुरू हुआ उन्होंने सफाई कर्मियों की सात सूत्री मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के बजाय एक तानाशाह नौकरशाह की तरह बर्ताव करना शुरू किया। वार्ता, मजदूरों के न्यूनतम मजदूरी के सवाल पर बात हो रही थी। यह कहा गया कि पिछले 27 जून को नप के तत्कालीन ईओ अनिरुद्ध प्रसाद से सात सूत्री मांग पत्र पर एक सम्मानजनक वार्ता हुई थी। इसी बात पर ईओ मनीष कुमार भड़क गए और उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो आप लोग मांग पत्र दिए थे उस समय के कार्यपालक पदाधिकारी डुमरांव के अनिरुद्ध प्रसाद थे, लिहाजा आपलोग उन्हीं से बात कीजिए। सफाई कर्मियों ने उनसे अनुरोध किया कि आपके कार्यालय में उसका प्रति होगा आप देख लीजिए। इस पर एकदम धमकी भरे लहजे में बोले कि जाइए आप लोग लेटर ढूंढते रहिए। उनके इस व्यवहार से तानाशाही झलक रहा था और सभी सफाई कर्मी क्षुब्ध होकर उनके कक्ष से बाहर निकल गए। ईओ के तानाशाह रवैये से आक्रोशित मजदूर अनिश्चितकालीन हड़तला पर चले गए है। शनिवार से वे डोर-टू-डोर कूड़ा का उठाव नहीं करेंगे। मजदूरों



ने साफ कहा कि जबतक कार्यपालक पदाधिकारी अपने दुर्व्यवहार के लिए मॉफी नहीं मांग लेते तथा उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं करते तबतक वे काम पर नहीं लौटेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल माले के मजदूर नेता संजय शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सुशासन की सरकार में पदाधिकारियों का रवैया तानाशाह जैसा हो गया है। दिनों दिन हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। आज जिस रूप से नप ईओ का व्यवहार रहा वह काफी निंदनीय और तानाशाह जैसा रहा है। उनके इस रवैया को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायगा और इसका माकूल जवाब दिया जायगा। उन्हें हर हाल में सफाई कर्मियों से मॉफी मांगनी होगी। सभी सफाई कर्मियों ने एक सुर में कल से कार्य बहिष्कार करने का निर्णय लिया। नगर परिषद डुमरांव के कार्यालय के गेट पर सभी सफाई कर्मियों ने आक्रोषपूर्ण नारे बाजी की। मिलने गए प्रतिनिधि मंडल में संजय शर्मा, सर्वेश पांडेय, रूपक बॉसफोर, अजय पासवान, मुकेश राम, लक्ष्मण राम, दुदुल, सुदामा बांसफोर, राजेश डोम, महेंद्र राम, सरोज राम, जीतन राम, रामफली डोम, मनी डोम, पिंटू डोम, चैत डोम, धर्मेंद्र बांसफोर, लक्ष्मण, मुन्ना, राजन, छठु मुसहर, मनोज डोम, सनोज, उधारी डोम सहित अन्य सफाई कर्मी मौजुद थे।

उनकी जिम्मेवारी एनजीओ की

“ सफाईकर्मी नगर परिषद के कर्मी नहीं है, बल्कि ये एनजीओ के मार्फत काम करते है। उनकी जिम्मेवारी एनजीओ की है। वे कोई मांग पत्र अपने साथ नहीं लाए थे। पुराना मांग पत्र कार्यालय में मौजूद नहीं था। उनसे नया मांगपत्र देने को कहा गया। जिसके बाद वे नाराज हो कर्यालय से बाहर निकल गए। दुर्व्यवाहर की बात सही नहीं है।

- मनीष कुमार, ईओ, नगर परिषद, डुमरांव

संविदा चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों को पांच माह से नहीं मिला वेतन

डुमरांव। संविदा स्वास्थ्य कर्मियों व चिकित्सकों के हड़ताल पर चलें जाने से स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा कर रह गई है। इसका प्रभाव सरकार की चल रही योजनाओं पर भी पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाली स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में आने-जाने में काफी समय बर्बाद हो जाता है, ऐसे में कोई कैसे एफआरएएस के माध्यम से अपना हाजिरी लगाएगा। सरकार उसी के माध्यम से ही मानदेय का भुगतान करने जा रही है, जो कहीं से भी उचित नहीं है। राष्ट्रीय मिशन कमचारी संघ इसका विरोध करता है। कर्मियों ने एकजुटता दिखाते हुए कहा कि हमें भी मान-सम्मान चाहिए।

एक नजर

सदर हॉस्पिटल सासाराम में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर व सीएमई का हुआ आयोजन



सासाराम। जिले के सासाराम में जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, पटना ने ज़िला स्वास्थ्य समिति, सासाराम के सहयोग से सदर अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में बाल कैंसर रोग, किडनी एवं मूत्र रोग और हृदय रोग से पीड़ित मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गयी तथा डॉक्टरों ने अपने परामर्श दिये। उसके बाद दोपहर को डॉक्टरों के लिए सीएमई का आयोजन किया गया। जिसमें सासाराम और उसके आस पास के डॉक्टरों ने भाग लिया और हृदय रोग, बाल कैंसर रोग एवं किडनी एवं मूत्र रोग के विषय पर ज्ञान सत्र एवं चर्चा की गई। जय प्रभा मेदांता हॉस्पिटल की तरफ से दोनों कार्यक्रम में मेदांता हार्ट इंस्टिट्यूट के कार्डियोथ्रोसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. संजय कुमार, मेदांता कैंसर इंस्टिट्यूट के बाल कैंसर रोग विभाग के डा अमित कुमार एवं किडनी एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शशि कुमार ने भाग लिया।

गांगी नदी डूबने से मजदूर की मौत

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के उजियार टोला मोहल्ला में शुक्रवार की शाम गांगी नदी में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक टाउन थाना क्षेत्र के उजियार टोला वार्ड नंबर चार निवासी स्व.शिव मंगल प्रसाद के 59 वर्षीय पुत्र बाबू लाल प्रसाद हैं एवं वह पेशे से मजदूर थे। इधर वार्ड नंबर 4 के पूर्व वार्ड पार्षद अखिलेश प्रसाद ने बताया कि वह प्रतिदिन सूर्य मंदिर में पूजा करने जाते थे जिसको लेकर वह शुक्रवार की शाम भी उजियार टोला स्थित गांगी नदी में स्नान करने गए थे। स्नान करने के दौरान पानी अधिक गहरा होने के कारण वह उसमें डूब गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह मौजूद स्थानीय लोगों ने जब उन्हें नदी में डूबता देखा तो तुरंत नदी में छलांग लगाई उन्हें बाहर निकाला। सूचना मिलने पर टाउन थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया।

किसान व आंगनबाड़ी सेविका की बेटी आरती को मिली दोहरी सफलता

नसरीगंज। बिहार प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व जिला उपाध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष ग्राम पवनी निवासी सिकन्दर सिंह ने रोहतास जिले के नासरीगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनांव इंग्लिश निवासी किसान सह समाजसेवी मदन सिंह एवं आंगनबाड़ी सेविका चम्पा देवी की सबसे छोटी बेटी आरती सिंह को सप्ताह के अन्दर दो-दो पद सब



इंस्पेक्टर (दरोगा) एवं एक्साईज इन्स्पेक्टर के पद पर चयनित होने पर उनके घर जाकर अंगवस्त्र व मेंडल देकर सम्मानित किया। साथ ही, उन्होंने आरती का मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं व बधाई दी। उसके उपरांत भाजपा नेता सिकन्दर सिंह ने कहा कि आरती सिंह ने हमारे प्रखंड और जिले का नाम रौशन की है। जिससे हम सभी अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहें हैं और साथ ही साथ उसके माता-पिता को भी बधाई देते हैं जो साधुवाद के पात्र है ।जिन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का अनुकरण करते हुए अपने बेटी को जिसके पिता एक साधारण किसान और माता आंगनबाड़ी सेविका होते हुए अपनी पुत्री के हौसला अफजाई की और अपना आशीर्वाद देते रहे। जिससे उसने कड़ी मेहनत कर सफलता प्राप्त की।

खबरें फटाफट

शराब कांड का अभियुक्त गिरफ्तार

काराकाट। स्थानीय थाना क्षेत्र के सकला गांव में छापेमारी कर शराब कांड के अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त अरूण पासवान पिता रामेश्वर पासवान बताया जाता है। प्रभारी थानाध्यक्ष रवि भूषण कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त पूर्व के शराब कांड के मामले में तीन महीने से फरार चल रहा था। सूचना मिली कि यह घर पर हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर उसे घर से गिरफ्तार कर लिया गया। मेडिकल जांच के बाद जेल भेज दिया गया।

फिर हुई बाइक चोरी, पुलिस लाचार

काराकाट। स्थानीय थाना क्षेत्र के नगर पंचायत के गोड़ारी पुराना थाना के पास से गुरुवार की देर शाम एक बाइक की चोरी हो गई। बाइक मालिक अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र के बंधवा गांव निवासी राजेश राम बताया जाता है। राजेश राम ने बताया कि गोड़ारी पुराना थाना के पास उन्होंने बाइक खड़ी की और दवा खरीदने चले गये। जब वापस आए तो वहां से बाइक गायब थी। उन्होंने काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं बाइक का पता नहीं चला। बताया कि चोरी की गयी बाइक का नंबर बीआर -24एन 8316 था। उन्होंने अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। मामले में प्रभारी थानाध्यक्ष रवि भूषण कुमार ने बताया कि बाइक चोरी का मामला आया है, जिसकी जांच जारी है।

भूमिहीन किसान परिवार के लिए बैकयार्ड मुर्गी पालन आय अर्जन का बेहतर विकल्प : डॉ. शोभा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज



शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज रोहतास के द्वारा अनुसूचित जाति उप परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं के बीच मुर्गी चूजा का प्रत्यक्षण किया गया। वरीय वैज्ञानिक और प्रधान डॉ. शोभा रानी ने बताया कि मुर्गी पालन आय अर्जन के लिए एक बेहतर व्यवसाय है। विशेष कर वैसे ग्रामीण समुदाय के लोगों के लिए जिनके पास खेती योग्य भूमि नहीं है।

डॉ. शोभा रानी ने बताया कि जो भूमिहीन किसान परिवार हैं, उनके लिए बैकयार्ड मुर्गी पालन और भी अधिक महत्वपूर्ण है। अतः अनुसूचित जाति के महिलाओं के बीच मुर्गी पालन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण देकर कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम उठाया गया है। इन महिलाओं को केंद्र के द्वारा बैकयार्ड मुर्गी पालन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। जिसमें उन्हें मुर्गी पालन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से बताया गया है। किस प्रकार मुर्गियों का खानपान की व्यवस्था हो, रहन-सहन की व्यवस्था, उनके टीकाकरण की व्यवस्था एवं उन्हें जंगली जानवरों से बचने की व्यवस्था इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है। यह मुर्गी चूजा वनराजा प्रभेद के हैं। जिनकी लालन पालन के लिए कोई विशेष खर्च करने की जरूरत नहीं होती है और इस क्षेत्र के जलवायु में आसानी से पल बढ़ जाते हैं। कुल मिलाकर 43 महिलाओं को वन राजा मुर्गी का चूजा दिया गया । यह महिलाएं अलीगंज, गोसलडीह एवं बिसेनिया बाल गांव से है। जमोढ़ी पंचायत के बिसेनिया बाल गांव में केंद्र के द्वारा कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अतः इसी कार्यक्रम के तहत महिलाओं के बीच मुर्गी पालन का प्रत्यक्षण किया गया। मौके पर सभी वैज्ञानिक व कर्मी लोग मौजूद थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, बेलगाम ट्रक ने रौंदा

केटी न्यूज/आरा

♦ गीधा गैस प्लांट में करता था काम, ड्यूटी जाने के दौरान हुआ हादसा

जिले के गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर ओवरब्रिज के नीचे शुक्रवार की सुबह अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंदा दिया।हादसे में युवक की घटना स्थल पर मौत हो गई।इसके बाद स्थानीय थाना पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। मृत युवक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सरथुआ गांव के वार्ड नंबर 11 निवासी राम सिंह उर्फ नथुनी यादव के 35 वर्षीय पुत्र संतोष सिंह है । वह पेशे से गीधा गैस प्लांट में गैस लोडिंग का काम करता था।

मृतक के चाचा राजदेव सिंह ने बताया कि हर रोज की तरह आज भी अपने घर से बाइक पर सवार होकर ड्यूटी करने जा रहा था । इसी बीच बेलगाम ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर पर दी। हादसे में उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना के तीन घंटे बीत जाने के बाद परिवार वालों को सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद परिजन सदर अस्पताल पहुंच कर देखे की संतोष की मौत हो चुकी है। इसके बाद स्थानीय थाना पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर आरा सदर अस्पताल में उसका पंचनामा करवाया।मृतक दो भाई एवं तीन बहन में सबसे बड़ा था। संतोष के घर में पत्नी संगीता देवी के साथ दो पुत्र सूरज कुमार एवं शिवम कुमार और दो बेटी निशा कुमारी एवं अनिशा कुमारी शामिल है। घटना के बाद मृतक के परिवार में चीत्कार मच गया।

अंजबीत सिंह कॉलेज का विजिट करेगी नैक पीयर टीम

केटी न्यूज/बिक्रमगंज



बिक्रमगंज अनुमंडल की एकमात्र अंगीभूत इकाई अंजबीत सिंह महाविद्यालय इन दिनों सुर्खियों में है । ऐसा इसलिए कि प्राचार्य डॉ एस.एस. भाष्करम की दूरदर्शी सोच मूर्त रूप ले रही है। नैक एक्रिडिटेशन हेतु डेटा वैलिडिटी एवं वेरिफिकेशन के चरण को पार कर नैक पीयर टीम के द्वारा स्थल निरीक्षण हेतु तिथि निर्धारित हो गयी है। जो 22 एवं 23 जुलाई को नैक पीयर टीम महाविद्यालय का विजिट करेगी। इन दो दिनों में टीम के द्वारा अति सूक्ष्म निरीक्षण किया जायेगा।

डॉ भास्करम ने बताया कि हमारी तैयारी अंतिम चरण में है। सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी दिन- रात मेहनत कर कार्य पूर्ण कर रहें हैं। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ अखलाख अहमद ने बताया कि आईक्यूएसी सारा कागजी कार्य को पूर्ण कर चूका है एवं पीयर टीम का सामना करने के लिए पूर्णतः तैयार है। उल्लेखनीय है कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान का सपना होता है कि नैक एक्रिडिटेशन प्राप्त हो जाय। एक अनुमंडलीय महाविद्यालय के द्वारा इतना बड़ा कदम ऐतिहासिक है। इस कार्य हेतु कई चरण से गुजरना पड़ता है एवं अंत में पीयर टीम का विजिट होता है तब जाकर ग्रेड की प्राप्ति होती है। नैक से प्राप्त मीटिंग मिनट्स के अनुसार टीम प्राचार्य के प्रेजेंटेशन लेने आरम्भ होकर, आईक्यूएसी को- ऑर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्षों के साथ विमर्श करेगी। रिसर्च,भौतिक सुविधाएं, पुस्तकालय, शिक्षण- अधिगम प्रक्रिया, बेस्ट प्रैक्टिसेज, महिला सुरक्षा, लैब, कंप्यूटर आदि सभी का निरीक्षण कर परिणाम घोषित करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। अगर सब कुछ सही रहा तो महाविद्यालय इसी माह में नैक एक्रिडिटेड हो जायेगा।



बिक्रमगंज में आउटरीच कार्यक्रम के दौरान बिजली उपभोक्ताओं को किया गया जागरूक

स्मार्ट प्रीपेड मीटर के मुरीद हुए उपभोक्ता

केटी न्यूज/बिक्रमगंज



बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 27 के गुलजार बाग सामुदायिक भवन में आउटरीच कार्यक्रम के दौरान बिजली उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर की खूबियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। लोगों को जानकारी दी गई कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर इंस्टाल करवाना हर उपभोक्ता के लिए अनिवार्य है। यदि वे ऐसा नहीं करेंगे तो वे बिलिंग साइकिल से छूट जाएंगे और उनका बिजली कनेक्शन स्वतः कट जाएगा। उपभोक्ताओं ने भी अपनी ओर से स्मार्ट प्रीपेड मीटर में गहरी दिलचस्पी दिखाते हुए कई सवाल पूछे, जिनका जवाब पाकर वे संतुष्ट दिखे और विश्वास दिलाया कि अपने-अपने घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर इंस्टाल करने की दिशा में वे तेजी से कदम बढ़ाएंगे।

आउटरीज कार्यक्रम के दौरान रोहतास के विद्युत अधीक्षण अभियंता इंद्रदेव कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता ब्रवीम, एसडीओ राजकुमार, सहायक अभियंता दाऊद खान उर्फ आदिल खान, वार्ड संख्या 27 के वार्ड पार्षद मोहम्मद शेरा खान, वार्ड 25 के वार्ड पार्षद मोहम्मद निजामुद्दीन खान (लड्डू) और वार्ड 7 के वार्ड पार्षद मोहम्मद सैफ हुसैन व एजेंसी इन्टेलिस्मार्ट के प्रतिनिधि अमित मिश्रा मौजूद थे। आउटरीच कार्यक्रम के दौरान बिजली उपभोक्ताओं को बताया गया कि कैसे स्मार्ट प्रीपेड मीटर उनके लिए फायदेमंद है और घर बैठे वो आसानी से उसे ऐप या फिर गूगल पे के जरिये रिचार्ज कर सकते हैं। ऐप और गूगल पे के जरिये स्मार्ट प्रीपेड मीटर को रिचार्ज करने की प्रक्रिया को भी उन्हें विस्तार से बताया गया। साथ ही, यह भी बताया गया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर पूरी तरह से निःशुल्क इंस्टॉल किया जा रहा है।

जिन उपभोक्ताओं के घरों में पहले से ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर इंस्टाल हो चुके थे, उन्होंने भी स्वीकार किया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर के इंस्टाल होने के पश्चात उन्हें अपने घरों में बिजली को सही तरीके से नियंत्रित करके बचत करने में आसानी हो रही है। इसके अलावा, उन्हें रिचार्ज के लिए अब बिजली ऑफिस का चक्कर काटना नहीं पड़ रहा है। उपभोक्ताओं को यह जानकारी भी दी गई कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर के जरिये बिजली बिल के लिए एकमुश्त जमा की जाने वाली राशि पर उन्हें ब्याज प्राप्त करने का भी अवसर प्राप्त हो रहा है और ब्याज दर बैंकों की ब्याज दर से कहीं ज्यादा है। 2000 रुपये से अधिक का रिचार्ज करने पर 6.75 प्रतिशत ब्याज दर प्राप्त होगा। इसी तरह तीन माह की खपत के बराबर एकमुश्त रिचार्ज करने पर 7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा और छह माह की अवधि का एकमुश्त रिचार्ज करने पर 7.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। इतना ही नहीं ऑनलाइन रिचार्ज कराने पर 1 प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी। उपभोक्ताओं को यह भी बताया गया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर को रिचार्ज न कराने पर बिजली स्वतः कट जाएगी। हालांकि रात में बिजली नहीं काटी जाती है। बिजली कनेक्शन कार्य दिवस पर दिन में 10 बजे से 1 बजे के बीच काटा जाता है। पर्व त्योहार के दौरान भी बिजली नहीं काटी जाती है। बेहतर यही होगा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की राशि खत्म होने से पहले ही उसे रिचार्ज कर लें।

चिकित्सक नहीं फार्मासिस्ट के सहारे होता है मरीजों का इलाज

केटी न्यूज / बलिया

बांसडीहरोड क्षेत्र के नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छाता पर चिकित्सक आए दिन नदारद रहते हैं। नवागत फार्मासिस्ट के सहारे मरीजों का प्राथमिक उपचार किया जाता है। आलम यह है कि कई दिनों से अस्पताल में बिजली नहीं आने से अस्पताल के अन्य कर्मचारी पेड़ के नीचे बैठकर मरीज का इंतजार करते नजर आए।

अस्पताल में इलाज कराने पहुंचें छाता गांव निवासी मुन्ना कुमार ने बताया कि चिकित्सक के अभाव में वह अपने बच्चे का इलाज सी एच ओ शिवानी गौतम से इलाज कराए। बताया कि अस्पताल में काफी दुर्व्यवस्था है। रिंकू देवी ने बताई कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। अस्पताल में आई तो चिकित्सक नदारद रहे। अन्य किसी से दवा लेकर जा रही है। बताया कि बांसडीह रोड क्षेत्र में कई ऐसे जगह है जहां मकान में बिना बोर्ड लगाए झोला छाप डाक्टर मरीजों का इलाज करते नजर आ रहे है। जिनकी जांच जरूरी है । विभा देवी ने बताई कि वह कई दिनों से अस्पताल पर इलाज कराने के लिए आती हैं। वार्ड ब्वाय या फार्मासिस्ट से दवा लेकर जा रही हूं। बताई कि मुख्य मंत्री द्वारा कहा


खाली कुर्सी


मुन्ना कुमार


संगीता


रिंकू देवी


विभा देवी

जाता है कि अस्पताल पर डाक्टर मिलेंगे। लेकिन यहां डाक्टर साहब कई माह से नहीं आते है तो मरीज झोला छाप डाक्टर से ही दवा लेकर काम चला लेते हैं। कुमारी संगीता ने बताया कि सरकार लोगों को बेहतर ढंग से इलाज करने का दावा ठोकती है। लेकिन धरातल पर यहां डाक्टर ही गायब रहते हैं। बताया कि क्षेत्र में झोला छाप डाक्टर बढ़ गए हैं। मरीजों को इलाज करते हैं और अगर मरीज ठीक नहीं होता है तो सेटिंग वाले अस्पताल पर भेज देते हैं। जिन्हें उनकी अच्छी कमाई हो जाती है।

क्या बोले सीएमओ

बलिया। सीएमओ ने बताया कि छाता नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक नहीं आने की सूचना मिल रही है। शीघ्र ही उन्हे हटाकर दूसरे चिकित्सक की तैनाती की जाएगी। बताया कि कई गांवों में भी लोगों की बेहतर इलाज के लिए शासन द्वारा सीएचओ केन्द्र बनाया गया है। बताया कि सीएचओ को केन्द्र पर ही बैठना है। अगर दूसरे गांव में पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बताया कि चंद्रपुरा गांव में सीएचओ केन्द्र है जहां पर छोटी छोटी बीमारियों का लोग इलाज करा सकते हैं।

क्या बोले फार्मासिस्ट

बलिया। नवागत फार्मासिस्ट वसंत पांडेय ने बताया कि चिकित्सक के विषय में मैं कुछ नही कह सकता हूं। अभी नया आया हूं। बताया कि अस्पताल दो बेड का है। बताया कि जो सरकार की सुविधा मिलेगी वह मरीजों को उपलब्ध कराया जाएगा।

एक नजर

मतदाता सम्मान समारोह : मतदाताओं के सम्मान की रक्षा भाजपा की प्राथमिकता

बलिया। मतदाता व कार्यकताओं के सम्मान की रक्षा करना भाजपा की प्राथमिकता है। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाने में कार्यकताओं ने जो मेहनत किया है उसके लिए पार्टी हर स्तर पर उनके साथ खड़ी है। यह बातें शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित गंगा बहुउद्देशीय सभागार में नगर विधानसभा के मतदाताओं के लिए आयोजित मतदाता सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कही। उन्होंने कहा कि आज कार्यकताओं के दम पर ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। कहा कि आप लोग छोटी छोटी बातों को भूलकर अभी से 2027 के लिए लग जाइए। पार्टी प्रदेश में फिर एक बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह देश आगे बढ़ रहा वो बिना कार्यकताओं संभव नहीं था। कार्यकर्ता अपना खून पसीना बहा कर पार्टी को सींचने का काम कर रहा तो उनके साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। कहा सपा प्रदेश में कुछ सीट जीतकर अति उत्साह में है, लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि हर बार बबूल के पेड़ के पास आम नहीं मिलता। मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्षियों ने संविधान के नाम पर लोगों को बरगलाने का काम किया है, जिसका जवाब जनता 2027 में उनको जरूर देगी। पूर्व मंत्री राजधारी सिंह ने कार्यकताओं के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस दौरान लोगों ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस बीच परिवहन मंत्री ने पूरे विधानसभा से सैकड़ों की संख्या में आए मतदाताओं को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। आयोजन में नपा के चेयरमैन संत कुमार गुप्ता मिठाई लाल, जिलाध्यक्ष संजय यादव, पूर्व मंत्री नारद राय, नागेंद्र पांडेय, पूर्व अध्यक्ष विनोद शंकर दुबे, नगर अध्यक्ष घनश्याम दास जौहरी, कृष्णा पांडेय आदि मौजूद रहे। संचालन जिला उपाध्यक्ष संजय मिश्रा ने किया।

विद्युत कटौती को लेकर पावर हाउस पर बैठे विधायक



लक्ष्मणपुर। विद्युत उपकेंद्र बसंतपुर से जुड़े 40 गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से चरमरा गई है इसको लेकर वृहस्पतिवार की रात में फेफना विधायक संग्राम सिंह यादव ग्रामीणों के साथ पावर हाउस में ही बैठ गये। बिजली दुर्व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी एवं बिजली विभाग के अधिकारियों से बिजली कटौती की शिकायत किए। बता दें कि इलाके में बड़े पैमाने पर धान की खेती की जाती है लेकिन बिजली कम मिलने से किसानों की धान की खेती प्रभावित हो रही है। वहीं उमस भरी गर्मी में उपभोक्ता भी परेशान हैं। विधायक संग्राम यादव ने कहा कि बसंतपुर विद्युत उपकेंद्र पर 5 केवीए का ट्रांसफार्मर है। इसको 10 केवीए करने के लिए 6 माह पहले ही मेरे द्वारा विभाग को धन आवंटन किया जा चुका है। लेकिन दुर्भाग्य कि गड़हांचल के लोग बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। जेई जयद्रथ ने बताया कि ट्रांसफार्मर की क्षमता कमजोर होने से भरौली और बघौना फीडर को बारी बारी से चलाया जा रहा है। इस मौके पर जयपाल यादव, निखिल चन्द्र राय, कृष्णा नंद राय, लालजी यादव,मनोज आदि लोग उपस्थित रहे।

विद्युत कटौती को लेकर प्रभारी एसडीओ को सौंपा पत्रक



बांसडीह। विद्युत कटौती को लेकर नगर पंचायत के लोगों ने भाजपा नेता के नेतृत्व में प्रभारी एसडीओ अवर अभियंता आलमगीर अंसारी से मिला और उन्हें तीन सूत्रीय पत्रक सौंपा। सौपे गये पत्रक में नगर पंचायत में बार बार ट्रिपिंग होने के साथ ही लो वोल्टेज बराबर रहना तथा नगर पंचायत में खंभों पर केबिल तार को लगाये जाने में तेजी लाने की मांग की गई। बताते चले की विगत एक सप्ताह से नगर पंचायत में विद्युत व्यवस्था अस्त व्यस्त हो गई है लगातार कटौती से आम जनता परेशान है जिसको लेकर आज भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल विधुत उपकेंद्र बांसडीह पहुंचा और लोगो को हो रही समस्याओं से अवगत कराया। इस मौके पर मूनजी गोंड,तेजबहादुर रावत,दुर्गेश मिश्रा,अनिल वर्मा,अखिलेश तिवारी,अवनीश मिश्रा,विवेक गुप्ता सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कारागार हुआ पानी-पानी, 50 कैदी मऊ जेल में किया गया शिफ्ट

बलिया। जिला कारागार में जल जमाव होने के कारण शुक्रवार को 50 कैदियों को मऊ जेल में शिफ्ट किया गया। जेल अधीक्षक राजेंद्र सिंह के अनुसार आगे जैसी जरूरत पड़ेगी, वैसे कैदियों को अन्यत्र शिफ्ट किया जाएगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जुलाई में लगातार हुई बारिश के कारण जिला कारागार पानी पानी हो गया। हर साल की भांति इस साल भी कयास लगाए जाने लगा था कि अब कैदियों को अन्यत्र शिफ्ट किया जाएगा। आखिरकार शुक्रवार को 50 कैदियों को मऊ जेल में शिफ्ट कर दिया गया। जेल अधीक्षक राजेंद्र सिंह के अनुसार वर्तमान में जिला कारागार में कुल 535 कैदी है। इसमें से शुक्रवार को 50 कैदिया को मऊ जेल में शिफ्ट किया गया है। आगे जैसे–जैसे जरूरत पड़ेगी। वैसे–वैसे कैदियों को अन्यत्र शिफ्ट किया जाएगा।

प्रतिनिधि मंडल बहरियाबाद थाने पहुंच अनिल यादव हत्याकांड के खुलासा की मांग की

गाजीपुर। बहरियाबाद थाने के बघाई गांव निवासी शिक्षक अनिल यादव उर्फ सुनील यादव की हत्या के बाद प्राथमिक शिक्षक संघ सादात इकाई का एक प्रतिनिधि मंडल बहरियाबाद थाने पहुंचा। थानाध्यक्ष शैलेन्द्र पांडेय के क्षेत्र में होने पर मोबाइल फोन से उनसे वार्ता कर एसआई मोरध्वज दुबे को हत्याकांड का अतिशीघ्र पदार्फाश करने का एक पत्रक सौंपा। साथ ही चेतावनी दी कि अगर एक सप्ताह के अंदर मामले का अनावरण नहीं किया गया तो शिक्षक संघ आगे की रणनीति बना आंदोलन करने को विवश होगा। इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इसके पूर्व शोक संतप्त परिवार से मिलने संघ के दर्जनों शिक्षक मृतक के घर पहुंचे। स्वजनों से मिल शोक संवेदना व्यक्त की और पूरे परिवार को ढांढस बंधाया। इस मौके पर मुख्य रूप से वंशराज यादव, रणबीर यादव, सुनील यादव, यशवंत कुमार, सुधीर यादव, रामअवध यादव, अवनी कुमार, महेंद्र कुमार, परमेश यादव, संजय यादव, मनोज कन्नोजिया, अवधेश चौहान आदि दर्जनों शिक्षक मौजूद रहे।

दो बाइकों की टक्कर में दो व्यक्ति घायल

चितबड़ागांव। थाना क्षेत्र के शंकर होटल के पास शुक्रवार की शाम दो बाइकों की टक्कर में एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज चल रहा है। घायल व्यक्तियों का नाम वीरेंद्र यादव व रामजी यादव निवासीगण जवहीदीयर है। वीरेंद्र यादव व रामजी यादव एक ही बाइक पर सवार होकर बलिया से बक्सर की तरफ जा रहे थे, अभी शंकर होटल के पास पहुंचा ही था कि विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। जिससे दोनों घायल हो गए।

खबरें फटाफट

मृत पड़े बछड़े से टकराकर एक की मौत, दूसरा घायल

बलिया। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के राघोपुर के पास गुरुवार की देर रात सड़क पर मृत बछड़े से टकरा कर बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरे युवक को मामूली चोट आई। जिसका उपचार सीएचसी रसड़ा में कराया गया। वही सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के प्रधानपुर गांव निवासी संदीप कुमार सिंह 30 वर्ष अपने साथी डेहरी गांव निवासी अमित कुमार सिंह 25 वर्ष के साथ अठिलापुरा गांव में गुरुवार की शाम बर्थ-डे पार्टी में गया हुआ था। जहाँ से देर रात दोनों साथी बाइक से गांव लौट रहे थे। जैसे ही वे राघोपुर के पास पहुँचे की सड़क पर मृत पड़े बछड़े से टकरा कर दोनों सड़क पर गिर पड़े। जिसमें दोनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी रसड़ा पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने संदीप को मृत घोषित कर दिया। उधर, घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग सीएचसी पहुंच गए। बताया जा रहा है कि संदीप के पिता रायपुर जिले में पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। संदीप की मां वहीं पर रहती हैं। गांव पर संदीप और उसकी पत्नी रहतीं थी। संदीप की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

कुर्सी से अचेत हो गिरा वृद्ध, मौत

नगरा। विद्युत उपकेंद्र पर बिजली का बिल जमा करने पहुंचे 60 वर्षीय वृद्ध कुर्सी पर बैठे बैठे अचेत होकर नीचे गिर गए। उन्हे तत्काल पीएचसी नगरा पहुचाया गया, जहा चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रसड़ा क्षेत्र के सुल्तानीपुर निवासी हरिंद्र चौहान पूत्र गंगा चौहान विद्युत उपकेंद्र नगरा पर बिजली का बिल जमा करने गए थे। वहां एसडीओ ऑफिस में कुर्सी पर बैठकर बात कर रहे थे। अचानक उनकी शरीर सुस्त हो गई और वह अचेत होकर भूमि पर गिर पड़े। विद्युत उपकेंद्र पर मौजूद सारथी सेवा संस्थान के सदस्यो ने हरिंद्र चौहान को लेटा कर सीपीआर दिया लेकिन कोई लाभ नहीं होने पर एंबुलेंस बुलाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगरा पहुंचाया, जहां पर चिकित्सक ने हरिंद्र को मृत घोषित कर दिया।

बलिया जनपद के सिकंदरपुर कस्बा के मिल्की मोहल्ले का है मामला, मचा उपद्रव

राजस्व व पुलिस टीम के सामने ही जमकर चले लाठी डंडे व ईंट पत्थर

- मूकदर्शक बनी रही राजस्व व पुलिस टीम, भारी संख्या में पहुँची फोर्स
- पानी निकासी व रास्ते की पैमाइस करने पहुँची थी पुलिस संग राजस्व टीम

केटी न्यूज / बलिया



खबर यूपी के बलिया जनपद के सिकंदरपुर कस्बा के मिल्की मोहल्ले की है, जहां शुक्रवार को जल निकासी व सड़क की पैमाईश के लिए पहुंची राजस्व टीम के सामने ही एक दूसरे पक्ष पर लाठी डंडे व ईंट पत्थर से जानलेवा हमला बोल दिया। जिसमें आधे दर्जन से अधिक लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। वहीं राजस्व व पुलिस मूकदर्शक बनी रही। घटना के बाद भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुँच गई। जिसके बाद मामला नियंत्रित हुआ। मिली जानकारी के अनुसार आदर्श नगर पंचायत सिकंदरपुर के अधिशासी अधिकारी द्वारा 20 जून 2024 को उपजिलाधिकारी सिकंदरपुर को एक प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसमें मौजा चकमुबारक/जमीन तरसडा (गरबोड़ा) में टाउन एरिया का पानी सदियों से गिरता है जो जल संचय और पानी निकास के लिए एकमात्र गड़ही है। उसी के भू-भाग में टाउन एरिया का रास्ता है। जिसे सीमांकन कराकर नगर पंचायत के भूखंड से नाली निकास एवं रास्ता के लिए स्थलीय पैमाइस के लिए आवेदन किया गया था। प्रार्थना पत्र के सापेक्ष में उपजिलाधिकारी सिकंदरपुर द्वारा 24 जून को राजस्व टीम गठित की गई थी। राजस्व टीम शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर जैसे ही स्थलीय व अभिलेखीय निरीक्षण आरम्भ किया। वैसे ही एक पक्ष के साबिर खान के परिजन आफताब अंसारी के दरवाजे पर लाठी डंडा लेकर पहुंच गए और आफताब अंसारी के परिजनों पर जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान लाठी डंडा व ईट पत्थर जमकर बरसाए। जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गई। तब तक एक आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस को तहरीर दे दिया गया है। जिसके बाद पुलिस छानबीन में जुट गई है।

सिकंदरपुर चौकी इंचार्ज ने पटरी दुकानदारों पर दिखाई तानाशाही रवैया



बलिया। सिकन्दरपुर कस्बा में गुरुवार की शाम जलपा चौक चौराहे पर ओड़िया में बेच रहे आम को सड़क पर गिराने को लेकर पुलिस व पटरी दुकानदारों में कहासुनी के बाद बवाल हो गया। पटरी दुकानदारों ने पुलिस चौकी सिकंदरपुर पर जमकर बवाल काटा। वही घटना की जानकारी होते ही व्यापार मंडल भी पुलिस चौकी पर पहुँच गया और चौकी इंचार्ज के तानाशाही रवैये की कड़े शब्दों में निंदा की। सड़क के किनारे बेचने वाली ज्यादातर महिलाएं थी, उनका आरोप था कि चौकी इंचार्ज सिकंदरपुर कमला शंकर गिरी पुलिसकर्मियों के साथ आए और ओड़िया में रखे आम को सड़क पर गिरा दिए। इसके बाद सैकड़ों की संख्या में महिलाएं व बच्चे भाजपा के जिला महामंत्री प्रयाग चौहान के नेतृत्व में नारेबाजी करने लगे और देखते ही देखते चौकी पर पहुंच गए और जिंदाबाद व मुदार्बाद करने लगे। इस दौरान लक्ष्मीनिया देवी वर्ष पत्नी गौरी, रोकड़ी देवी पत्नी स्वर्गीय हरेराम, लल्लन प्रसाद, तारा देवी पत्नी श्रीराम, उर्मिला देवी पत्नी अर्जुन प्रसाद ने अपने-अपने ओड़िया से आम गिराने का आरोप पुलिस प्रशासन पर लगाया। समाचार लिखे जाने तक भाजपा के जिला महामंत्री प्रयाग चौहान के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में पटरी दुकानदार चौकी पर पहुंचे हंगामा करते रहे।

रहस्यमय परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

- मायके वालों ने पुलिस को दी तहरीर

केटी न्यूज / गाजीपुर




मृतका

सुहवल थाने के स्थानीय गांव की रहने वाली विवाहिता अख्तरी खातून- 32 अपने कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। इसके चलते परिजनों सहित गांव में चचाओं का बाजार गर्म है।

घटना की खबर मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड इकठ्ठी हो गई। घटना की सूचना लोगों ने पुलिस को दी। विवाहिता के मौत की सूचना मिलते ही प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। प्रभारी निरीक्षक मौके पर दलबल के संग पहुंचे, जहां उन्होंने ससुराल वालों से पूछताछ के बाद शव को कब्जे में लेकर थाने चली आई। जहां पंचनामा के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

उधर पुत्री की मौत की सूचना मिलते ही मां विहना खातून एवं मायके के अन्य लोग रोते बिलखते थाने पहुंच गए, जहां माहौल गमगीन हो गया। इसके बाद मृत विवाहिता के पिता मुल्तान ने पुत्री अख्तरी खातून के मौत के मामले में थाने को तहरीर दी। इसके आधार पर पुलिस मामले की विवेचना में जुट गई है। मृतका के पिता मुल्तान निवासी नरसिंहपुर थाना फेफना जनपद बलिया ने बताया कि उसकी पुत्री अख्तरी खातून की शादी नौ साल पहले सुहवल गांव के स्व. जुल्फिकार के पुत्र मोहम्मद वसीम से हुई थी। पिता ने बिलखते हुए उसकी मृत पुत्री के आलावा आठ वर्षीय एक पुत्री शाबिया एवं एक पांच वर्षीय पुत्र अयान है।

बताया कि मृत पुत्री आज की सुबह अपने मां एवं परिवार के अन्य सदस्यों से बात करते हुए बात हुई थी। इसमें उसने अपने घर का हाल चाल बताया था। इस घटना को लेकर मायके वालों ने बताया कि घटना की सूचना उसके ससुराल वालों ने न देकर उनके गांव के किसी व्यक्ति से उनकी पुत्री के मौत की सूचना मिली। इसके बाद वह सभी बलिया से सुहवल अपने पुत्री के ससुराल पहुंच गए। वहां देखा तो उसकी पुत्री बिस्तर पर मृत पड़ी थी। प्रभारी निरीक्षक राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के मायके वालों की तरफ से तहरीर मिली है। इसकी छानबीन की जा रही है। बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अब सवाल उठता है कि उसकी मौत कैसे हुई, इसका स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

आकाशीय बिजली से युवक की मौत, घर में मातम पसरा

केटी न्यूज / गाजीपुर



सेवराई तहसील क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा पर उस वक़्त हड़कम्प मच गया जब आकाशीय बिजली की चपेट में आने से झुलसे एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवारीजन अस्पताल परिसर में ही चीख पुकार कर रोने -बिलखने लगे। देवैथा गांव निवासी मधुबन यादव के इकलौते पुत्र विश्वजीत यादव 17 वर्ष सिवान में भैंस चरा रहा था इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से वह उसकी चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद लोगों के द्वारा उसे आनन फानन में निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। परिजनों के द्वारा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विश्वजीत यादव दो बहन एवं एक भाइ में सबसे बड़ा था और परिवार का इकलौता चिराग था। इनके पिता गैर प्रांत में प्राइवेट जॉब करके किसी तरफ परिवार का जीविकोपार्जन चलाते हैं। घटना की सूचना मिलते ही मां कविता देवी एवं अन्य पारिवारि जनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस बाबत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रवि रंजन ने बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने से झूलसे मरीज को अस्पताल लाया गया था लेकिन अस्पताल आने से पूर्व ही उसकी मौत हो चुकी थी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ ई-अन्नदाता का स्थापना दिवस कार्यक्रम, बोले संयोजक...

ई-अन्नदाता कार्ड से किसान उठा सकते हैं कई लाभ

केटी न्यूज / गाजीपुर



ई-अन्नदाता वेलफेयर एण्ड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड का स्थापना दिवस कार्यक्रम कल सायं एक निजी मैरेज लॉन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विभाग गाजीपुर के प्रभागीय निदेशक अतींद्र सिंह व कृषि विभाग के विषय वस्तु विशेषज्ञ शिव कुमार वर्मा व मुकेश सिंह भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का प्रारम्भ कलाकारों द्वारा गणेश वंदना से हुई। इसके बाद गायक कलाकारों ने कई गीतों से कार्यक्रम में समां बांध दिया। सर्वप्रथम ई-अन्नदाता टीम के वरिष्ठ अधिकारी व इस कार्यक्रम के संयोजक क्षितिज श्रीवास्तव ने ई-अन्नदाता की अभी तक की प्रगति यात्रा, उसका उद्देश्य और लक्ष्य के बारे में बताया। अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि ई-अन्नदाता वेलफेयर एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड विगत कई वर्षों से किसानों और उनके परिवार की सेवा में संकल्पित व कार्यरत है। ई-अन्नदाता का प्रयास है कि हमारे देश के किसानों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराया जा सके, जिसके लिए ई-अन्नदाता विभिन्न प्रकार के योजनाओं, कार्यक्रमों के माध्यम से सदैव तत्पर है। ई-अन्नदाता कार्ड सभी किसान भाई अवश्य बनवाएं जो कि पूर्ण रूप से निःशुल्क है एवं कार्ड को किसान के दिए हुए पते पर डाक द्वारा भेजा जाता है जिससे कार्ड से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ आसानी से उठा सकें। उन्होनें बताया कि ई-अन्नदाता कार्ड के माध्यम से किसानों को आर्मी के तर्ज पर कैंटीन की सुविधा अर्थात जरूरत के सभी सामान पर 50% तक की सब्सिडी की सुविधा मिलती है एवं मेडिकल की सुविधा, जैविक व प्राकृतिक खेती का लाइसेंस, स्मार्ट फॉर्मिंग की ट्रेनिंग जैसी बहुत सी सुविधाए उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अतीन्द्र सिंह ने ई-अन्नदाता के कार्यों की प्रशंसा करते हुए इस कार्य को किसानों के लिए अत्यन्त लाभकारी व सराहनीय बताया। उन्होनें अपने उद्बोधन में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभ के लिए किसानों को जागरूक किया व साथ ही कृषि हित में ई-अन्नदाता के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और पूरी ई-अन्नदाता टीम को अपनी शुभकामनाए दिया और विश्वास दिलाया की भविष्य में कृषि विभाग के द्वारा ई-अन्नदाता के कार्यक्रमों में मार्गदर्शन और सहयोग किया जाता रहेगा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में आयोजित पत्रकार वार्ता कार्यक्रम में पत्रकार बन्धुओं द्वारा किए गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्री सिंह ने अपनी बातों को और सुझावों को रखा और साथ ही ई-अन्नदाता टीम की वरिष्ठ अधिकारी एचएन सिंह, क्षितिज श्रीवास्तव व प्रिया राय ने भी ई-अन्नदाता से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर दिया और पत्रकारों को सम्बोधित किया। इसी क्रम में कृषि विभाग गाजीपुर के विषय वस्तु विशेषज्ञ (एस0एम0एस0) शिव कुमार वर्मा व मुकेश सिंह ने भी ई-अन्नदाता के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की व भूरी-भूरी प्रशंसा भी की। कार्यक्रम के अंत में ई-अन्नदाता वेलफेयर एण्ड डेवलपमेंट इण्डिया लिमिटेड के वरिष्ठ पदाधिकारी एचएन सिंह व मुकेश कुमार ने उपस्थित सभी पत्रकार बन्धुओं, प्रिंट मिडिया व इलेक्ट्रानिक मिडिया के सभी प्रतिनिधियों व सभी आमंत्रित अतिथियों के प्रति आभार व्यापन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षितिज श्रीवास्तव, प्रीति मिश्रा (डॉयरेक्टर) एच0एन0 सिंह, मुकेश कुमार, जय पाण्डेय, सुमित कुशवाहा, राहुल कश्यप, दिपक, हिमांशु मिश्रा (डायरेक्टर) सत्यम राय, पुजा राय (डायरेक्टर), प्रिया राय, इशरत जहाँ, नेहा यादव, साबिया खातुन, सलोनी वर्मा आदि का सहयोग रहा।

अच्छी खबर: बुंदेलखंड में 8 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं की हुई शुरूआत

- योगी सरकार के प्रयासों से बुंदेलखंड बना निवेश का नया और सुलभ गंतव्य
- जीबीसी 4.0 में 69 हजार करोड़ की निवेश परियोजनाओं का हुआ था शुभारंभ

केटी न्यूज/ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कभी पिछड़े क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले बुंदेलखंड को योगी सरकार ने निवेश का नया गंतव्य बना दिया है। फरवरी माह में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के चौथे संस्करण (जीबीसी 4.0) में पीएम मोदी ने बुंदेलखंड के लिए करीब 69 हजार करोड़ रुपए की निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ किया था। शुभारंभ के 5 माह के अंदर बुंदेलखंड में करीब 8 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो चुका है, जिससे हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। शुरू हो चुकी परियोजनाओं की यह राशि जीबीसी 4.0 में बुंदेलखंड के लिए निर्धारित परियोजना राशि की 11 प्रतिशत है और शेष परियोजनाओं के भी जल्द से जल्द शुरू होने की संभावना है। बुंदेलखंड के जिलों की बात करें तो झांसी में सर्वाधिक 6,237 करोड़ की 62 परियोजनाओं ने इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। इससे यहां के युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जीबीसी 4.0 के दौरान झांसी में 27,533 करोड़ की 246 परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ था। इस लिहाज से अभी यहां 21 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाएं शुरू होनी शेष हैं, जो जल्द ही पूरी होंगी। इसी तरह, हमीरपुर में 963 करोड़ की 14 परियोजनाएं, ललितपुर में 246 करोड़ की 23 परियोजनाएं, महोबा में 195 करोड़ की 24 परियोजनाएं, बांदा में 58 करोड़ की 15 परियोजनाएं, जालौन में 46 करोड़ की 11 परियोजनाएं और चित्रकूट में 22 करोड़ की 7 परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं।



बड़े पैमाने पर सृजित होंगे रोजगार

प्रदेश में निवेश प्रक्रियाओं की निगरानी के साथ ही निवेश को प्रोत्साहित करने वाली नोडल एजेंसी इन्वेस्ट यूपी के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अब तक कुल 1,14,345 करोड़ रुपए की 3984 परियाजनाओं का कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। इनमें बुंदेलखंड में 7894 करोड़ रुपए की 156 परियोजनाएं शामिल हैं। यह राशि जीबीसी 4.0 में निर्धारित परियोजना राशि का 11 प्रतिशत है। जीबीसी 4.0 के दौरान बुंदेलखंड की 693 परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, जिनकी कुल निवेश राशि 68,933 करोड़ रुपए थी। यह जीबीसी 4.0 में कुल 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का 7 प्रतिशत था।

एक नजर

तीन बच्चों ने अपनी माँ और उसके प्रेमी से बताया जान को खतरा

जौनपुर। तीन बच्चे अपने पिता के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे।जहाँ पीड़ित बच्चों के पिता ने अपनी पत्नी से अपने और अपने बच्चों को जान का खतरा बताया है।आरोप है कि पत्नी बिना बताये कुछ दिन पूर्व घर से कही चली गयी थी तथा अपने प्रेमी के साथ मिलकर मुझे व मेरे बच्चों को मरवा सकती है।पीड़ित पति ने इसकी शिकायत पुलिस उपाधीक्षक से की है। जानकारी के मुताबिक आदेश सेठ थाना कोतवाली क्षेत्र ताड़तला कॉलोनी के निवासी है।आदेश सेठ का आरोप है कि उनकी पत्नी का वाराणसी के किसी युवक से पिछले लगभग छह महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा है।13 जुलाई को बिना बताए लाखो के जेवर व रुपये घर से कही चली गयी थी,18 जुलाई को अपने बहन के लड़के के साथ वापस आयी है।तब से मेरे बच्चे घबराए हुए है।पति का आरोप है कि पत्नी अपने प्रेमी के साथ मिलकर मुझे व मेरे बच्चों को जान से मरवा सकती है।जिसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सीओ सिटी को किया है।इससे पहले थाना कोतवाली में भी इसकी शिकायत कर चुके है।आदेश सेठ की शादी 18 वर्ष पूर्व 2006 में रानी सेठ से हुई थी।दोनो के तीन बच्चे है।बड़ी बेटी अनुष्का सेठ(17),छोटी बेटी समृद्धि सेठ(9) और एक बेटा धैर्य सेठ(12) है। बड़ी बेटी अनुष्का सेठ ने बताया कि मेरी माँ किसी से फोन पर वॉट्सएप चैट करती है और फोन पर हम सबको जान से मारने की बात कर रही थी।हम सभी लोग डरे हुए है। फिलहाल पीड़ित आदेश सेठ ने एसपी कार्यालय पर सीओ सिटी को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है

बारिश के पानी से घिर जाता है जिला अस्पताल, मरीजों की बढ़ी परेशानी



चंदौली। मुख्यालय स्थित पंडित कमलापति संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर आए दिन बारिश के पानी से घिर जाता है। इससे मरीजों और जिम्मेदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।वहीं बारिश के बाद जमें गंदे पानी से होकर अस्पताल में जाना पड़ रहा है। इससे संक्रामक रोग फैलने की आशंका बढ़ गई है। वहीं विभागीय अधिकारी का दावा बारिश के पानी के जल भराव को दूर करने के लिए जल्द ही जल निकासी की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यालय स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय मातृ शिशु विंग के साथ परिसर में सीएमओ कार्यालय के साथ-साथ जिला अस्पताल का संचालक होता है। जहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। साथ ही इन दोनों मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग के निर्माण कार्य चल रहे हैं। अगर थोड़ी सी भी बारिश हो जाए तो पूरा अस्पताल बारिश के पानी से डूब जाता है इसकी निकासी न होने के कारण मरीज ही नहीं तीमारदारों के साथ-साथ भर्ती होने वाले मरीजों को भी परेशान होते हैं। संक्रामक रोगों को फैलने कभी खतरा लोगों में बढ़ जाता है और उन्हें भय सताने लगता है। वहीं लोगों में डर पैदा हो जाता है। वही लोगों में संक्रामक रोगों के फैलने को लेकर परेशान हो जाते हैं।वही निर्माण कार्य को भी जल भर पूरी तरह से प्रभावित कर रहा है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सत्य प्रकाश ने बताया कि जिला अस्पताल में जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए संबंधित विभाग के जूनियर इंजीनियर से वार्ता की गई है। जल्द ही जल भराव की समस्या को दूर कीजिए व्यवस्था की जाएगी,ताकि जल भराव की समस्या बारिश के दिनों में अस्पताल परिसर में ना हो सके।

खबरें फटाफट

तीन अभियुक्तों को फरार घोषित करने के साथ जारी किया एनबीडब्ल्यू

चंदौली। जनपद के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में विचाराधीन तीन अलग अलग मुकदमों में फरार चल रहे मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के तीन अभियुक्तों के विरुद्ध अदालत ने गैरजमानती वारण्ट के साथ 82 सीआरपीसी के तहत फरार घोषित किया है। जानकारी के अनुसार मुगलसराय कोतवाली में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 243/93 मु० न०- 5247/03 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अभियुक्त मुन्ना सिंह उर्फ जालिम पुत्र हरिनारायण निवासी लॉट नंबर 02, मुकदमा अपराध संख्या 64/90 मु० न०- 5877/03 3/25 आर्म्स एक्ट के अभियुक्त प्रदीप कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी धर्मशाला रोड तथा मु० न०- 4878/03 आईपीसी 26(1),28(1) में अभियुक्त लालबहादुर सिंह पुत्र अज्ञात निवासी सकलडीहा जनपद के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में विचाराधीन मुकदमें में काफी दिनों से फरार चल रहे हैं। न्यायालय ने उपरोक्त तीनों अभियुक्तों के खिलाफ गैर जमानती वारण्ट के साथ ही सीआरपीसी 82 के तहत मफरूर(फरार)घोषित करने का आदेश देते हुए पुलिस को उन्हे गिरफ्तार कर 20 जुलाई को न्यायालय में पेश करने का आदेश दिया है।

डाइट में एफ एल एन प्रशिक्षण प्रारंभ

जौनपुर। डाइट परिसर जौनपुर में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय संदर्भ दाताओं का पांच दिवसीयप्रशिक्षण डाइट प्राचार्य डा विनोद शर्मा के निर्देशन में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण का प्रारंभ मां सरस्वती के माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना से हुआ। नौनिहालों को भाषा एवं गणित में अपेक्षित अधिगम प्राप्त कराने हेतु शासन की 'निपुण भारतमिशन'योजना एक महत्वाकांक्षी योजना है। प्रशिक्षण के उपरांत सभी संदर्भ दाता अपने - अपने विकास खंडो में अध्यापकों को ब्लाक संसाधन केन्द्र पर प्रशिक्षण देगें। प्रशिक्षण में डाइट प्रवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा, अमित कुमार। एस आर जी अखिलेश सिंह, अजय मौर्य, एआर पी प्रशांत मिश्र उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश में यूपीसीडा ने शुरू की तैयारी, आरएफपी माध्यम से मांगे गए हैं आवेदन

योगी के विजन : औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर विकसित होगा हाथरस का सलेमपुर

- कुल 325.54 करोड़ रुपए से 483 एकड़ क्षेत्र में होगा विकास, दो फेज में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी होगी नियुक्त

केटी न्यूज / लखनऊ/हाथरस

उत्तर प्रदेश को उन्नत प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रदेश में इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर्स के विकास पर विशेष रूप से फोकस कर रही है। प्रदेश के सभी औद्योगिक प्राधिकरणों में औद्योगिक विकास की विभिन्न योजनाओं को गति दी जा रही है। इस क्रम में, सीएम योगी के विजन अनुसार हाथरस के सलेमपुर को इंडस्ट्रियल एरिया के तौर पर विकसित करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी। अब इस कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने हाथरस के सलेमपुर की औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया को कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी की नियुक्ति और कायार्वंटन के जरिए पूरा किया जाएगा। यूपीसीडा द्वारा सलेमपुर के विकास कार्यों को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) माध्यम के जरिए दो फेज में कराया जाएगा। इसमें कुल मिलाकर 325.54 करोड़ रुपए व्यय होंगे तथा कायार्वंटन के बाद एजेंसी द्वारा 18 महीने की अवधि के भीतर सभी निर्धारित निर्माण व विकास कार्यों को पूर्ण करना होगा।



483 एकड़ क्षेत्र का होगा इंडस्ट्रियल एरिया के तौर पर विकास

सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए यूपीसीडा द्वारा सलेमपुर में 483 एकड़ क्षेत्र को फिलहाल इंडस्ट्रियल एरिया के तौर पर विकसित किया जाएगा। आगे जरूरत के अनुसार इस क्षेत्र को और प्रसारित भी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि मास्टर प्लान के अनुरूप पहले फेज में 7,99,899 स्क्वेयर मीटर व दूसरे फेज में 3,28,572 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र को इंडस्ट्रियल प्लॉटेड एरिया के तौर पर विकसित किया जाएगा। वेयरहाउस एरिया के तौर पर 40,118 स्क्वेयर मीटर, कमर्शियल एरिया के तौर पर 26,579 स्क्वेयर मीटर तथा एमिनिटीज एरिया के तौर पर 1,22,467 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र का विकास होगा। यहां कुल दो फेज में 10 .57 व 10 .15 किलोमीटर सड़कों का निर्माण भी होगा। वहीं, पहले फेज में 92,312 तथा दूसरे फेज में 111335 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र को लैंडस्केप एरिया के तौर पर विकसित किया जाएगा।

हाथरस-मथुरा रोड से कनेक्टेड होगा सलेमपुर औद्योगिक क्षेत्र

सलेमपुर औद्योगिक क्षेत्र को हाथरस-मथुरा रोड (हाथरस-सिकंदराराऊ मेन रोड) से कनेक्ट किया जाएगा। मास्टर प्लान के अनुसार, सड़क निर्माण कार्य, पेयजल आपूर्ति नेटवर्क, राइजिंग मेन नेटवर्क, बोरवेल का विकास, रीसाइकल्ड वॉटर सप्लाई नेटवर्क, डोमेस्टिक सीवरेज कलेक्शन नेटवर्क, सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट, औद्योगिक अपशिष्ट संग्रह और परिवहन के लिए सीईटीपी नेटवर्क का विकास किया जाएगा। वर्षा जल संचयन, तूफान-भारी बारिश में जल निकासी की प्रक्रिया, एससीएडीए मानकों युक्त बिजली धर, भूनिर्माण समेक विविध कार्य तथा सुविधा भवन, प्रवेश द्वार, परिसर व बाउंड्री वॉल जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर्स का विकास किया जाएगा। पूरे क्षेत्र को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की आधुनिक वाईफाई व इंटरनेट एक्सेस कनेक्टिविटी से युक्त किया जाएगा। यहां सभी प्लॉट्स को प्लग एंड प्ले प्रक्रिया से भी युक्त करने की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा।

भाजपा नेताओं के वर्चस्व की जंग में पिछड़ा जनपद :रामकिशुन

चंदौली। सपा के पूर्व सांसद रामकिशुन ने शुक्रवार को भाजपा नेताओं पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि भाजपा नेताओं के आपसी वर्चस्व की जंग में जनपद का विकास पूरी तरह से पिछड़ा हुआ है। आपसी खींचातानी के चलते जनपद में कोई विकास आज तक नहीं हो पाया हैं। जिसका खामियाजा यहां की जनता को भुगतना पड़ रहा है। इस दौरान पूर्व सांसद रामकिशुन ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नेतृत्व वाली प्रदेश की सरकार ने जनपद का विकास का खाका खींचा था उसे पर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोई कार्य नहीं किया। जिसके चलते आज तक जनपद का विकास नहीं हो पाया है, जबकि जनपद में भाजपा के दो राज्यसभा सांसद के अलावा तीन विधायक, एक केंद्रीय मंत्री व प्रदेश सरकार में सात वर्षों से मंत्री जनपद होने के बाद भी विकास ना होना सबसे बड़ी जनपद के लिए विडंबना है। इसके अलावा एमएलसी भी जनपद में है।

28वें दीक्षांत समारोह का होगा भव्य तरीके से आयोजन: प्रोफेसर वंदना

- पीयू का दीक्षांत 18 सितंबर को कमेटी की हुई पहली बैठक

केटी न्यूज / जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 18 सितंबर को होना है। इस हेतु नामित अधिकारी शिक्षक कर्मचारी गण के साथ कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने एक बैठक शुक्रवार को ली, जिसमें सभी अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारी को उनको सौंपे गए दायित्व के बारे में बताया। साथ ही उन्हें उसकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया।

बैठक में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि पूर्व की वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी दीक्षांत समारोह को भव्य तरीके से मनाया जाना है। इस दीक्षांत में उच्च प्राथमिक विद्यालय के 25-25 छात्र- छात्राओं को आमंत्रित किया जाएगा। छात्राओं को माननीय कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल सम्मानित करेगी। दीक्षांत समारोह के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव तथा आंगनबाड़ी केंद्रों की आपसी प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु एनएसएस के पूर्व समन्वयक प्रो राकेश कुमार यादव एवं एनएसएस के वर्तमान समन्वयक डॉक्टर राज बहादुर यादव को निर्देशित किया गया इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार,वित्त अधिकारी संजय कुमार राय,कार्यकारी परीक्षा नियंत्रक अजीत प्रताप सिंह ,उप कुलसचिव दीपक कुमार सिंह, श्रीमती बबिता, अमृतलाल, प्रोफेसर संदीप सिंह, प्रोफेसर अजय द्विवेदी, प्रोफेसर मनोज मिश्र, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर राजकुमार, प्रो गिरिधर मिश्र, प्रोफेसर सौरभ पाल, प्रोफेसर मुराद अली, प्रोफेसर रवि प्रकाश, अन्नू त्यागी, लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ पीके सिंह कौशिक, डॉ अमित वत्स, रजनीश सिंह राजेश सिंह सहित लोग उपस्थित रहे।



पुलिस अधीक्षक ने लिया गुरु पूर्णिमा मेले की तैयारियों का जायजा

चंदौली । एसपी आदित्य लांग्हे आगामी गुरुपूर्णिमा व सावन माह के तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को पड़ाव चौराहे पर पहुँचे। जहाँ गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम के संबंध में अपने अधीनस्थों से गुरु पूर्णिमा की तैयारियों का जायजा लिया, साथ ही अवधूत भगवान राम आश्रम तक जाकर आश्रम में होने वाली भीड़ भाड़ व सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी लिया । इसके बाद ट्रैफिक इंसपेक्टर व मुगलसराय कोतवाल से सुरक्षा की दृष्टि से वाराणसी व मुगलसराय की तरफ से आने वाली गाड़ियों का मार्ग परिवर्तित,पार्किंग तथा भीड़ को नियंत्रित किए जाने समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपने अधीनस्थों को आवश्यक निर्देश दिए।





डीएम की अध्यक्षता में रहता चौपाल कार्यक्रम का सदर तहसील में आयोजन, बोली डीएम...

मोबाइल में दामिनी व सचेत ऐप को डाउनलोड करें ग्रामीण

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में राहत चौपाल का आयोजन ग्राम महाबलपुर मकसुदनपाह तहसील सदर में किया गया। जिसमें दैवीय आपद एवं बाढ़ से बचाव के लिए जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने दैवीय आपद एवं बाढ से बचाव के लिए क्या करें, क्या न करें की विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान मानसून समय में दैवीय आपदा की घटनायें जैसे बाढ़, अकाशीय बिजली, सर्पदंश व डूबना इत्यादि आपदाएं घटित हो रही है। इस सम्बन्ध में ग्रामवासियों को अपने मोबाइल में दामिनी व सचेत ऐप को डाउनलोड करने के लिए बताया गया। जिससे आकाशी बिजली गिरने की सम्भावित स्थानो को जाना जा सकता है।

डीएम ने बताया कि आकाशीय विघुत/वज्रपात गिरने के दौरान पक्के मकान में शरण लें, यात्रा के दौरान अपने वाहन में ही रहें, खिडकियं, दरवाजे, बरामदे एवं छत से दूर रहें, खेत खलियानों में पैरों के नीचे लकडी, प्लास्टिक का बोरा या सूखे पत्ते रख लें, आसपास सुरक्षित स्थान न होने पर दोनों कानों को बन्द कर पैरों को आपस में सटा लें व घुटनों की टेक लेकर उकडू बन बैठ जाऐं। साथ ही उन्होंने आकाशीय विघुत/वज्रपात गिरने के दौरान क्या न करें के बारे में बताते हुए कहा कि पेड़ के नीचे न खडें हो, दीवार के सहारे टेक न लगायें, घर में हो तो नल, फ्रिज, मोबाइल आदि को न छुये धातु से बनी वस्तुओं एवं धातु की डंडी वाले छातों का उपयोग न करें। जिलाधिकारी ने सर्पदंश के सम्बन्ध में लोगो को जागरूक करते हुए बताया कि यदि किसी भी प्रकार का सांप काट ले तो घबराएं नही, पीडित के शरीर पर कोई भी कसाव वाली वस्तु जैसे बेल्ट, जूते की लेस आदि न बंधे रहने दें इससे रक्तचाप बढ़ता है। पीडित व्यक्ति को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले कर जायें। सर्पदंश वाले अंग को न मोड, ओझा या तांत्रिक के पास जाकर झाड फूंक नही करवायें। उन्होने जनपद वासियों को बताया कि दैवीय आपदा से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जनपद स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम नम्बर 0548-2224041, मो. नम्बर-9454417103 पर अपनी समस्या बता सकते है। आपदा विशेषज्ञ अशोक राय बताया कि किसी आपदा होने पर टोल फ्री नम्बर 112, 101, 1077, 1070 तत्काल सूचित करने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान बाढ़ से सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों ने बाढ़ की तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर, खण्ड विकास अधिकारी करण्डा एवं अन्य बाढ से सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित` थे।



सुभाषितम्

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है। - महर्षि वाल्मीकि

नीट परीक्षा की धांधली पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला?

नीट परीक्षा रद्द होगी या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। ऐसा लगता था, सुप्रीम कोर्ट जल्द ही नीट मामले में कोई फैसला सुना देगा। लेकिन इस बार सुप्रीम कोर्ट परीक्षाओं में हो रही धांधलियों को लेकर काफी गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा किस तरह से परीक्षा कराई जाती है। पेपर कैसे तैयार किए जाते हैं। पेपर कैसे प्रिंट होते हैं। इन्हें परीक्षा केंद्रों तक किस तरह से भेजा जाता है। प्रश्न पत्र की सुरक्षा और परीक्षा केंद्रों मे क्या इंतजाम हैं। पेपर जब लीक होता है, तो लीक होने के कौन से कारण हैं। पेपर लीक होने के बाद टेस्टिंग एजेंसी द्वारा क्या किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस बात पर भी ध्यान दे रही है। जब नीट परीक्षा में 23 लाख से अधिक छात्र बैठे थे, तब सभी परीक्षार्थियों का परिणाम घोषित क्यों नहीं किया गया। परीक्षा परिणाम घोषित करने में पारदर्शिता क्यों नहीं है। इन सारे विषयों पर सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ गंभीर चिंतन करते हुए सुनवाई कर रही है। देश भर के हाईकोर्ट्स में नीट की धांधली से संबंधित जो याचिकाएं लगीं थीं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पास बुला ली है। याचिका करताओं के वकीलों को सुप्रीम कोर्ट बडे ध्यान से सुन रही है। सीबीआई द्वारा पेपर लीक मामले में जो कार्रवाई की गई है, और जो की जा रही है। उसके बारे में भी सीबीआई से जानकारी प्राप्त कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में लगातार पेपर लीक की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। इस पर अभी तक अंकुश नहीं लगाया जा सका है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ परीक्षा एजेंसी की कार्य प्रणाली और उसकी विश्वसनीयता को लेकर काफी गंभीर हैं। जिन पर परीक्षा कराने की जिम्मेदारी है, वह ठेके पर जिन कंपनियों को परीक्षा कराने की जिम्मेदारी देती हैं, उनकी भूमिका पर भी सुप्रीम कोर्ट विचार कर रही है। परीक्षा दोबारा हो या ना हो। भविष्य में किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इस पर भी सुप्रीम कोर्ट का ध्यान है। सुप्रीम कोर्ट जिन 40 याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है। उसमें सभी बिंदुओं पर याचिका कताओं के वकीलों के साथ समय-समय पर सवाल जवाब भी कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी, कोर्ट को हर तरह से संतुष्ट करे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यदि संतुष्ट नहीं कर पाती है तो ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट पुनः परीक्षा कराने या नहीं करने के निर्णय देने के स्थान पर परीक्षा की पूरी व्यवस्था को लेकर एक विस्तृत आदेश करने के पक्ष में है। ताकि भविष्य में परीक्षाओं में गड़बड़ी न हो। जिस उद्देश्य से परीक्षा आयोजित की गई है। उसमें जो परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। उनके साथ ना तो अन्याय हो, ना कोई भेदभाव हो। सभी को योग्यता के अनुसार समान अवसर मिले। इस दिशा में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो सुनवाई अभी की जा रही है, वह बड़ी महत्वपूर्ण हो गई है। माना जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आएगा, वह अभी तक का परीक्षाओं के संबंध में एक ऐतिहासिक फैसला होगा। परीक्षाओं को लेकर, परीक्षार्थियों और उनके परिवारजनों में भरोसा जागे। योग्यता के आधार पर सभी को समान अवसर मिलें। परीक्षाओं के नाम पर जो भ्रष्टाचार और भाई,-भतीजाबाद हो रहा है। परीक्षाओं के नाम पर कोचिंग सेंटर और माफिया का जो नेक्सस बन गया है। उस पर भी रोक लग सके। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनटीए को नीट परीक्षा परिणाम को शहर और सेंटर वाइज ऑनलाइन अपलोड कर सार्वजनिक करने के आदेश दिए हैं। ठीक वैसे ही जैसे कि चुनावी बॉड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्व बैंक को राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने वालों की सूची ऑनलाइन सार्वजनिक करने को कहा था।

चिंतन-मनन

पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

कांवड़ यात्रा और नौकरशाही का सरकस

- राकेश अचल

घुटने जबाब न दे गए होते तो मै भी एक बार कांवड़ यात्रा पर जरूर जाता और आरिफ आम वाले से आम लेकर जरूर खाता। कांवड़ यात्रा पर जाना महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि किसानों और बेरोजगारों पर लाठियां बरसाने वाली यूपी सरकार कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करती है। मोहर्रम और मिलाद-उल नवी का जुलूस निकलने वालों को ये सुख हासिल नहीं है। हासिल इसलिए नहीं हैक्योंकि सूबे में सरकार उनकी नहीं है। मुझे हैरानी हुई जब मैंने मुजफ्फरनगर में पुलिस प्रशासन की और से जारी उस आदेश के बारे में पढ़ा, जिसमें कहा गया है कि कांवड़ यात्रा के रास्ते में दुकाने लगाने वाले अपनी दुकानों के बाहर अपने नाम की पट्टियां भी लगाएं। मुझे अखबारनवीसी करते हुए चार दशक और लिखते पढ़ते पांच दशक हो गए हैं , ऐसा आदेश मैंने पहले देश के किसी हिस्से में नहीं देखा। मुझे लगता है कि यूपी में नौकरशाही पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का असर इतना है कि नौकरशाही भी हिंदुत्व के रंग में रंग कर साम्प्रदायिक हो गयी है। कहने को मुख्यमंत्री हों या पुलिस अधीक्षक दोनों हिन्दुस्तान के संविधान की शपथ लेकर जनसेवा के लिए अपने आपको प्रस्तुत करते हैं किन्तु दुर्भाग्य ये है कि दोनों में से कोई भी संविधान के तहत चलने के लिए तैयार नहीं है। सबका अपना एजेंडा होता है। यथा राजा,तथा प्रजा अर्थात यदि सरकार का मुखिया साम्प्रदायिक होगा तो नौकरशाही अपने आप साम्प्रदायिक हो जाएगी । कोई भी सौ सिर का हो जाये इसे रोक नहीं सकता। कोई सरकार से सवाल नहीं करता की सरकार कि और से कांवड़ यात्रियों पर सरकारी खर्च से पुष्प वर्षा क्यों कराई जाती है और मोहर्रम के जुलूस या दूसरे धार्मिक जुलूसों के साथ ऐसा सम्मान क्यों प्रकट नहीं किया जाता ? दरअसल सरकारों से सवाल करना अब अपराध की श्रेणी में आता है । ये सिलसिला केंद्र की तरफ से शुरू हुआ था और अब देशव्यापी हो गया है। सरकार या सरकारें सबका साथ -सबका विकास का नारा जरूर देतीं हैं लेकिन विकास उसी का करतीं हैं जिसने सरकार का साथ दिया है । असहमत समाज के लिए किसी भी साम्प्रदायिक सरकार के पास कोई सुविधा नहीं है। असहमत समाज के लिए सरकार के पास बुलडोजर है, नौकरशाही के ऊल-जलूल आदेश हैं। सरकारें निरंकुश हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों से सबक लेने के बजाय वे और आक्रामक और बेलगाम हो रहीं हैं अल्पसंख्यक समाज की घोषित शत्रु डबल इंजिन की सरकारें अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों के खिलाफ जितना कर सकतीं हैं कर रहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार से दो कदम आगे निकलकर असम की भाजपा सरकार ने मुस्लिम विवाह कानून को ही रद्द कर दिया। सरकार तो सरकार है ,कुछ भी कर सकती है भले ही उसे ऐसा करने का संवैधानिक अधिकार हो या न हो। संविधान डबल इंजिन की सरकारों के ठेंगे पर रहता है। हालाँकि संविधान से डबल इंजिन सरकारों का थोड़ा सा नाता बचा है। वे प्रतिपक्ष के संविधान बचाओ अभियान के जबाब में संविधान हत्या दिवस जरूर मानाने की तैयारी कर रहे हैं। मै अक्सर टीवी की खबरें नहीं देखता,लेकिन कल संयोग से देखी तो मुझे पता चला की मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा का करीब 240 किलोमीटर का रूट पड़ता है. इसलिए यह महत्वपूर्ण जिला है. यहां पुलिस के निर्देश के बाद दुकानों ने अपने-अपने नाम के साथ किस चीज की दुकान है, उसका नाम लिखकर पोस्टर लगा लिए हैं. किसी ने अपने ठेले पर आरिफ आम वाला तो किसी ने निसार फल वाला की पर्ची लिखकर टांग ली है। मुझे तो लगता है की सरकार और नौकरशाही से ज्यादा संविधान का सम्मान ये गरीब फल बेचने वाले आल्पसंख्यक करते हैं। इनका सम्मान किया जाना चाहिए। इस फरमान को लेकर विपक्षी नेता यूपी सरकार और यूपी पुलिस पर निशाना साध रहे हैं. इस बीच पूर्व मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी का सोशल.मीडिया पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने अधिकारियों के आदेश की आलोचना की है। नकवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, कुछ अति-उत्साही अधिकारियों के आदेश हड़बड़ी में गड़बड़ी वाली अस्पृश्यता की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं. आस्था का सम्मान होना ही चाहिए, पर अस्पृश्यता का संरक्षण नहीं होना चाहिए. जनम जात मत पूछिए, का जात अरु पात. रैदास पूत सब प्रभु के,कोए नहिं जात कुजात. नकवी के साथ मेरी पूरी सहानुभूति है। वे भाजपा के कायर मुस्लिम नेता हैं। भाजपा ने जब लोकसभा चुनावों के समय एक भी मुस्लिम को अपना प्रत्याशी नहीं बनाया था ,तब नकवी कहाँ गए थे ? उनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज से भी गयी-गुजरी आवाज है। आजकल सरकारें आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत कीबात नहीं सुनती तो नकवी की बात को कौन सुनेगा ? बेहतर हो कि नकवी भाजपा में तिल-तिलकर घुटने के बजाय भाजपा छोड़कर किसी दूसरे दल में शामिल हो जाएँ। लेकिन ऐसा होगा नहीं।नकवी और उन जैसे भाजपा के तमाम मुस्लिम नेता सौ-सौ जूते खाएं ,तमाशा घुसकर देखें वाली स्थितियों में जो फंसे पड़े हैं। भाजपा के मुस्लिम नेताओं में कोई किरोड़ीमल मीणा नहीं है ,जो अपमानित होकर सत्ता में रहने के बजाय अपना इस्तीफा देने का माद्दा रखता हो। इस ३४'५ आदेश पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा कि जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा। पूर्व सीएम मायावती ने भी कहा कि नया सरकारी आदेश गलत परंपरा है, इसे वापस लिया जाए। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुसलमान अछूत बना दिए गए हैं। पूर्व सांसद और प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर और तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से हस्तक्षेप का आग्रह किया है। कांवड़ यात्रा के रास्ते में कावड़ यात्रियों के लिए सरकार को मुस्लिमों को खड़े होने की इजाजत ही नहीं देना चाहिये । मुस्लिम दुकानदारों से नेमप्लेट लगाकर कारोबार करने से बेहतर है कि उन्हें कांवड़ यात्रा के दौरान रास्ते से हटा ही दिया जाय। सरकार कांवड़ यात्रियों के लिए खुद उचित मूल्य की सरकारी दुकानें खोले और उनके बाहर नोटिस चस्पा करे कि ये दुकाने केवल हिन्दुओं द्वारा संचालित है और यहां से केवल हिन्दू ही खरीद-फरोख्त कर सकते हैं। सरकारें जब शराब बेच सकतीं हैं तो हिन्दू कांवड़ियों के लिए अलग से दुकाने क्यों नहीं खोल सकतीं ? हिन्दू-मुसलमान करने का खमियाजा सरकार को आम चुनाव में भुगतना पड़ा था लेकिन सरकार की नींद नहीं खुली। सरकार पहले अयोध्या और हाल ही में बद्रीनाथ हारकर भी सबक लेने को तैयार नहीं है । सरकार तो अपना हिन्दू राष्ट्र मन ही मन बनाये बैठी है।उसका राजधर्म तो कांवड़ियों पर हेलीकाप्टर से फूल बरसाना है ,तो है। आज की सरकारों के बारे में मेरे जैसा अदना सा लेखक क्या लिख सकता है।? ऐसी साम्प्रदायिक सरकारों के लिए गोस्वामी तुलसीदास छह सौ साल पहले ही लिख गए थे - फूलें फले न बेत जदपि सुधा बरसे जलद। मूरख ह्रदय न चेत जो गुरु मिले विरंच सम॥ देश के कांवड़ यात्रियों को अग्रिम शुभकामनाएं। भवन भोलेनाथ उनका मनोरथ पूरा करें ,क्योंकि बाकी के तमाम देवता तो सो गए हैं चार महीने के लिए। उनसे उत्तर प्रदेश की नौकरशाही की करतूतें शायद देखी नहीं गयीं ।

कोई गम्भीर बदलाव नही हुआ है नए कानून में!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन



दिल्ली की सभी जिला स्तरीय अदालतों के वकीलों ने अपनी बार एशोसिएशन के माध्यम से नए कानूनों को लागू करने के विरोध में एक दिन काम नही किया,वही सुप्रीम कोर्ट में भी उक्त कानून को चुनौती दी गई है बिना किसी तैयारी के लागू किये गए नए कानूनो को लेकर पुलिस, जज,वकील और वादकारियों सभी को किसी न किसी रूप में परेशानी हो रही है।वास्तव में पुराने कानून को औपनिवेशिक का सिंबल बताकर बदल दिया गया है, जबकि औपनिवेशिक शासन का मुख्य प्रतीक पुलिस व्यवस्था है ,जो ब्रिटिश काल से चली आ रही है। इसमें सुधार किए जाने और उसे लागू किए जाने की आवश्यकता किसी ने नही समझी। भारतीय न्याय संहिता में भारतीय दंड संहिता, 1860 के अधिकांश अपराध व उसके लिए दंड पुनः शामिल किये गए हैं, इसमें सामुदायिक अपराध को सजा के रूप में जोड़ा गया है और राजद्रोह अब अपराध नहीं रह गया।देश की एकता को खतरा अपराध के बजाय इस नए कानून में भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए एक नया अपराध जोड़ा गया है। भारतीय न्याय संहिता में आतंकवाद को अपराध के रूप में जोड़ा गया है, इसे ऐसे कृत्य के रूप में परिभाषित किया गया है जिसका उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालना, आम जनता को डराना या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना है। छोटे-मोटे संगठित अपराध भी अब अपराध हैं, जाति, भाषा या धार्मिक आधार पर पांच या अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा हत्या करना अपराध होगा, जिसके लिए सात साल से लेकर आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। संसद में इन विधेयकों को पारित करने में भी अनियमिता व्याप्त रही है, क्योंकि विपक्ष के अधिकांश संसद सदस्यों को निर्लंबित कर दिया गया था और विधेयकों को पारित करने में बहुत कम लोगों ने भाग लिया।इस तरह की कार्रवाई के कारण विधेयक पर कोई बहस नहीं हुई और न ही सदन में कोई चुनौती दी गई।नई भारतीय न्याय संहिता में कुल 358 धाराएं हैं। जिसमें 20 नए अपराधों को परिभाषित किया गया है,जबकि 33 अपराधों में सजा बढ़ाई गई है।वही 83 ऐसे अपराध हैं, जिनमें जुमार्ने की रकम बढ़ाई गई है। नए कानून में आतंकवाद को परिभाषित किया गया है। इस बदलाव में आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य संहिता लागू की गई है। तीन नए आपराधिक कानून-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 25 दिसंबर 2023 को अधिसूचित किए गए थे। ये तीनों कानून 1 जुलाई, 2024 से लागू किये गए हैं। हथकड़ी लगाने के नियम में बदलाव किये गए है। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह लाए गए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43 (3) में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है। इस नियम के मुताबिक अगर कोई कैदी आदतन अपराधी है या पहले हिरासत से भाग चुका है या आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, ड्रग्स से जुड़ा अपराधी हो, हत्या, रेप, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बच्चों का यौन शोषण में शामिल रहा हो तो ऐसे कैदी को हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार किया जा सकता है। अब तक कानून में हथकड़ी लगाने पर उसका कारण बताना जरूरी था और इसके लिए मजिस्ट्रेट से इजाजत भी लेनी होती थी। सन 1980 में प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हथकड़ी के इस्तेमाल को अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर हथकड़ी लगाने की जरूरत है तो मजिस्ट्रेट से इसकी इजाजत लेनी होगी। अब भगोड़े अपराधी पर भी मुकदमा चलाया जा सकेगा।जबकि पुराने कानून में किसी अपराधी या आरोपी पर मुकदमे का विचारण तभी शुरू होता था, जब वो अदालत में मौजूद होता था। लेकिन नए कानून के मुताबिक अगर कोई अपराधी फरार है तो भी उसके खिलाफ मुकदमा चल सकता है।आरोप तय होने के 90 दिन के बाद भी अगर आरोपी कोर्ट में पेश नहीं होता है तो विचारण शुरू हो जाएगा। पुराने कानून में मौत की सजा पाए दोषी के सामने आखिरी रास्ता दया याचिका होती थी। सारे कानूनी रास्ते खत्म होने के बाद भी दोषी के पास राष्ट्रपति के पास दया याचिका दायर करने का अधिकार होता था। दया याचिका दायर करने की कोई समय सीमा नहीं थी। लेकिन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 472(1) के मुताबिक सारे कानूनी विकल्प खत्म होने के बाद अब दोषी व्यक्ति को 30 दिन के भीतर राष्ट्रपति के सामने दया याचिका दायर करनी होगी। राष्ट्रपति का दया पर जो भी फैसला होगा, उसकी जानकारी 48 घंटे के भीतर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के गृह विभाग और जेल सुपरिंटेंडेंट को देनी होगी।पुराने कानून में आतंकवाद की कोई परिभाषा नहीं थी। लेकिन भारतीय दंड संहिता की जगह लाए गए भारतीय न्याय संहिता में पहली बार आतंकवाद को परिभाषित किया गया है और इसे दंडनीय अपराध बनाय गया है। अगर कोई देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालने, आम जनता या उसके एक वर्ग को डराने या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के इरादे से भारत या किसी अन्य देश में कोई कृत्य करता है, तो उसे आतंकी कृत्य माना जाएगा। नए कानून में अब पीड़ित को 90 दिन के भीतर जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट उपलब्ध करानी होगी। पुलिस को 90 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करनी होगी,हालांकि यह व्यवस्था पहले से ही है।नए कानून में कोर्ट हालात को देखते हुए 90 दिन का समय बढ़ा सकती है। किसी भी परिस्थिति में 180 दिन के भीतर जांच पूरी कर विचारण शुरू करना होगा।

देखी दिनन के फैर जब पहुँच मार्ग ही बन गया गतिरोधक...?

- ओमप्रकाश मेहता

भारत की आजादी के बाद से ही उत्तरप्रदेश केन्द्रीय सत्ता तक पहुंचने का पहुंच मार्ग रहा है, प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू उनकी बेटी इंदिरा जी उनके नाती राजीव गांधी सभी उत्तरप्रदेश की राजनीति की देन रहे है। आज इसी खानदान के मौजूदा वारिस राहुल गांधी भी उत्तरप्रदेश की ही राजनीति से जाने जाते है। इस राजनायिक प्रदेश की पहचान अब कांग्रेस तक सीमित नही रहकर भारतीय जनता पार्टी पर भी केन्द्रीत हो गई है। आज इसीलिए यह प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के लिए भी वरदान सिद्ध हो रहा है और इसी कारण मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी को अपनी मातृभूमि गुजरात को छोड़कर उत्तरप्रदेश आना पड़ा। इस प्रकार यह राज्य आजादी के बाद से आज तक केन्द्रीय सत्ता का पहुंच मार्ग बना हुआ है। किंतु अब राजनीति की इस परिपाटी ने करवट लेना शुरू कर दिया है, इसी कारण अब यहां की पारम्परिक राजनीति में भी कुछ बदलाव सा नजर आने लगा है और धीरे-धीरे यह प्रदेश केन्द्रीय सत्ता के गतिरोधक के रूप में उभरने लगा है। इसका मुख्य कारण राज्य की स्थानीय राजनीति में मौजूदा प्रदेश नेतृत्व के प्रति असंतोष है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी को ही इसका मूल प्रासंगिक व्यक्तित्व कहा जाए तो गलत नही होगा, उन्होंने राजनेताओं और उनकी राजनीति के लिए विख्यात इस प्रदेश में एक ऐसे बाहरी (उत्तराखण्ड) राजनेता को लाकर यहां की सत्ता सौंप दी, जिसका यहां कोई वजूद नही रहा, आज जो इस प्रदेश में राजनीतिक तूफान के पूर्व की शांति दिखाई दे रही है, यह इसी कारण से है। यहां के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने अब तक तो सब कुछ झेल लिया, किंतु अब उन्हें यह महसूस होने लगा है कि राजनीति का पानी उनके सिर के ऊपर से निकलने की तैयारी में है और इस राजनीति की घुटन में वे अपना राजनीतिक अस्तित्व कायम नही रख पाएंगें, तब राज्य के एक वरिष्ठतम नेता और उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संगठन को वरियता देते हुए सत्ता को उसकी दासी बता दिया और बगावत का ध्वज लहरा दिया, श्री केशव प्रसाद मौर्य राज्य की खास बुनियाद व उसके आधार वाले नेता है, वे न सिर्फ प्रदेश के भाजपा प्रमुख रहे है, बल्कि 2017 से मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार है, राज्य में उनके समर्थकों की भी संख्या कम नही है, जो उनके पीछे खड़े है, उन्होंने संगठन को सत्ता से बड़ा बताकर अपरोक्ष रूप से सत्ता प्रमुख योगी आदित्य नाथ को आईना दिखा दिया। यद्यपि उन्हें दिल्ली बुलाकर भाजपाध्यक्ष जगत प्रकाश नड्ड़ा ने समझाने का प्रयास किया है, किंतु इस भेंट के बाद भी केशव प्रसाद जी अपने ही कथन पर अडिग है और इस तरह उन्होंने योगी विरोधी पताका लहराना जारी रखा है और प्रदेश के असंख्य भाजपा कार्यकर्ता उनके पीछे खड़े दिखाई दे रहे है। इस प्रकार यदि यह कहा जाए कि मोदी विरोध की शुरूआत मोदी के अपने ही गोद लिए प्रदेश से हो रही है तो कतई गलत नही होगा। क्योंकि देश की राजनीति के इस प्रमुख केन्द्र प्रदेश से ही मोदी जी के विरोध की शुरूआत हो गई है। वैसे यह परिदृष्य मोदी जी के लिए कोई नया नही है, पिछले लोकसभा चुनावों के उत्तरप्रदेशीय परिणामों ने इसकी झलक पहले ही दिखाई दी थी, जब उत्तरप्रदेश की आधी सीटों पर भी भाजपा कब्जा नही कर पाई थी और मुख्य प्रतिपक्षी दल समाजवादी पार्टी को सत्तारूढ़ दल भाजपा से अधिक सीटें प्राप्त हो गई थी।

आज का राशिफल

मेष समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

वृषभ आज सम्मान में वृद्धि का दिन है और आपको कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन आपको किसी बहुमूल्य वस्तु और संपत्ति मिलने से आपकी अभिलाषा पूरी होगी।

कर्क आज भाग्य साथ देगा और आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होने से हर्ष होगा।

सिंह आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। आपका दिन दूसरों की मदद करने में बीतेगा।

कन्या आज हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। आपके लिए भाग्यशाली योग बन रहे हैं।

तुला भाग्य साथ देगा और शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त होगी।

वृश्चिक आज दिन शुभ है और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होने से आपको लाभ होगा।

धनु करियर में जबर्दस्त लाभ होगा। आपके सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर दिन सफलता से भरा होगा। मनचाहा काम करने को मिलेगा तो आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

कुंभ आज दिन काफी भागदौड़ वाला रहेगा और किसी कारण से अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

मीन आज वक्त आनंद में बीतेगा। आपको पास और दूर की सकारणीय यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

विशेष

कांग्रेस भी राजनीतिक जोड़-तोड़ करना सीख गई

कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा में जिस तरह से कांग्रेस के नेताओं को जिम्मेदारी दी है। उसकी सभी ओर सराहना हो रही है। पूर्वोत्तर राज्य से गौरव गौगई को लोकसभा का उप नेता बनाया गया है। कोडिकुन्निल सुरेश को मुख्य सचेतक बनाया गया है। उनके सहयोगी के रूप में माणिकम टैगोर और मोहम्मद जावेद को सचेतक बनाया गया है। कांग्रेस ने केरल,तमिलनाडु, असम और बिहार के चार नेताओं को सदन के अंदर महत्वपूर्ण पद देकर क्षेत्रीय राजनीति को साधने का प्रयास किया है। इस बार दीपेंद्र हुड्डा को कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

सियासी मानसून ऑफर

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों के बाद उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में अंदरूनी कलह इस कदर हुई कि अब वो सभी के सामने आ गई है। इस कलह के चलते ही लखनऊ से दिल्ली तक संगठन के कर्ता-धताओं के बीच बैठकों का दौर चला है। भाजपा नेताओं की आपसी खटखट के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री व मौजूदा सांसद अखिलेश यादव ने एक सियासी मानसून ऑफर दिया है। दरअसल अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, कि 100 लाओ, सरकार बनाओ ! समझा जा रहा है कि यह ऑफर केशव प्रसाद मौर्य को दी गई है, जो कि पिछले कुछ समय से सरकार और संगठन से नाराज चल रहे हैं। यदि मौर्य ऑफर स्वीकार कर लेते हैं और 100 विधायक जोड़-तोड़ कर साथ ले आते हैं तो वाकई वो वही सब कुछ पा सकते हैं।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1654: पुर्तगाल पर ब्रिटेन का अधिकार हुआ. 1877: तुर्की के साथ युद्ध में रूसी 'फौजों को हार का सामना करना पड़ा. 1905: ब्रिटेन ने बंगाल के प्रथम विभाजन को मंजूरी दी. 1973: तुर्की ने बुल्गारिया से एडियानोयल पुनः छीन लिया. 1945: अमरीकी झंडा बर्लिन पर फहराया गया. 1947: डच सैनिकों ने जावा में इंडोनेशियाई सैनिकों के खिलाफ जवाबी कार्यवाही की. 1957: जार्डन के शाह अब्दुल्ला की हत्या यरुशलम में हुई. 1958: संयुक्त अरब गणराज्य ने जार्डन से संबंध तोड़ दिए. 1968: फिलीपीस ने मलेशिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया. 1969: अमरीकी अंतरिक्ष यात्री नील ए.आर्मस्ट्रांग ने चांद पर पहला कदम रखा. 1976: अमरीकी अंतरिक्षयान वाइकिंग-7 ग्यारह महीने की यात्रा के बाद मंगल ग्रह पर पहुंचा. 1987: पुर्तगाल के चुनावों में प्रधानमंत्री एनिबल कवाल्को सिल्वा की पार्टी को भारी बहुमत मिला.

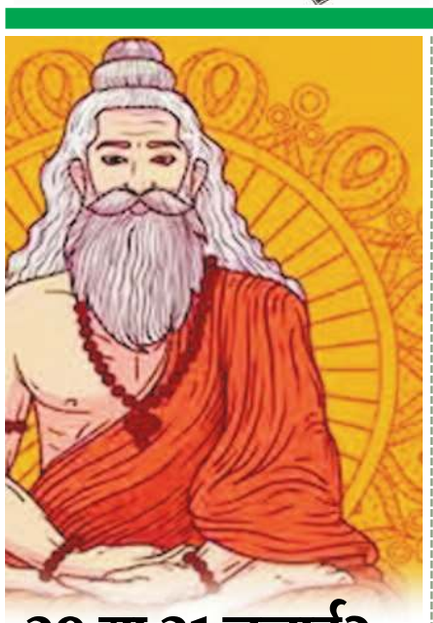
दैनिक पंचांग

20 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.09 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	07.29 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.41 बजे से
बुध	सिंह में	तुला	11.52 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.06 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	16.22 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	18.28 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.14 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	21.47 बजे से
राहुकाल		मेष	23.17 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		वृष	00.57 बजे से
		मिथुन	02.56 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 202 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 18.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 01.49 बजे रात्र को समाप्त। योग वैधृति 00.48 बजे रात्र को समाप्त। करण गर 6.55 बजे, वणिज 18.00 बजे तदनन्तर विष्टि 04.57 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 14.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 36'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872046
जूलियन दिन 2460511.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445 महीना मोहर्रम
तारीख 13 विशेष कोकिला व्रत, अंतर्राष्ट्रीय श



20 या 21 जुलाई? कब है गुरु पूर्णिमा?

धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि को वेदों के रचयिता महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था। इसी वजह से इसे गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। सनातन धर्म में व्रत और पर्व पर स्नान और दान करने का विशेष महत्व है। ठीक इसी प्रकार पूर्णिमा तिथि पर पूजा जप तप और दान किया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह में गुरु पूर्णिमा का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन चंद्र देव अपने पूर्ण आकार में होते हैं। इस शुभ तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। इस बार गुरु पूर्णिमा की डेट को लेकर लोग अधिक कन्फ्यूज हो रहे हैं। कुछ लोग गुरु पूर्णिमा 20 जुलाई की बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोग गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को मनाने की बात कह रहे हैं। आइए इस लेख में हम आपको हिंदू पंचांग के अनुसार बताएंगे कि गुरु पूर्णिमा की सही डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

गुरु पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 20 जुलाई दिन शनिवार को शाम 05 बजकर 59 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि की समाप्ति अगले दिन 21 जुलाई, 2024 दिन रविवार को दोपहर 03 बजकर 46 मिनट पर होगी। उदयातिथि को देखते हुए गुरु पूर्णिमा का पर्व 21 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पूजा विधि

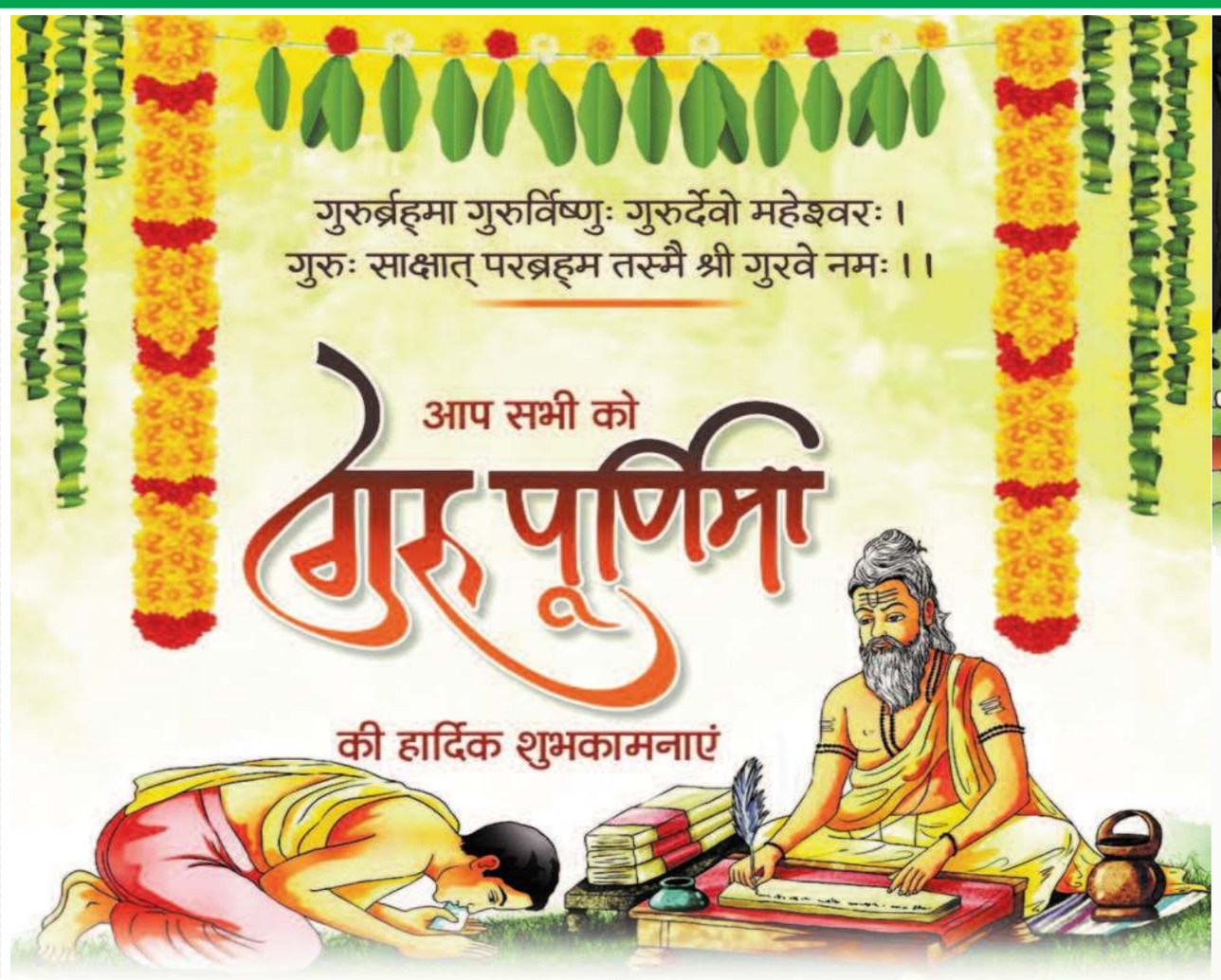
गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी और दिन की शुरुआत भगवान विष्णु और वेदों के रचयिता वेद व्यास जी के ध्यान से करें। गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। साफ वस्त्र धारण कर सूर्य देव को जल अर्पित करें। इस दौरान इस मंत्र का जप करें।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु र्गुरुर्देवो महेश्वर:
गुरु साक्षात परब्रह्मा तस्मै श्रीगुरवे नम:

इसके पश्चात श्री हरि और वेद व्यास जी को फल, फूल, धूप, दीप, अक्षत, हल्दी, दूर्वा आदि चीजें अर्पित करें। साथ ही दीपक जलाकर आरती करें। भगवान विष्णु और गुरु चालीसा और गुरु कवच का पाठ करें। प्रभु को खीर और फल समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। अंत में सच्चे मन से बल, बुद्धि, विद्या, सुख और समृद्धि की कामना करें। इस दिन श्रद्धा अनुसार गरीब लोगों में अन्न, धन और वस्त्र का दान करें।

भगवान विष्णु के मंत्र

- ऊँ नमो: नारायणाय।।
- ऊँ नमो: भगवते वासुदेवाय।।
- ऊँ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु: प्रचोदयात।।
- शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम विश्वाधारम् गगनसदृशम् मेघवर्णम् शुभाङ्गम। लक्ष्मीकान्तम् कमलनयनम् योगिभिर्ध्यानगम्यम
- वन्दे विष्णुम् भवभयहरम् सर्वलोकैकनाथम।।



क्यों मनाते हैं गुरु पूर्णिमा क्या है इसका महत्व?

आषाढ़ पूर्णिमा को देश भर में गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करने का एक विशेष अवसर होता है।

साल 2024 में गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई 2024 को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 20 जुलाई को शाम 5 बजकर 59 मिनट से होगी, जिसका समापन 21 जुलाई को दोपहर 03 बजकर 46 मिनट होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का अधिक महत्व है। ऐसे में गुरु पूर्णिमा का पर्व 21 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु की महिमा

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। 'गुरु' शब्द संस्कृत भाषा से आया है, जिसका अर्थ है- अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला। गुरु ही वह व्यक्ति है जो हमें अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु के बारे में उल्लेख करते हुए शास्त्रों में कहा गया है-

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नम: ॥

अर्थात् गुरु ही हमें ज्ञान या परमार्थ की जागरूकता का मरहम लगाकर अज्ञानता के अंधकार की पीड़ा से बचा सकते है, हम ऐसे गुरु को प्रणाम करते हैं। गुरु की महिमा का वर्णन हमारे वेदों, पुराणों, और अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी विस्तृत रूप से किया गया है। गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा का पर्व महर्षि वेद व्यास के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महर्षि वेद व्यास ने वेदों का संकलन किया और महाभारत जैसे महाकाव्य की रचना की। इसलिए इस दिन को 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। वेद व्यास को प्रथम गुरु के रूप में मान्यता दी जाती है, जिन्होंने ज्ञान को सुव्यवस्थित करके विश्व को उपहारस्वरूप प्रदान किया था। हिन्दू धर्म के अतिरिक्त बौद्ध धर्म में भी इस दिन का विशेष महत्व है क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था, जिसे 'धर्म चक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है। जैन धर्म में भी इस दिन को महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दिन ही भगवान महावीर ने अपने प्रथम शिष्य गौतम गणधर को दीक्षा दी थी।

गुरु पूर्णिमा का उत्सव

गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरुओं की पूजा-अर्चना करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस दिन का आरंभ प्रात:काल में स्नान और ध्यान से होता है। इसके बाद गुरु की पूजा की जाती है, जिसमें फूल, फल, वस्त्र, और मिठाई अर्पित की जाती है। कई स्थानों पर विशेष भजन, कीर्तन, और सत्संग का आयोजन होता है। कई लोग इस दिन उपवास भी रखते हैं और अपने गुरु के दिए हुए ज्ञान और उपदेशों का अनुसरण करने का संकल्प लेते हैं।

आधुनिक युग में गुरु पूर्णिमा

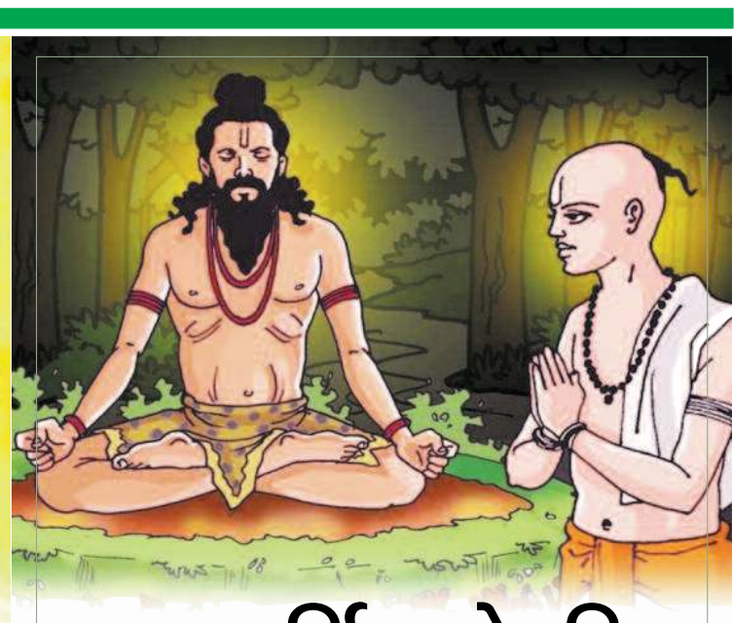
आज के आधुनिक युग में भी गुरु पूर्णिमा का महत्व बना हुआ है। हालांकि गुरु-शिष्य परंपरा में समय के साथ बदलाव आए हैं, लेकिन गुरु के प्रति आदर और सम्मान की भावना आज भी उतनी ही प्रबल है। आज के समय में गुरु केवल धार्मिक या आध्यात्मिक गुरुओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे शिक्षक, मार्गदर्शक, और प्रेरणादायक व्यक्तियों के रूप में हर क्षेत्र में विद्यमान हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें यह याद दिलाता है कि ज्ञान प्राप्ति की प्रक्रिया में गुरु का स्थान कितना महत्वपूर्ण है। यह दिन हमें अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करने और उनके सिखाए गए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उपनिषदों में कहा गया है-

ऊँ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै॥
ऊँ शांति, शांति, शांति:

अर्थात् परमेश्वर हम शिष्य और गुरु दोनों की साथ-साथ रक्षा करें। हम दोनों को साथ-साथ विद्या के फल का भोग कराए। हम दोनों एकसाथ मिलकर विद्या प्राप्ति का सामर्थ्य प्राप्त करें। हम दोनों का पढ़ा हुआ तेजस्वी हो। हम दोनों परस्पर द्वेष न करें। शांति शांति शांति।

गुरु पूर्णिमा का पर्व न केवल हमारे गुरुओं के प्रति आदर और सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह हमें ज्ञान और सच्चाई की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी देता है। इस दिन का महत्व सदियों से बना हुआ है और यह हमें हमारी संस्कृति, परंपरा, और मूल्यों की याद दिलाता है। गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाकर हम अपने जीवन में गुरुओं के योगदान को सम्मानित करते हैं और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि सही मार्गदर्शन और ज्ञान से हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।





गुरु पूर्णिमा के दिन जरूर करें तुलसी से जुड़े ये उपाय, भगवान विष्णु की बनी रहेगी कृपा

गुरु पूर्णिमा, जिसे व्यास पूर्णिमा और वेद पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पूर्णिमा के दिन, आषाढ़ मास में मनाया जाता है। इस वर्ष, गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई 2024 को रविवार के दिन मनाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा का मुख्य उद्देश्य गुरु का सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। इस दिन, शिष्य अपने गुरुओं के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति प्रकट करते हैं। गुरु पूर्णिमा ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक है। इस दिन, भगवान वेद व्यास, जिन्हें ज्ञान का देवता माना जाता है, को उनकी शिक्षाओं के लिए स्मरण किया जाता है। इतना ही नहीं, गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी के कुछ उपाय हैं। जिसे करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए तुलसी के उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी मां को लाल चुनरी चढ़ाएं और श्रृंगार की सामग्री जरूर अर्पित करें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा जातक पर बनी रहेगी। साथ ही जातक को धन-धान्य की प्राप्ति हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए तुलसी के उपाय

अगर आपकी कोई इच्छा है, जिसे आप पूरी करना चाहते हैं, तो गुरु पूर्णिमा के दिन एक पीले रंग के धागे में 108 गांठ लगाएं और इसके बाद इसे तुलसी के गमले में बांध दें। इसके साथ ही अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए तुलसी मां को प्रार्थना करें। इस उपाय को करने से जातक की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। साथ ही शुभ फलों की प्राप्ति भी हो सकती है।

शीघ्र विवाह के लिए तुलसी से जुड़े उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी में लाल रंग का कलावा जरूर बांधें। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से जातक को सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। इसके अलावा इस दिन तुलसी में कच्चा दूध चढ़ाएं और संध्या के समय घी का दीपक जलाकर तुलसी के पास रख दें। इससे शीघ्र विवाह के योग बन सकते हैं। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है।

कर्ज से छुटकारा पाने के लिए तुलसी के उपाय

अगर आपको बार-बार कर्ज से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो उससे छुटकारा पाने के लिए गुरुवार के दिन तुलसी माता को कौड़ी अर्पित करें और एक घी का दीपक जलाएं। साथ ही श्री नारायण के मंत्र का 11 बार जप करें। मंत्र है- 'ऊँ नमो भगवते नारायणाय।'। ऐसा करने से आपको कर्ज से छुटकारा मिल सकता है।



हल्दी गांठ की माला का 1 उपाय, बदलकर रख देगा आपका जीवन, गुरु पूर्णिमा पर करें धारण

हिन्दू धर्म में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा दर्जा दिया गया है. ऐसा कहा भी गया है कि गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय, बलिहारी गुरु अपने गोविन्द दियो बताय. वहीं शास्त्रों में गुरु पूर्णिमा के दिन को अत्यंत शुभ बताया गया है, जो कि आषाढ़ माह आती है. इस बार गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को मनाई जा रही है. यह दिन पूरी तरह से गुरु के लिए समर्पित है और लोग इस दिन अपने गुरु से आशीर्वाद लेते हैं. पुराणों के अनुसार, इस तिथि के दिन महाभारत के रचयिता ऋषि वेद व्यास का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है. इस दिन कुछ विशेष उपायों से आपके जीवन में जबरदस्त बदलाव आ सकते हैं. इनमें से एक है हल्दी के गांठ की माला धारण करना. इसे कैसे धारण करें? किन बातों का रखें ध्यान और क्या है इसका महत्व?

हल्दी की गांठ की माला का महत्व

आपको बता दें कि पीला रंग भगवान विष्णु का प्रिय है. वहीं हल्दी का रंग भी पीला होता है और इसे पवित्र माना जाता है. ऐसे में ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हल्दी की माला पहनने से ग्रह-दोषों से मुक्ति मिलती है. साथ ही हल्दी की माला पहनने से गुरु ग्रह मजबूत होता है. इसके अलावा यदि आपके विवाह में किसी तरह की बाधा आ रही है तो यह भी हल्दी की गांठ की माला पहनने से दूर हो सकती है.

इन बातों का रखें ध्यान

- माला को धारण करने से पहले शुभ मुहूर्त का विशेष ध्यान रखें.
- हल्दी की गांठ की माला पहनने से पहले उसे गंगाजल से शुद्ध कर लें.
- माला को धारण करते समय ऊँ नमो नारायणाय या गुरुदेव ब्यौं नम: मंत्र का 108 बार जाप कर करें.
- माला पहनने के बाद उसे हमेशा साफ रखें.
- माला को कभी उतारकर गंदे स्थान पर ना रखें.
- जब किसी के अंतिम संस्कार में जाएं तो माला घर उतार कर जाएं और वहां से आकर स्वयं पवित्र होएं और माला को भी गंगाजल से पवित्र करके फिर से धारण करें.

इस साल गुरु पूर्णिमा के दिन बन रहा है बेहद ही शुभ संयोग



हर साल आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि के दिन गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है. इस दिन शिष्य अपने गुरुओं का पूजन करते और उन्हें इस दिन की शुभकामनाएं देते हैं. धर्म पुराणों के अनुसार आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन ही महर्षि वेद व्यास जी का जन्म हुआ था और उनके जन्मोत्सव को गुरु पूर्णिमा के तौर पर मनाया जाता है. महर्षि वेद व्यास केवल महाभारत के ही रचियता नहीं, बल्कि उन्होंने हिंदू धर्म के चारों वेदों की भी रचना की है. इसलिए उन्हें दुनिया का पहला गुरु कहा गया है और गुरु पूर्णिमा के दिन उकना विधि-विधान से पूजन किया जाता है. इस दिन स्नान व दान का विशेष महत्व माना गया है. कहते हैं कि इस दिन यदि गंगा में स्नान के बाद अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान किया जाए तो जीवन में सुख-समृद्धि आती है.

गुरु पूर्णिमा के दिन बन रहा है शुभ संयोग

बता दें कि 21 जुलाई को सुबह 7 बजकर 19 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 27 मिनट तक पूजा का शुभ मुहूर्त है. 21 जुलाई को सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है जिसे बहुत ही शुभ माना जाता है. पंचांग के अनुसार यह योग सुबह 5 बजकर 27 मिनट से लेकर 22 जुलाई को सुबह 12 बजकर 14 मिनट तक रहेगा.

संक्षिप्त समाचार

70,000 करोड़ के नए युद्धपोतों के ऑर्डर पाने के रेस में मझगांव और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय भारतीय नौसेना के लिए नए युद्धपोतों के लिए 70,000 करोड़ के मेगा ऑर्डर को मंजूरी देने के लिए तैयार है। सरकारी कंपनी मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इस ऑर्डर के लिए रेस में सबसे आगे हैं, जिसे प्रोजेक्ट 17बी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। दोनों यार्ड वर्तमान में प्रोजेक्ट 17 (नीलगिरि क्लास) के तहत फ्रिगेट का निर्माण कर रहे हैं। एमडीएल 4 फ्रिगेट बना रहा है, जबकि तत्रस्थ तीन के ऑर्डर पर काम कर रहा है। ईटी की खबर के मुताबिक स्टील्थ फ्रिगेट भारत में बनाए जाने वाले सबसे उन्नत जहाज होंगे और ये नीलगिरि क्लास के जहाजों के बाद आएंगे जो अभी निर्माणाधीन हैं। आर्डर को दोनों यार्ड के बीच विभाजित करने की संभावना है। क्योंकि, प्रोजेक्ट 17 के मामले में ऐसा हो चुका है। एडवांस फ्रिगेट में उच्च स्वदेशी सामग्री होगी, जिसमें स्थानीय रूप से विकसित फायर कंट्रोल सिस्टम, ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल, एंटी-सबमरीन हथियार और इलेक्ट्रॉनिक वॉर सिस्टम शामिल होंगे। यह ऑर्डर दर्जनों सब-सप्लायर्स और विक्रेताओं को बढ़ावा देने में मदद करेगा, जिन्हें काम का बड़ा हिस्सा मिलेगा। भारत के सबसे उन्नत शिपयार्ड में से एक मझगांव के पास एक बड़ा ऑर्डर बुक है जो इस ऑर्डर के साथ और मजबूत हो सकता है। मुंबई स्थित यार्ड वर्तमान में कलवरी क्लास की पनडुब्बियों, प्रोजेक्ट 17 श्रेणी के फ्रिगेट का निर्माण कर रहा है और इसने अभी-अभी प्रोजेक्ट 15बी क्लास के विध्वंसक का निर्माण पूरा किया है। यार्ड को चालू वित्त वर्ष में तीन अतिरिक्त कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों के लिए एक काट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की भी उम्मीद है, जिसका मूल्य लगभग 35,000 करोड़ होने की संभावना है। ये नई पनडुब्बियां यार्ड द्वारा निर्मित छह कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों से बड़ी और अधिक अपग्रेड होंगी। दूसरी ओर ग्रीन वर्तमान में अगली पीढ़ी के गश्ती जहाजों और एंटी-सबमरीन युद्ध कोरवेट का निर्माण कर रहा है। कोलकाता स्थित यार्ड को हाल ही में निर्यात ऑर्डर प्राप्त करने में भी सफलता मिली है और कई और ऑर्डर पाइपलाइन में हैं।

6 से बढ़कर 63 पर आ गया स्टील कंपनी का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड का शेयर पिछले एक साल से मल्टीबैगर रिटर्न दे रहा है। बीते मंगलवार को कंपनी के शेयर 10 प्रतिशत तक चढ़ गए थे और 63.10 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। सालभर में यह शेयर 1000 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। इस दौरान इसकी कीमत 6 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है। आपको बता दें कि पेनी स्टॉक राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड के शेयर ठीक एक साल पहले 17 जुलाई, 2023 को 5.61 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो उस तारीख को अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर को छू गया था। इस साल 18 मई को राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड का शेयर प्राइस 67.51 रुपये पर पहुंच गया था। यह इसका 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर है। मंगलवार, 16 जुलाई 2024 को राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड का शेयर 63.10 रुपये पर बंद हुआ था। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, केवल एक साल में यह 10 गुना से अधिक रिटर्न है। बता दें कि कंपनी कर्ज फ्री है। इस सप्ताह में स्टॉक ने लगातार चार दिनों में 32.45 से अधिक की बढ़त हासिल की है। हाल ही में कंपनी ने ऐलान किया कि गाजियाबाद में कंपनी की स्टील मेल्टिंग यूनिट को उत्तर प्रदेश सरकार की औद्योगिक और सेवा क्षेत्र निवेश नीति 2004 के तहत प्रमुख यूनिट घोषित किया गया और कंपनी को यूपी सरकार से बिजली शुल्क छूट के दावे के विरुद्ध रिफंड के रूप में 4.71 करोड़ रुपये मिले थे।

अब नहीं चलेगी जियो, एयरटेल और वोडाफोन की मनमानी!

● जल्दी ही 4जी और 5जी सर्विसेज शुरू करेगी बीएसएनएल ● टाटा और सी-डॉट का कंसोर्टियम विकसित कर रहा इन्फा



नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो , एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने हाल में मोबाइल टैरिफ में भारी बढ़ोतरी की है। इसके बाद यूजर्स ने सरकारी टेलिकॉम कंपनी बीएसएनएल का रुख करना शुरू कर दिया है। हालांकि कंपनी ने अब तक 4जी और 5जी सर्विसेज शुरू नहीं की हैं। लेकिन अब ज्यादा दिन तक प्राइवेट टेलिकॉम कंपनियों की मनमानी चलने वाली नहीं है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि बीएसएनएल और एमटीएनएल जल्द से जल्दी 4जी और 5जी सेवाएं शुरू करेंगी। उनका कहना है कि सरकारी टेलिकॉम कंपनियों में तेजी से बदलाव किया जा रहा है और इसकी रोजाना निगरानी की जा रही है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के उद्घाटन समारोह से इतर बोलते हुए सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि सरकार एमटीएनएल के सॉवरेन गारंटी बॉन्ड के पीछे खड़ी है और कोई चूक नहीं होगी, भले ही इसका संचालन बीएसएनएल को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने जो कहा है वह बहुत स्पष्ट है कि एमटीएनएल का संचालन बीएसएनएल को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। देनदारियों का भुगतान करने के लिए एसेट्स का मॉनिटाइजेशन किया जाएगा। भारत सरकार एमटीएनएल के बॉन्ड के पीछे खड़ी है और इसमें कोई डिफॉल्ट नहीं होगा।

सरकारी टेलिकॉम कंपनियों के अपग्रेडेशन के बारे में उन्होंने कहा, हमारे लिए आसान होता कि हम ग्लोबल वेंडर्स से तकनीकें लेते और वही करते जो दूसरे करते हैं। लेकिन हमें लगता है कि भारत को केवल सर्विसेज का ही आपूर्तिकर्ता नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रॉडक्ट्स का भी आपूर्तिकर्ता होना चाहिए। इसलिए, हमने कठिन रास्ता चुना और भारत 4जी स्टैक को खुद विकसित करने का फैसला किया। टाटा द्वारा संचालित तेजस और टीसीएस तथा सी-डॉट का एक कंसोर्टियम 4जी और 5जी टेलिकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए जटिल तकनीक पर काम कर रहा है। इसे बीएसएनएल और एमटीएनएल नेटवर्क पर तैनात किया जाएगा। सिंधिया ने कहा, मैं गारंटी देता हूं। हम इस प्रयास के लिए एक लाख आरएएन (रेडियो एक्सेस नेटवर्क) तैनात करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास भारत के भीतर ऐसी तकनीकें विकसित करना है जिनका उपयोग न केवल घरेलू उपयोग के लिए किया जाएगा, बल्कि निर्यात के लिए भी किया जाएगा। एक दशक पहले की तुलना में पिछले साल दूरसंचार उपकरणों का निर्यात 20,000 करोड़ रुपये के करीब था। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार नियामक की भूमिका निभाने के बजाय इस क्षेत्र के विकास को सक्षम बनाने में एक फैसिलिटेटर बनना चाहती है।

उन्होंने कहा कि 5जी में तेजी से विकास देखने के बाद, भारत अब 6जी प्रौद्योगिकियों के विकास में अग्रणी बनने के लिए काम कर रहा है। एक ऐसा देश जिसने 4जी में दुनिया का अनुसरण किया, 5जी में उसके साथ चला और अब 6जी की बात आने पर नेतृत्व करेगा। सिंधिया ने कहा कि भारत अब 5जी के लिए ऐप और सॉल्यूशन के विकास को प्रोत्साहित करने पर काम कर रहा है, जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। साइबर सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत डिजिटल मोर्चे पर विकसित हो रहा है, साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने आज युद्ध केवल जमीन पर ही नहीं, बल्कि क्लाउड पर भी लड़े जाते हैं। जब साइबर सुरक्षा की बात आती है तो देश, नागरिकों और व्यवसायों की सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है।

सोने में लगातार छठे दिन बढ़त; 700 रुपये मजबूत हुआ, चांदी में 400 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपये की विनिमय दर में गिरावट के साथ ताजा घरेलू मांग में तेजी आने से दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 700 रुपये की तेजी के साथ 76,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, पिछले करोबारी सत्र में सोना 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

लगातार छठे कारोबारी सत्र में सोने की कीमतों में बढ़त दिखी। राष्ट्रीय राजधानी में सोना 700 रुपये की तेजी के साथ 76,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 750 रुपये की तेजी के साथ 76,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

हालांकि, चांदी की कीमत 400 रुपये की गिरावट के साथ 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जो पिछले सत्र में 94,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एसोसिएशन ने कहा कि स्थानीय



आभूषण विक्रेताओं की सतत लिवाली से सोने की कीमतों में तेजी आई और रुपये में कमजोरी से भी पीली धातु की तेजी को समर्थन मिला।

गुरुवार को रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.64 रुपये प्रति डॉलर (प्रारंभिक आंकड़ा) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को मुहर्रम के मौके पर कमोडिटी बाजार बंद थे। विदेशी बाजार में कॉमेक्स पर सोने का भाव 6.90 डॉलर प्रति औंस की तेजी के साथ 2,466.80 डॉलर प्रति औंस हो गया। सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने और डॉलर के कमजोर होने के बीच इस सप्ताह की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोने की कीमतें स्थिर रहीं। हालांकि, इस सप्ताह बाजार प्रतिभागी 2024 में फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कम से कम दो कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में चांदी का भाव मामूली तेजी के साथ 30.66 डॉलर प्रति औंस हो गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (जिंस व मुद्रा) जतीन त्रिवेदी ने कहा, सोने में गुरुवार को सकारात्मक ढंगस से कारोबार होता दिखा। यह बढ़त सितंबर में फेड दर में कटौती की उम्मीदों और डॉलर इंडेक्स की कमजोरी से प्रेरित है। इसके अलावा व्यापारी अगले सप्ताह पेश होने वाले आगामी बजट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और सरकार की ओर से संभावित नियामकीय बदलावों पर नजर रख रहे हैं। कोटक सिक्योरिटीज के एवीपी-कमोडिटी रिसर्च कायनत चेनवाला ने कहा कि फेडरल रिजर्व की चेयरपर्सन और फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के अधिकारियों के हालिया बयानों से सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बल मिला जिससे कॉमेक्स पर सोना बुधवार को 2,388.4 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

ऋण वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक नहीं हो; आरबीआई गवर्नर ने बैंको को चेताया, कहा- संतुलन रखें

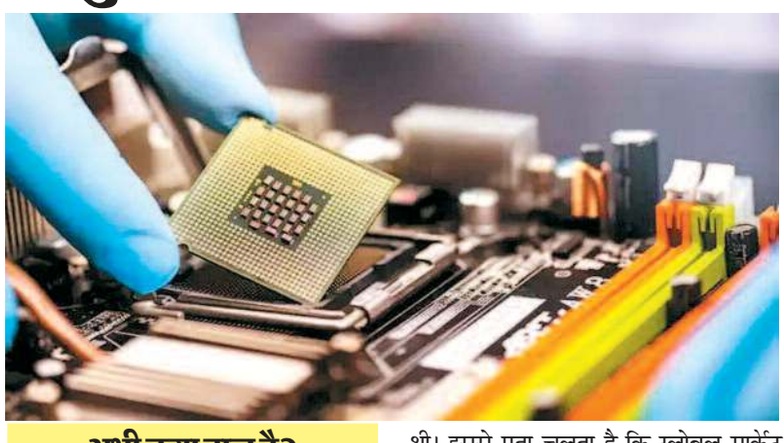
नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मुंबई में आयोजित एफई मॉडर्न बीएफएसआई समिट 2024 को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत में वित्तीय परिदृश्य एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, और आरबीआई सक्रिय रूप से यूपीआई जैसे नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और भारत में अधिक समावेशी वित्तीय क्षेत्र बनाने के लिए भुगतान प्रणालियों को फिर से तैयार किया है।



मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि बैंकों ने अन्य स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाकर क्रेडिट और जमा के अंतर को कम करने की कोशिश की है। इससे ब्याज दरों के प्रति उनकी संवेदनशीलता बढ़ जाती है और तरलता प्रबंधन के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। इसमें बदलाव करें करने की जरूरत है। ऋण जमाओं के विभिन्न निहितार्थ हैं जिन्हें बैंकों को ध्यान में रखना होगा क्योंकि ऋण वृद्धि मजबूत बनी हुई है। बैंकों को ऋण हामीदारी मानकों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास कहा, आरबीआई सक्रिय रूप से यूपीआई जैसे नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है, पहुंच बढ़ाने और भारत में अधिक समावेशी वित्तीय क्षेत्र बनाने के लिए भुगतान प्रणालियों को फिर से तैयार कर रहा है... क्रेडिट वृद्धि जमा वृद्धि से आगे नहीं बढ़नी चाहिए, दोनों के बीच उचित संतुलन होना चाहिए।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में चीन-वियतनाम से आगे निकलेगा भारत?

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भारत को ग्लोबल पावर हाउस बनाने का विजन सामने रखते हुए नीति आयोग ने कहा है कि साल 2030 तक देश को 500 बिलियन डॉलर की इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन का लक्ष्य लेकर काम करना चाहिए। आयोग ने गुरुवार को जारी रिपोर्ट 'इलेक्ट्रॉनिक्स- पावरिंग इंडियाज पार्टिसिपेशन इन ग्लोबल वैल्यू चेंस' में कहा कि अगर सही योजनाओं के साथ कदम बढ़ाए जाएं तो साल 2030 तक इस सेगमेंट में 50 से 60 लाख लोगों तक के लिए रोजगार के मौके बन सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की फिनिश्ड गुड्स मैन्युफैक्चरिंग और 150 बिलियन डॉलर की कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग भारत में हो सकती है, लेकिन इसके लिए 'फोकस्ड पॉलिसी' की जरूरत है। वित्त वर्ष 2023 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन 101 बिलियन डॉलर का था। इसमें 86 बिलियन डॉलर का फिनिश्ड गुड्स प्रोडक्शन और 15 बिलियन डॉलर की कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग थी।



अभी क्या हाल है?

रिपोर्ट में कहा गया, 'दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट 4.3 ट्रिलियन डॉलर और भारत में 155 बिलियन डॉलर का होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 23 में भारत के कुल वस्तु निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स की हिस्सेदारी 5.32 थी। इससे पता चलता है कि ग्लोबल मार्केट में यह सेक्टर अच्छी होड़ कर रहा है और इंटरनैशनल डिमांड पूरी करने की क्षमता रखता है। ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड 3 ट्रिलियन डॉलर का होने का अनुमान है, लेकिन इसमें भारत की हिस्सेदारी 1 से भी कम है। वियतनाम भारत से 6 गुना निर्यात करता है। अभी भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में मुख्य तौर पर इलेक्ट्रॉनिक गुड्स की फाइनल असेंबलिंग होती है। भारत में डिजाइन और कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग अभी शुरुआती स्तर की है।

क्यों फायदे में हैं चीन और वियतनाम?

रिपोर्ट में कहा गया, 'टैरिफ और मैटीरियल कॉस्ट के चलते असेंबली के मामले में चीन के मुकाबले भारत को 5-6 का डिसएडवांटेज है। इनपुट कॉस्ट अधिक होने से कंपोनेंट्स के मामले में चीन के मुकाबले 4-5 का डिसएडवांटेज है। चीन को कंपोनेंट्स और असेंबली से जुड़े अपने अच्छे इकोसिस्टम का फायदा मिलता है।' 'लॉजिस्टिक्स कॉस्ट के मामले में 2-3 का डिसएडवांटेज भारत में है। वहीं, ऊंची फाइनैंस कॉस्ट के चलते असेंबली के मामले में 2.5 तक और कंपोनेंट्स के मामले में 4 तक का डिसएडवांटेज है। दूसरी ओर चीन, वियतनाम, मलेशिया और ताइवान जैसे भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों ने कई तरह की टैक्स छूट, टैरिफ कट और स्किलिंग और दूसरे इंसेंटिव्स के जरिए खुद को बड़ी ग्लोबल कंपनियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का आकर्षक ठिकाना बना लिया है।'

आयोग ने क्या सुझाव दिए?

रिपोर्ट में कहा गया कि इस सेक्टर को फाइनैंशल, रेगुलेटरी और इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर सपोर्ट की जरूरत है। कंपोनेंट्स और कैपिटल गुड्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के साथ रिसर्च एंड डिवेलपमेंट और डिजाइन के लिए इंसेंटिव्स देने होंगे। लोगों का स्किल लेवल बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर करने के साथ टैरिफ में बदलाव करने होंगे और टेक्नॉलजी ट्रांसफर की राह आसान बनानी होगी। रिपोर्ट में कहा गया कि स्मार्टफोन इंपोर्ट पर निर्भरता घट गई है और अब 99 मैन्युफैक्चरिंग देश में हो रही है। इसके साथ ही वियरेबल्स, डिवाइसेज और ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते हुए क्षेत्रों पर फोकस बढ़ाना होगा।

जिस बेटे को घर से निकाला, उसी ने लगा दिया पैसों का अंबार... कहानी यूट्यूब के मिस्टरबीस्ट की

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टरबीस्ट का नाम तो आपने सुना ही होगा। यह दुनिया में सबसे ज्यादा सब्सक्राइबर्स वाला यूट्यूब चैनल हैं। इसके सब्सक्राइबर्स की संख्या 30 करोड़ के पार पहुंच गई है। जून की शुरुआत में इसने भारतीय म्यूजिक लेबल टी-सीरीज को पछाड़कर दुनिया के सबसे बड़े यूट्यूब चैनल का खिताब हासिल किया था। मिस्टरबीस्ट के नाम से मशहूर शख्स का असली नाम जिम्मी डॉनल्डसन है। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें भविष्य में अमेरिका के राष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा है। डॉनल्डसन ने करीब एक दशक पहले 12 साल की उम्र में अपने यूट्यूब करियर की शुरुआत की थी। आज उनके हर वीडियो पर लाखों व्यूज आते हैं।

7 मई 1998 को जन्मे डॉनल्डसन का ताल्लुक अमेरिका में नॉर्थ कैरोलाइना के शहर ग्रीनविले से है। उन्होंने अपना पहला वीडियो 12 साल की उम्र में पोस्ट किया था। इसके बाद करीब पांच साल तक उन्होंने यूट्यूब पर कई वीडियो पोस्ट किए लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिरकार साल 2016 में उन्होंने



पढ़ाई-लिखाई छोड़कर अपना पूरा समय यूट्यूब के लिए समर्पित कर दिया। वह इस गुत्थी को सुलझाने की कोशिश में लग गए कि यूट्यूब पर वीडियो को कैसे वायरल होता है। उन्हें लगा कि वह यूट्यूब के अलगॉरिद्म को अनलॉक करने के काफी करीब हैं। इसके बाद उन्होंने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर इस कोड को क्रैक करने की कोशिश की। डॉनल्डसन याद करते हैं, मैं हर समय यूट्यूब के बारे में सोचता था, वीडियो और फिल्ममेकिंग के बारे में सोचता था। यही मेरी दिनचर्या थी। जब उन्होंने स्कूल छोड़ा तो उनकी मां बहुत निराश हुई। मां ने डॉनल्डसन को घर से निकाल दिया था। लेकिन डॉनल्डसन का यह फैसला सही साबित हुआ। अगले ही साल यानी 2017 में उन्होंने अपने कमरे में एक चेयर पर बैठकर 100,000 तक गिनती की। इसमें उन्हें 40 घंटे का समय लगा। उनका यह वीडियो वायरल वीडियो हो गया। जैसे-जैसे उनके सब्सक्राइबर्स की संख्या बढ़ने लगी उन्हें विज्ञापन भी मिलने लगे। इस कमाई को उन्होंने वीडियो बनाने पर खर्च किया और शानदार तथा बेहतर स्टंट किए। उनके कई वीडियो को 10 करोड़ तक व्यूज मिलते हैं। आज यूट्यूब में उनके सब्सक्राइबर्स की संख्या 30 करोड़ के पार पहुंच गई है। दूर-दूर तक कोई उनकी टक्कर में नहीं है। टिकटॉक और इंस्टाग्राम पर भी उनके करोड़ों फॉलोअर्स हैं। मेटा के सोशल ऐप पर भी वह 10 लाख फॉलोअर्स हासिल करने वाले पहले शख्स थे। उन्होंने मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग से पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर ली थी।

मिस्टर बीस्ट की नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 70 करोड़ डॉलर है। यूट्यूब से उनकी सालाना कमाई 2.6 करोड़ डॉलर से अधिक है। वह अपने यूट्यूब चैनल्स पर विज्ञापनों के जरिए कमाई करते हैं। वह अपने मुख्य यूट्यूब चैनल के लिए 10 लाख डॉलर स्पॉन्सरशिप फीस चार्ज करते हैं। साथ ही वह हरेक महीने मर्केंडाइज के जरिए करीब 25 लाख डॉलर कमाते हैं।

स्विगी-जोमैटो से खाना मंगवाना होगा और महंगा, फिर बढ़ सकती है प्लेटफॉर्म फीस!

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी स्विगी और जोमैटो से अक्सर खाना ऑर्डर करते हैं तो यह खबर आपके काम की है। स्विगी और जोमैटो पर लिस्टेड कई रेस्टोरेंट का मानना है कि ऑनलाइन फूड एग्रीगेटर्स की तरफ से बढ़ाई गई प्लेटफॉर्म फीस बढ़कर 10 से 15 रुपए तक पहुंच जाएगी। इसी हफ्ते की शुरुआत में स्विगी और जोमैटो की तरफ से प्लेटफॉर्म फीस में 20 प्रतिशत का इजाफा करके 5 से 6 रुपए कयिा गया है। इसके चलते बढ़ी ऑपरेशनल कॉस्ट के बीच फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स अपने मार्जिन को बढ़ा सकेंगे।

एक रपिोर्ट में कई रेस्टोरेंट के हवाले से बताया गया कि निकट भविष्य में प्लेटफॉर्म शुल्क बढ़कर 10-15 रुपए हो जाएगा। रेस्टोरेंट्स ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स द्वारा लिए जाने वाले ज्यादा कमीशन में कमी की भी मांग की है। एक रेस्टोरेंट के अनुसार प्लेटफॉर्म फीस नश्चिति



रूप से आगे बढ़ने वाला है। प्लेटफॉर्म फीस यहां पर खरीदारी करने की लागत की तरह है।

यूजर्स पर पढ़ेगा सीधा असर

प्लेटफॉर्म फीस इन प्लेटफॉर्म पर खरीदारी की लागत के समान है और यह एक ऐसा तरीका है जिससे कंपनियां सीधे यूजर्स से पैसे कमाती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब भी कोई व्यक्ति जोमैटो या स्विगी से खाना ऑर्डर करता है, तो ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस लगाई जाती है।

बाकी डिलीवरी कंपनियों द्वारा लगाए जाने वाले ज्यादा कमीशन के कारण, रेस्तरां अक्सर फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर अपने मेनू में सेम खाने वाली चीजों के लिए बढ़ी हुई कीमतें रखते हैं, जिसके कारण इन ऐप्स पर खाना रेस्तरां में जाने की तुलना में अधिक महंगा होता है।

संक्षिप्त समाचार

उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की पुन : अध्यक्ष निर्वाचित



ब्रुसेल्स , एजेंसी। यूरोपीय संसद के सांसदों ने बृहस्पतिवार को उर्सुला वॉन डेर लेयेन को दूसरी बार पांच साल के लिए यूरोपीय संघ के कार्यकारी आयोग की अध्यक्ष के रूप में चुना। उर्सुला के फिर से चुने जाने से 27 देशों के इस समूह के नेतृत्व की निरंतरता सुनिश्चित हो गई है क्योंकि यूरोप यूक्रेन युद्ध से लेकर जलवायु परिवर्तन तक विभिन्न संकटों से जूझ रहा है। पिछले महीने 720 सदस्यीय यूरोपीय संसद के चुनाव में धुर दक्षिणपंथियों की संख्या बढ़ने से यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष पद का चुनाव दिलचस्प हो गया था। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने उन्हें पद पर बनाए रखने के संबंध में यूरोपीय संसद में होने वाले मतदान से पहले संकट और ध्रुवीकरण के समय यूरोप के लिए एक मजबूत नेता बने रहने का संकल्प लिया था। पिछले पांच साल में वॉन डेर लेयेन ने कई संकटों से निपटने में यूरोपीय संघ का नेतृत्व किया है, जिनमें ब्रिटेन का यूरोपीय संघ से बाहर निकलना, कोविड-19 महामारी और रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला शामिल हैं।

अर्जेंटीना सीमा के पास उत्तरी चिली में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

सैंटियागो, एजेंसी। अर्जेंटीना की सीमा के पास उत्तरी चिली में बृहस्पतिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी। इस भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप चिली के समयानुसार रात नौ बजकर 51 मिनट पर 117 किलोमीटर गहराई में आया। इसका केंद्र चिली के सैन पेड्रो डी अटाकामा से 45 किलोमीटर (28 मील) दक्षिण-पूर्व में था। चिली प्रशांत महासागर में तथाकथित 'रिंग ऑफ फायर में स्थित है और यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इस क्षेत्र में टेक्टोनिक प्लेट एक-दूसरे को धक्का देती हैं, जिससे अचानक ऊर्जा निकलती है और इसी के परिणामस्वरूप भूकंप आते हैं। 'रिंग ऑफ फायर में दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी भी हैं। चिली में 2010 में आये 8.8 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद आई सुनामी ने 526 लोगों की जान ले ली थी।

फ्रांस में एक बार फिर येल ब्राउन को स्पीकर चुना गया

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की विभाजित नेशनल असेंबली ने गुरुवार को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की पार्टी के सदस्य को स्पीकर के रूप में चुना है। चुनाव में किसी भी पार्टी के स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था जिसके कारण यह फैसला लिया गया है। 53 वर्षीय स्पीकर येल ब्राउन-पिवेट 2022 से नेशनल असेंबली की स्पीकर हैं और उन्होंने संसद के निचले सदन में तीन दौर के वोटों के बाद गुरुवार को अपना पद बरकरार रखा।

पेरिस में एक पुलिस अधिकारी पर चाकू से हमला

पेरिस, एजेंसी। पेरिस में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के शुरू होने से कुछ दिन पहले ही एक पुलिस अधिकारी पर चाकू से हमला किया गया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि हमलावर को तुरंत ही पकड़ लिया गया। फ्रांस के गृहमंत्री गेराल्ड डर्मेनिन ने एक्स पर पोस्ट करके घटना की जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट करके लिखा, 'हलमा पेरिस के 8वें अर्रोनडिसेमेंट में हुआ, जब पुलिस एक स्टोर की सुरक्षा करने वाले अधिकारियों के कॉल का जवाब दे रही थी।

जासूसी मामले में अमेरिका के पत्रकार रूसी अदालत मे पेश

मास्को, एजेंसी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के संवाददाता इवान गेर्शकोविच अपने खिलाफ दर्ज जासूसी केस में सुनवाई के लिए रूसी अदालत में पेश हुए। रूसी महाभियोजक कार्यालय ने गेर्शकोविच पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के इशारे पर उरलवागोंजावोद संयंत्र के बारे में खुफिया जानकारी जुटाने का आरोप लगाया है।

कमला हैरिस अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित, वेंस के खिलाफ टिप्पणी पर तुलसी गबार्ड ने साधा निशाना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कांग्रेस की पूर्व सदस्य तुलसी गबार्ड ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर निशाना साधा। गबार्ड ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथी जेडी वेंस के खिलाफ टिप्पणी को लेकर उपराष्ट्रपति की आलोचना की। गबार्ड ने कहा कि हैरिस अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित हैं, उन्हें उपराष्ट्रपति के पद पर नहीं रहना चाहिए। बता दें कि ट्रंप ने जेडी वेंस को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना प्रत्याशी चुना है, जिसके बाद कमला हैरिस ने वेंस पर टिप्पणी की। कमला ने अमेरिकियों को चेतावनी दी थी कि वेंस केवल ट्रंप के प्रति वफादार रहेंगे, अमेरिका के प्रति नहीं। गबार्ड ने हैरिस को अतीत की याद दिलाई और कहा कि जेडी वेंस ने 9/11 के हमलों के बाद खुद को मरीन कॉर्प्स में भर्ती कराया। 2005 में उन्हें इराक में तैनात किया गया। उन्होंने पूछा, क्या कमला हैरिस किसी भी समय हमारे देश की सेवा में अपनी जान की बाजी लगाने को तैयार थीं। हवाई की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष का यह बयान कमला हैरिस के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने बुधवार को कहा था कि जेडी वेंस डोनाल्ड ट्रंप और उनके चरम एजेंडे के लिए रबर स्टैंप के रूप में काम करेंगे। बुधवार को जारी एक वीडियो में, हैरिस ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए साथी जेडी वेंस को चुना है। ट्रंप किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थे।

बांग्लादेश हिंसा में अब तक 32 की मौत, प्रदर्शनकारियों ने सरकारी टीवी मुख्यालय को लगाई आग



ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ जारी हिंसा जारी है और अब तक इस हिंसा में 32 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ढाका स्थित सरकारी टीवी मुख्यालय को आग लगा दी और मुख्यालय में खड़ी कई गाड़ियों को भी तबाह कर दिया। दरअसल एक दिन पहले यानी बुधवार को ही बांग्लादेश के सरकारी टीवी बीटीवी ने प्रधानमंत्री शेख हसीना का इंटरव्यू लिया था। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी आरक्षण को खत्म करने की मांग पर अड़े हैं। शेख हसीना सरकार ने हिंसा को देखते हुए देश के सभी स्कूलों और विश्वविद्यालयों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश दिया है। साथ ही हालात को काबू करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का निर्देश दिया है।

क्या है बांग्लादेश हिंसा की वजह : बांग्लादेश को साल 1971 में आजादी मिली थी। आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में आरक्षण व्यवस्था लागू है। इसके तहत स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को 30 प्रतिशत, देश के पिछड़े जिलों के युवाओं को 10 प्रतिशत, महिलाओं को 10 प्रतिशत, अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। इस तरह बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 56 प्रतिशत आरक्षण था। साल 2018 में बांग्लादेश के युवाओं ने इस आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई महीने तक चले प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश सरकार ने आरक्षण खत्म करने का एलान किया।

बीते महीने 5 जून को बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने देश में फिर से आरक्षण की पुरानी व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों से शुरू हुआ ये विरोध प्रदर्शन अब बढ़ते-बढ़ते हिंसा में तब्दील हो गया है।

शेख हसीना के इंटरव्यू के प्रसारण के बाद भड़की हिंसा : बुधवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सरकारी टीवी बीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में लोगों से कानून व्यवस्था का पालन करने की अपील की और साथ ही प्रदर्शनकारियों की मौतों पर भी दुख जताया। प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनकारियों की मौतों की न्यायिक जांच कराने की बात कही, लेकिन इसके बावजूद बांग्लादेश में हिंसा जारी है और गुरुवार को हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए रबर की गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे, लेकिन इसने प्रदर्शनकारियों के गुस्से को और भड़का दिया। गुरुवार की ही हिंसा में 25 के करीब प्रदर्शनकारियों के मारे जाने की खबर है। मरने वालों में अधिकतर पुलिस की गोली का शिकार हुए हैं।

हिंसा ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका समेत देश के कई शहरों को चपेट में ले लिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आरक्षण के चलते सिविल सेवाओं में उन लोगों के बच्चों का ज्यादा चयन होता है, जिन्होंने बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया था। ये वर्ग आमतौर पर शेख हसीना सरकार का समर्थक माना जाता है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इसी वजह से नौकरशाही में उन लोगों की अधिकता है, जो शेख हसीना सरकार के समर्थक हैं और इस तरह देश के अधिकतर संस्थानों पर सरकार समर्थक लोगों का कब्जा है।

डोनाल्ड ट्रंप को मजबूत देख डरे जेलेंस्की, बोले- जीत गए तो उनके साथ मुश्किल होगी



कीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अब कुछ ही हफ्तों का समय है। एक तरफ जहां मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन पर राष्ट्रपति पद के रेस से बाहर होने का दबाव बढ़ रहा है, वही दूसरी तरफ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्थिति भी मजबूत होती जा रही है। इस सब के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ट्रंप के जीत की संभावनाओं को बढ़ता देख कर घबरा गए हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि ट्रंप अगर अमेरिका के राष्ट्रपति बनते हैं। तो उनके साथ काम करना बहुत मुश्किल होने वाला है। गुरुवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत यूक्रेन के लिए ठीक नहीं है। हालांकि जेलेंस्की ने कहा है कि वह और यूक्रेन के लोग इसके लिए तैयार हैं। ट्रंप ने अपने साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सीनेटर जे.डी. वेंस को चुनकर यह बात साफ कर दी है कि अगर वे चुनाव जीतते हैं तो रूस के साथ 28 महीने से चल रहे जंग में उलझे यूक्रेन पर अमेरिका का रुख बदल भी सकता है। गौरतलब है कि वेंस ने एक साक्षात्कार मे कहा था, मुझे सच में कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन के साथ क्या होता है। लंदन में यूरोपीय पॉलिटिकल मीटिंग में भाग ले रहे जेलेंस्की ने बीबीसी से बात करते हुए इस बारे में भी बात की। जेलेंस्की ने कहा, शायद उन्हें सच में परवाह नहीं है, लेकिन हमें अमेरिका के साथ काम करना है। जेलेंस्की ने इस दौरान यह भी कहा कि ट्रम्प के चुने जाने के बाद काफी मुश्किल हो सकती है और हमें ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, लेकिन यूक्रेन के लोग मेहनती हैं। जो बाइडेन की सरकार ने जंग के दौरान यूक्रेन को लगातार हथियार भेजे हैं। हालांकि अमेरिकी कांग्रेस के अंदर विवादों की वजह से पिछले कुछ महीनों इसमें कमियां भी आई है। वहीं ट्रम्प ने अपने चुनावी अभियान के दौरान कहा है कि एक बार राष्ट्रपति के तौर पर चुने जाने के बाद वह बातचीत कर के इस जंग को खत्म करवा देंगे। उन्होंने कहा कि फरवरी 2022 अगर वह इस पद पर होते तो कोई जंग शुरू ही नहीं होता।

तेल अवीव की सड़कों को ड्रोन से बनाया गया निशाना; विस्फोट में एक की मौत और 10 घायल, सेना ने बढ़ाई गश्त

तेल अवीव , एजेंसी। तेल अवीव में शुक्रवार सुबह-सुबह एक बड़ा विस्फोट हुआ। विस्फोट से कम से कम 10 लोग घायल हो गए। साथ ही एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इस्राइली सेना विस्फोट की समीक्षा कर रही है। साथ ही निगरानी बढ़ा दी गई है। इस्राइल को अब ड्रोन से निशाना बनाया जाने लगा है। इस्राइल में मध्य तेल अवीव की सड़कों पर सुबह-सुबह एक विस्फोट ने अफरा-तफरी मचा दी। दरअसल पिछले नौ महीनों से हमास और इस्राइल के बीच युद्ध चल रहा है। इस दौरान हूतियों ने हमास के साथ सहानुभूति दिखाते हुए बार-बार ड्रोन ओर मिसाइल इस्राइल पर दागी हैं। लेकिन फिर सभी को या तो इस्राइल या क्षेत्र में तैनात पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रोक दिया गया था। बता दें कि दोनों ने अब तक हूतियों पर कोई हमला नहीं किया है, बल्कि इसके सहयोगियों को आगे बढ़ने का मौका दिया। क्योंकि वह गाजा में युद्ध और लेबनान के हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के साथ चल रही लड़ाई पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। शुक्रवार सुबह हुए विस्फोट से दस लोग बुरी तरह घायल हो गए, वहीं एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों का इलाज जारी है, हमले में एक 50 वर्षीय व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। इस विस्फोट के बाद से ही इस्राइली सेना अलर्ट मोड पर है। वे विस्फोट की समीक्षा कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार मामले में चीन ने अपने शीर्ष मंत्रियों को दिखाया बाहर का रास्ता

बीजिंग, एजेंसी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार को अपने सबसे बड़े शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय की बैठक के दौरान अपने पूर्व विदेश और रक्षा मंत्रियों, किन गैंग और ली शांगफू को अपनी केंद्रीय समिति से हटा दिया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि पिछले साल दोनों अधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया गया था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार को अपनी लंबे समय से विलंबित तीसरी पूर्ण बैठक समाप्त कर दी।205 सदस्यीय केंद्रीय समिति की बैठक लगभग हर पांच साल में एक बार आयोजित की जाती है ताकि देश की दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक नीतियों की सामान्य दिशा तय की जा सके। ऐसी बैठकों में केंद्रीय समिति के सदस्यों को हटाने की भी मंजूरी दी जाएगी। जानकारी के अनुसार पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग और पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को सीसीपी में प्रमुख पदों से हटाया गया है।

ली शांगफू पर भारी रिश्वत लेने और राजनीतिक जिम्मेदारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया था, जिससे पार्टी और राष्ट्रीय रक्षा को काफी नुकसान पहुंचा।किन गैंग, जिन्हें केवल सात महीने बाद ही बदल दिया गया था, सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आ रहे हैं, जिससे आंतरिक सत्ता संघर्ष के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं।यह कदम राष्ट्रपति शी जिनपिंग के व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को हटाया गया है। कम्युनिस्ट पार्टी ने बृहस्पतिवार को अपनी केंद्रीय समिति से बर्खास्त विदेश मंत्री किन गांग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया तथा पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और दो अन्य शीर्ष जनरलों को पार्टी से निष्कासित करने के निर्णय का समर्थन किया। यह निर्णय बृहस्पतिवार को यहां संपन्न हुई पार्टी की केंद्रीय समिति की शीर्ष स्तरीय बैठक के दौरान लिया गया।



चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के तीसरे पूर्ण अधिवेशन नामक चार दिवसीय सत्र के अंत में जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अर्थव्यवस्था में सुधार के उपायों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई बैठक में कॉमरेड किन गांग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। किन (58) चीन के सबसे कम समय तक विदेश मंत्री रहने के बाद 2023 में अचानक सार्वजनिक तौर पर दिखना बंद हो गये थे, जिसके बाद सरकार में उनके शेष पद भी छीन लिए गए। उन्हें पद से हटाए जाने के कारणों के बारे में अब भी कोई जानकारी नहीं है। उनके पते-ठिकाने की भी जानकारी नहीं है। उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हुए हालांकि केंद्रीय समिति ने अब भी किन को कॉमरेड (साथी) कहा है। इसके बाद किन का स्थान उनके पूर्ववर्ती वांग यी ने ले लिया जो पार्टी के उच्चस्तरीय पोलित ब्यूरो के सदस्य भी हैं। तीसरे पूर्ण अधिवेशन में जनरल ली शांगफू और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दो अन्य वरिष्ठ जनरलों ली यूचाओ और सन जिनमिंग को पार्टी से निष्कासित करने के पोलित ब्यूरो के पहले के फैसले की भी पुष्टि की गई। रक्षा मंत्री बनने से पहले देश के रॉकेट (मिसाइल) बल का नेतृत्व करने वाले ली शांगफू पर कथित भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा था। ली यूचाओ, जो रॉकेट फोर्स का भी हिस्सा थे, को ली शानफू के साथ बर्खास्त कर दिया गया। बैठक में पीएलए के एक अन्य शीर्ष अधिकारी जनरल सुन जिनमिंग को भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के लिए पार्टी से निकाले जाने के निर्णय का भी समर्थन किया गया। आधिकारिक मीडिया खबरों में कहा गया है कि उनके निष्कासन ने सेना से भ्रष्ट तत्वों को हटाने के लिए राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा चलाए जा रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की तीव्रता को रेखांकित किया है। शी (71) सीपीसी के महासचिव भी हैं। शी के 2012 में सत्ता में आने के बाद से अब तक विभिन्न रैंकों के 50 से अधिक सैन्य अधिकारियों को हटाया या दंडित किया जा चुका है।

हमले के 5 दिन बाद ट्रम्प बोले-मुझे भगवान ने बचाया



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 13 जुलाई को हुए जानलेवा हमले के बाद आज यानी शुक्रवार को पहली बार भाषण दिया। ट्रम्प ने विस्कॉन्सिन राज्य में हो रहे पार्टी कन्वेंशन में अपने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए नॉमिनेशन स्वीकार कर लिया। ट्रम्प के भाषण के दौरान उनकी पत्नी मेलेनिया समेत पूरा परिवार मौजूद रहा। पूर्व राष्ट्रपति का पार्टी कन्वेंशन में यह सबसे बड़ा भाषण था। ट्रम्प ने 92 मिनट तक स्पीच दी। इस दौरान वे अवैध प्रवासियों पर हमलावर रहे। ट्रम्प ने उनकी तुलना एलियन्स से की। ट्रम्प ने कहा, अमेरिका में नौकरियां किसे मिल रही हैं, अमेरिका की 107प्रतिशत नौकरियां गैर कानूनी एलियन्स हड़प रहे हैं। ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों की तुलना फिल्मी दुनिया के मॉन्सटर्स से करते हुए कहा कि वे आपको खा जाएंगे।

बता दें कि जिस वक्त ट्रम्प पर हमला हुआ था वे तब भी गैरकानूनी प्रवासियों के खिलाफ बोल रहे थे। ट्रम्प ने अपने भाषण में हमले का एक्सपीरियंस अपने समर्थकों के साथ शेयर किया। ट्रम्प ने कहा, मैं दोबारा कभी उस बारे में बात नहीं कर पाऊंगा। मैं आज आप लोगों के बीच हूं क्योंकि उस दिन भगवान मेरे साथ थे। ट्रम्प ने कहा, मेरा हाथ खून से सन गया था। लेकिन गोलीबारी के बीच भी मैं शांत रहा। मेरे समर्थक वहां से भागे नहीं। वे मेरे साथ खड़े रहे। सीक्रेट सर्विस की टीम ने भी बेहतरीन काम किया। ट्रम्प ने अपने भाषण में सिर्फ एक बार बाइडेन का नाम लिया। फिर कहा मैं उनका जिक्र फिर नहीं करूंगा।

ट्रम्प समर्थक रेसलर हल्क ने अपनी टीशर्ट फाड़ दी : डब्ल्यूडब्ल्यूई के हॉल ऑफ फेम में शामिल रेसलर हल्क होगन ने रिपब्लिक कन्वेंशन में भाषण देते हुए कहा, ट्रम्प सबसे बड़े देशभक्त हैं। जब वे व्हाइट हाउस में लौटेंगे तब अमेरिका फिर से जीतने लगेगा। भाषण के बीच हल्क ने अपनी शर्ट फाड़ दी। होगन ने शर्ट के अंदर लाल रंग एक कट-ऑफ टैंक पहनी हुई थी, जिस पर डोनाल्ड ट्रम्प और उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस का नाम लिखा था।

अमेरिका का कर्ज घटाएंगे : ट्रम्प ने कहा, हम अपना कर्ज कम करेंगे और जनता पर टैक्स के बोझ को भी घटाएंगे। अमेरिका में मौजूदा प्रशासन में जरूरत के सामानों के दाम 57प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। वहीं पेट्रोल की कीमत में 60-70प्रतिशत का इजाफा हुआ है। मेरे कार्यकाल में देश में महंगाई नहीं थी। मैं राष्ट्रपति बना तो देश में एनर्जी कॉस्ट कम कर दूंगा। इससे ट्रांसपोर्ट, मैन्यूफैक्चरिंग और घरेलू सामान की कीमतें कम होंगी।

मैनें 2 महीने में आईएसआईएस को हरा दिया : ट्रम्प विदेश नीति को लेकर जमकर बाइडेन प्रशासन पर हमलावर रहे। उन्होंने कहा, हम 85 बिलियन के हथियार अफगानिस्तान में छोड़कर आए हैं। दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की तरफ बढ़ रही है। ट्रम्प ने दावा किया कि सीरिया में आईएसआईएस को हराने के लिए 5 साल लगते उन्होंने सिर्फ 2 महीने में हरा दिया।

राष्ट्रपति जो बाइडन को कोविड-19 के कारण सांस से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है : व्हाइट हाउस



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन तीसरी बार कोविड पॉजिटिव पाए गए। बाइडन के स्वास्थ्य को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि उन्हें कोविड-19 के कारण सांस से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए उन्हें लगातार पैक्स्लोविड दिया जा रहा है। राष्ट्रपति बाइडन के चिकित्सक डॉ. केविन ओकोनोर ने बताया कि उन्हें (बाइडन) को बुखार नहीं है और कोविड-19 के लक्षण सामान्य है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान पर डॉ. केविन ने कहा, कोविड-19 के कारण राष्ट्रपति को सांस से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें लगातार पैक्स्लोविड दिया जा रहा है। उन्हें बुखार नहीं है। वह अपना काम करते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति की अनुमति के अनुसार, मैं आपको उनके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी साझा करता रहूंगा। जैसा कि हमने पहले भी किया है।

लास वेगस में कार्यक्रम में शामिल होने के बाद हुए कोविड-19 पॉजिटिव : बता दें कि 81 वर्षीय बाइडन लास वेगास में एनएएसीपी नेशनल कंवेंशन में शामिल होने के बाद बुधवार को कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। लास वेगास में हुए इस सम्मेलन में उन्होंने ट्रंप की नीतियों की जमकर आलोचना की थी। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका में गोलीबारी की बढ़ती घटनाओं की भी निंदा की। व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, वह (बाइडन) डेलावेयर लौट आएंगे। यहां वे खुद को सेल्फ आइसोलेट करेंगे और यहीं से अपना काम जारी रखेंगे। राष्ट्रपति बाइडन वैक्सीन और बुस्टर शॉट ले चुके हैं। लास वेगास से लौटते समय उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि वह ठीक है और एयरफोर्स के विमान में चढ़ने के दौरान उन्हें बिना मास्क के देखा गया था। तीन बार हो चुके हैं कोविड पॉजिटिव कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद राष्ट्रपति बाइडन ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा दोपहर को मैं कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। मैं ठीक महसूस कर रहा हूं। शुभकामनाओं के लिए सभी का धन्यवाद। जुलाई 2022 में जो बाइडन पहली बार कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे।

65प्रतिशत डेमोक्रेटिक वोटर भी उनकी उम्मीदवारी के खिलाफ; ट्रम्प के सामने कमला हैरिस संभव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने सहयोगियों से कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन की जीत मुश्किल है। द वॉशिंगटन पोस्ट ने गुरुवार (17 जुलाई) को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि ओबामा चाहते हैं कि बाइडेन राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी छोड़ दें।

28 जून को प्रेसिडेंशियल डिबेट में डोनाल्ड ट्रम्प से बाइडेन की हार के बाद ओबामा ने सिर्फ एक बार उनसे बात की है। ओबामा ने दूसरों के साथ अपनी बातचीत में कहा है कि पार्टी से अगला राष्ट्रपति बनाने के लिए बाइडेन की उम्मीदवारी का फैसला अहम है।

ट्रम्प से डिबेट में हार के बाद बाइडेन को प्रेसिडेंशियल रेस बाहर करने की मांग पार्टी के भीतर बढ़ती जा रही है। अब इस लिस्ट में सबसे ताकतवर डेमोक्रेट ओबामा का नाम भी जुड़ गया है, जबकि वे बाइडेन के सबसे बड़े पैरोकार रहे हैं। प्रतिनिधिसभा की स्पीकर रहीं नैंसी पेलोसी ने भी कहा, बाइडेन अब चुनाव के मैदान से हट जाएं।

एपी, एनओआरसी सर्वे के मुताबिक, 65प्रतिशत डेमोक्रेटिक वोटर भी बाइडेन के खिलाफ हैं। सिर्फ 35प्रतिशत डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि बाइडेन चुनाव लड़ें। 67प्रतिशत श्वेत वोटर चाहते है कि बाइडेन अपनी उम्मीदवारी वापस लें। अमेरिका की कुल 33 करोड़ आबादी में से 60प्रतिशत श्वेत वोटर हैं।

इस हफ्ते के अंत तक बाइडेन के मैदान से हटने के आसार : हाई वोल्टेज ड्रामे में तब्दील हुआ अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव बाइडेन के लिए सियासी कॅरियर के अंत का काउंट डाउन साबित हो रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन की खराब सेहत, अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी में ढीली होती पकड़ और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने उखड़ते पांव... कुल मिलाकर बाइडेन अब मैदान से हटते नजर आ रहे हैं। पार्टी के नेताओं और सहयोगियों की तरफ से बढ़ते दबाव के कारण राष्ट्रपति बाइडेन इस सप्ताह के अंत तक अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सियोस ने डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सीनियर नेताओं के हवाले से ये जानकारी दी। गुरुवार (18 जुलाई) को 82 साल के बाइडेन के कोरोना पॉजिटिव होने की भी खबर सामने आई। व्हाइट हाउस ने बताया कि वे आइसोलेशन में रहकर काम करेंगे। बाइडेन ने कोरोना पॉजिटिव होने से एक दिन पहले कहा था कि अगर डॉक्टर उन्हें अनफिट घोषित करते हैं तो वे राष्ट्रपति चुनाव की रेस से बाहर हो जाएंगे।



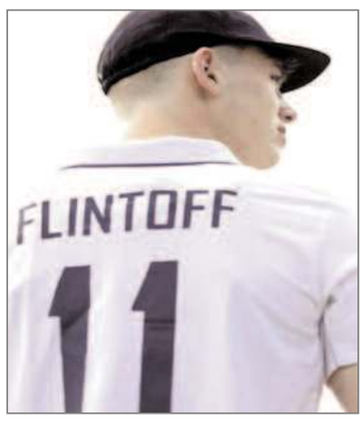
ट्रम्प के सामने कमला हैरिस संभव, भारतवंशी-महिला होने का फायदा बाइडेन की जगह राष्ट्रपति पद के लिए उपराष्ट्रपति कमला देवी हैरिस (59) ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की फ्रंट रनर बनकर उभरी हैं। राजनीतिक विश्लेषक टोनी एडम के अनुसार अब डेमोक्रेट्स के पास कमला का कोई विकल्प नहीं है। कमला के पक्ष में सबसे बड़ा फैक्टर उनका भारतवंशी, अश्वेत और महिला होना है। ये सब डेमोक्रेटिक पार्टी का सबसे बड़ा वोटबैंक है। चार साल तक उपराष्ट्रपति रहने के कारण कमला को खास प्रशासनिक अनुभव हो गया है। कमला पूर्व में ए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अटॉर्नी रह चुकी हैं। कमला ने अपना कार्यकाल लो प्रोफाइल रहकर गुजारा है। इससे डेमोक्रेटिक पार्टी में उनके विरोधी कम और समर्थक ज्यादा हैं।

इंग्लैंड वर्सेस श्रीलंका अंडर-19

एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे ने रचा इतिहास

रॉकी ने यूथ टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ जड़ा शतक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। चेल्टेनहैम में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे यूथ मेन्स टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड की जीत की लय बरकरार रखी। अपने पिता और इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू की मौजूदगी में इंग्लैंड अंडर-19 के लिए 16 वर्षीय रॉकी फ्लिंटॉफ शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। रॉकी फ्लिंटॉफ ने 106 रन की शानदार पारी



खेलकर यंग लायंस को 477 रन बनाने और पहली पारी में 324 रन की बढ़त दिलाने में मदद की। पिछले महीने ही लंकाशायर के साथ अपना पहला पेशेवर अनुबंध करने वाले जूनियर फ्लिंटॉफ ने 181 गेंदों का सामना किया और नौ चौके और दो छक्के लगाए और जैक कार्नी के साथ छठे विकेट के लिए 78 रन जोड़े। श्रीलंका ने पहली पारी के 153 रन बनाए।

पेरिस ओलंपिक: 2024

सुशील कुमार के फोन कॉल के बाद अमन सहरावत ने सुधारी यह गलती

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलवान अमन सहरावत के लिए बहुत कुछ नहीं बदला है, लेकिन साथ ही सब कुछ बदल गया है। पेरिस ओलंपिक में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान सहरावत अब भी छत्रसाल स्टेडियम की सीटिंग गैलरी के नीचे एक छोटे से कमरे में दो अन्य पहलवानों के साथ रहते हैं। 20 साल के अमन सहरावत उस दीवार की ओर इशारा करते हैं, जिस पर उन्होंने मई में इस्तांबुल में विश्व ओलंपिक क्वालिफायर में ओलंपिक कोटा-स्थान विजेताओं को दिए जाने वाले बड़े आकार के 'योग्य एथलीट' प्रमाण पत्र को चिपकाया है।



अमन सहरावत ने ली रवि दहिया की जगह 57 किलोग्राम के पहलवान सहरावत ने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया की जगह ली है। वह मॉडल टाउन में स्थित पहलवानों की नर्सरी के लिए मशाल वाहक के रूप में उभरे हैं। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच ललित कुमार कहते हैं कि जब से उन्होंने ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है, 20 वर्षीय सहरावत पहले से ज्यादा मुस्कुरा रहे हैं। अप्रैल में किर्गिस्तान के बिश्केक से लौटने पर अमन सहरावत उदास थे। उस समय, पुरुष दल के बाकी सदस्यों की तरह, वह भी एशियाई क्वालिफायर में ओलंपिक कोटा हासिल करने से चूक गए थे।

हर्षित राणा की टीम इंडिया में एंट्री, बोले-

गौती भाई ने मेरी मानसिकता बदल दी



नई दिल्ली, एजेंसी। हर्षित राणा को जब पहली बार भारतीय वनडे टीम में शामिल करने की खबर पता चली जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज मौजूद हैं तो उनके मुंह से यही शब्द निकले, 'दिल्ली में दिल टूट सकता है, पर हमने कभी हौसला नहीं हारा। दिल्ली के 'साउथ एक्सटेंशन के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज हर्षित ने जूनियर स्तर से ही कड़ी मेहनत की लेकिन अकसर नजरअंदाज कर दिए जाते। पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के इस आईपीएल सत्र में विजयी अभियान में 19 विकेट लेने से वह राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे। हर्षित ने कहा कि मैं कड़ी मेहनत करने में विश्वास करता हूं लेकिन जब भी आयु ग्रुप की टीम में मेरी अनदेखी होती तो मेरा दिल टूट जाता और मैं अपने कमरे में बैठकर रोता था। मेरे पिता प्रदीप ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि अगर मुझे अभी तक की मेहनत के लिए तीन लोगों का नाम लेना हो तो इसमें मेरे पिता, मेरे निजी कोच अमित भंडारी सर (पूर्व भारतीय और दिल्ली के तेज गेंदबाज) और गौती भैया (गौतम गंभीर) शामिल हैं। हर्षित ने कहा कि अगर खेल के प्रति मेरा नजरिया बदला है तो इसका लेना देना बहुत कुछ केकेआर ड्रेसिंग रूम में गौती भैया की मौजूदगी से है जिन्होंने मेरी मानसिकता को बदल दिया। शीर्ष स्तर पर आपको कौशल चाहिए होता है लेकिन हुनर से ज्यादा आपको दबाव से निपटने के लिए दिल की आवश्यकता होती है। उन्होंने नए भारतीय मुख्य कोच के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए कहा कि गौती भैया हमेशा मुझसे कहते 'मेरे को तेरे पे ट्रस्ट है। तू मैच जीत के आएगा।

कोच गौतम गंभीर की जिद हुई पूरी...

विराट कोहली-रोहित शर्मा को श्रीलंका दौरे के लिए टीम में वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने और फिर जिम्बाब्वे को उसी के घर में हराने के बाद अब भारतीय टीम श्रीलंका दौरे के लिए तैयार है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार (18 जुलाई) को ही श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है. इस दौरे पर भारतीय टीम को 3 मैचों की वनडे और 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है. भारतीय टीम के नए हेड कोच गौतम गंभीर का अपनी जिम्मेदारी संभालने के बाद यह पहला दौरा रहेगा. उन्होंने अपनी शर्तों पर यह कोचिंग का पद संभाला है. ऐसे में गंभीर ने इस श्रीलंका दौरे से ही अपने तीखे तेवर स्पष्ट कर दिए हैं. दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2024 जिताने के बाद कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ब्रेक ल?िया था. . उन्होंने श्रीलंका दौरे से भी ब्रेक के लिए कहा था, लेकिन गंभीर चाहते थे कि जो भी खिलाडी हैं वह तीनों ही फॉर्मेट में खेलें.



गंभीर की जिद पर लौटे कोहली-रोहित





गंभीर ने साफ कह दिया था कि उन्हें श्रीलंका दौरे पर सभी सीनियर प्लेयर मौजूद चाहिए खासकर कोहली और रोहित. गंभीर ने इन दोनों से भी श्रीलंका सीरीज में खेलने का आग्रह किया था. ऐसे में भारतीय टीम के ऐलान के साथ ही गंभीर की जिद भी पूरी हो गई. यानी रोहित और कोहली को वनडे सीरीज में लौटना ही पड़ा. बता दें कि यह दोनों टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं.

हालांकि बुमराह किसी कारण से अब भी ब्रेक पर हैं. दूसरी ओर टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को वनडे सीरीज के लिए भी नहीं चुना गया है. बतौर स्पिन ऑलराउंडर उनके विकल्प के तौर पर वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल को जगह दी गई है.

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय स्क्वॉड

- **भारत की टी20 टीम:** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज.
- **भारत की वनडे टीम:** रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद और हर्षित राणा.

पेरिस ओलंपिक: 2024

ओलंपिक में खेलेगी इस्राइली फुटबॉल टीम

फीफा ने संभावित प्रतिबंध पर फैसला टाला



ज्यूरिख, एजेंसी। दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को बैठक में शनिवार को इस पर फैसला लेना था। फीफा ने इस्राइल को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से प्रतिबंधित करने के फलस्तीन के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया है जिससे इस्राइली फुटबॉल टीम पेरिस ओलंपिक में खेल सकेगी। ओलंपिक फुटबॉल पुरूष फाइनल नौ अगस्त को है। दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को बैठक में शनिवार को इस पर फैसला लेना था। यह फैसला ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धा शुरू होने से चार दिन पहले आता जिसमें इस्राइल को जापान, माली और परागवे के साथ एक ग्रुप में रखा गया है । फीफा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रक्रिया पूरी करने में अभी और समय लगेगा यानी फैसला अब ओलंपिक के बाद आयेगा। फीफा ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपना अपना पक्ष रखने के लिये समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है।

पेरिस ओलिम्पिक: 2024

खेलगांव में पहली बार बच्चों के लिए नर्सरी

दूध पिलाने के लिए अलग कमरे

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलिम्पिक कई मायनों में खास होने जा रहा है। यह ऐसा पहला ओलिम्पिक होगा जिसमें पूर्णतः लैंगिक-समानता देखने को मिलेगी। इसके अलावा कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी करना और स्टेडियम के बाहर उद्घाटन समारोह करके यह पहले ही चर्चा में है। अब इसमें एक और उपलब्धि जुड़ गई है। प्रबंधन ने पहली बार खेलगांव में मांओं के लिए नर्सरी की शुरूआत की है जिसमें एथलीट कठिन प्रतिस्पर्धा और प्रशिक्षण कार्यक्रम के बीच अपने बच्चों या शिशुओं के साथ आसानी से समय बिता सकेंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रीय ओलिम्पिक और खेल समिति ने खेलों के भीतर पेरेटिंग की जगह बने रहे, इसलिए स्तनपान कराने वाले एथलीटों के लिए होटल के कमरे उपलब्ध कराने का वादा किया है। इससे उन मांओं को सुविधा होगी जोकि बच्चों के कारण प्रैक्टिस या प्रतिस्पर्धा में संतुलन नहीं बिठा पाती थीं।

अमेरिकी ट्रैक और फील्ड एथलीट एलिसन फेलिक्स जोकि 2022 में खेल से संन्यास लेने से पहले 11 ओलिम्पिक पदक जीत चुकी हैं, ने इस आइडिया को आगे बढ़ाया है। अंतर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति के एथलीट आयोग में शामिल फेलिक्स ने कहा कि मुझे लगता है कि यह वास्तव में महिलाओं को बताता है कि आप मातृत्व चुन सकती हैं और अपने खेल में शीर्ष पर भी रह सकती हैं। ओलिम्पिक और पैरालिम्पिक विलेज में 4 से 8 एथलीट्स के रहने के लिए 2,800 अपार्टमैंट बनाए गए हैं। किसी को प्राइवेट रूम नहीं मिलेगा। एथलीट्स के कमरे हर दूसरे दिन साफ किए जाएंगे। ग्राऊंड फ्लोर पर लॉन्ड्री की सुविधा मिलेगी।



भोजन: 3200 सीटों का डाइनिंग हॉल बनाया

साइट डु सिनेमा में विशेष डाइनिंग हॉल बनाया गया है, जिसमें 3,200 सीटें लगी हैं। इसमें एथलीट एक साथ भोजन का आनंद ले सकते हैं। मेनू में एथलीटों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दुनिया भर के पौष्टिक खाने रखे गए हैं। एथलीट्स के परिवार इकट्ठे हो सकें। इसके लिए इले सेंट-डेनिस में 600 सीटों वाला रेस्तरां बनाया जाएगा। विलेज में फूड ट्रक से दर्शक जरूरत के अनुसार फूड ले सकेंगे।

फिटनेस सैंटर: 24 घंटे खुला रहेगा

हाले मैक्सवेल में 3,000 वर्ग मीटर का फिटनेस सेंटर 24 घंटे खुला रहेगा। इसमें एथलीट्स को अनुरोध पर कोच की सुविधा भी मिलेगी। कुल 8 फिटनेस सैंटर बनाए गए हैं इनमें से 7 सिटी डु सिनेमा के स्टूडियो के भीतर हैं ताकि एथलीट्स को ज्यादा यात्रा न करनी पड़ी।

ट्रांसपोर्ट: 30 मिनट की दूरी पर स्थल

एथलीट्स का ट्रैवलिंग में समय ज्यादा खराब न हो इसलिए जो गेम जहां खेली जानी है, उसके एथलीट्स को वहीं, पास ही ठहराया जाएगा। करीब 80 फीसदी एथलीट्स ऐसे होंगे जिन्हें अपने कमरे से प्रतियोगिता स्थल तक पहुंचने के लिए आधा घंटा ही लगेगा। इस काम को स्पैशल ट्रांसपोर्ट संभव बनाएगी।

द विलेज प्लाजा: सुपरमार्केट बनाई

पर्यटकों के लिए विशेष विलेज प्याजा डिजाइन किया गया है। जिसमें सैलून के अलावा सुपरमार्केट से कई सुविधाएं मिलेंगी। एक पारिवारिक क्षेत्र में माता-पिता अपने छोटे बच्चों के साथ समय बिता सकते हैं और साथ ही विभिन्न प्रकार के भोजन और पेय पदार्थों का आनंद लेने के लिए एक कैफे भी है। पर्यटक अगर फ्रांस में घूमने की इच्छा रखते हैं तो यहां एक सूचना केंद्र पर सारी जानकारी उपलब्ध है।

पंजाब एफसी ने आगामी सीज़न के लिए लुका माजसेन को किया फिर से साइन



मोहाली, एजेंसी। पंजाब एफसी ने आगामी 2024-25 सीज़न से पहले लुका माजसेन के साथ एक साल का करार फिर से किया है। लुका ने पिछले दो सीज़न पंजाब एफसी के साथ बिताए, इंडियन सुपर लीग के अपने पहले सीज़न में टीम की कप्तानी की, जब पंजाब एफ़सी आई-लीग से आईएसएल में पदोन्नत होने वाला पहले क्लब बना। लुका एक अनुभवी स्ट्राइकर हैं और उनके नेतृत्व में क्लब को पिछले दो सीज़न में प्रभाव डालने में मदद की है। लुका का 2023-24 सीज़न प्रभावशाली रहा, जिसमें उन्होंने आठ गोल किए और दो बार सहायता की। 2022-23 आई-लीग सीज़न में लुका ने 20 मैचों में 16 गोल किए, जिससे टीम को आईएसएल में पदोन्नति मिली और वह हीरो ऑफ़ द लीग और गोल्डन बूट पुरस्कार भी जीते। 35 वर्षीय स्लोवेनियाई खिलाड़ी पिछले चार सीज़न से भारतीय फुटबॉल में अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। वह भारतीय फुटबॉल के शीर्ष तीन स्तरों में खेलने वाले केवल तीसरे विदेशी हैं। लुका 2022 में पंजाब एफसी में शामिल होने से पहले चर्चिल ब्रदर्स, बेंगलुरु यूनाइटेड और गोकुलम केरल के लिए खेल चुके हैं। लुका ने अपने करियर की शुरुआत लुब्लियाना स्थित स्लोवेनियाई टीम इंटरब्लॉक के साथ की थी।

भारत आने से पहले वह अन्य स्लोवेनियाई क्लबों जैसे रूडर वेलेंजे, कोपर, ट्रिग्लव क्रांज, गोरसिया और क्रका के लिए भी खेल चुके हैं। लुका एक स्लोवेनियाई इंटरनेशनल यूथ हैं जो अंडर-18, 19, 20 और 21 श्रेणियों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

इंग्लैंड वर्सेस वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड ने पहले दिन ठोक दिए 416 रन



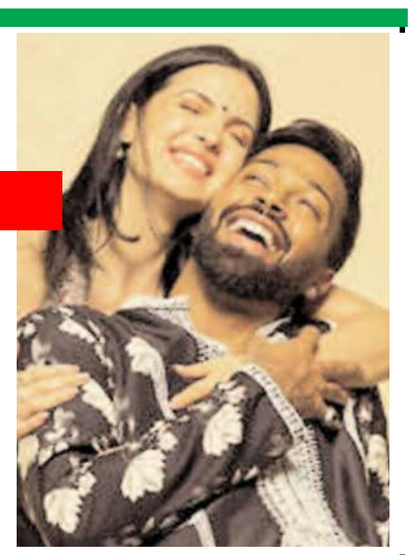
नॉटिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी की। 19 जुलाई (शुक्रवार) को नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम ने 88.3 ओवर में 416 रन ठोक दिए। हालांकि, टीम ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के लिए ओली पोप ने 121 रन बनाए। ओपनर बेन डकेट ने 71 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स ने 69 रन बनाए। हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने 36-36 रन की पारी खेली। क्रिस वोक्स ने 37 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में एक दिन में 416 रन बनाना बहुत बड़ी बात ऐसा काफी कम अवसर पर होता है। हालांकि, इंग्लैंड का स्कोर एक दिन में सबसे ज्यादा रन के मामले में टॉप-10 में भी नहीं आता।

अलजारी जोसेफ ने 3 विकेट लिए- वेस्टइंडीज के लिए अलजारी जोसेफ ने 3 विकेट लिए। जायडन सील्स, केविन सिंक्लेयर और केवम हॉज को 2-2 विकेट मिले। शमार जोसेफ को 1 विकेट मिला। शोएब बशीर के तौर पर इंग्लैंड का आखिरी विकेट गिरा। इसके साथ ही पहले दिन का स्टंप्स हो गया।



जुदा हुईं नताशा स्टेनकोविक-हार्दिक पांड्या की राहें

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी



नताशा स्टेनकोविक ने क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से अलग होने की घोषणा की है। गुरुवार शाम को मॉडल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है कि वे अब साथ नहीं हैं। नताशा स्टेनकोविक ने क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से अलग होने की घोषणा की है। गुरुवार शाम को मॉडल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है कि वे अब साथ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह उन दोनों के लिए एक कठिन निर्णय था और उन्होंने बताया कि वे अपने 3 वर्षीय बेटे अगस्त्य का पालन-पोषण करना जारी रखेंगे।

पोस्ट में क्या लिखा नताशा ने?

पिछले कुछ दिनों से नताशा स्टेनकोविक और उनके पति हार्दिक पांड्या के तलाक की खबरें लगातार मीडिया में बनी हुई थीं। दोनों काफी समय से सार्वजनिक रूप से एक साथ भी नहीं देखे गए थे। अब इन अटकलों पर नताशा स्टेनकोविक ने मोहर लगा दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपने और हार्दिक के तलाक की पुष्टि की है। नताशा ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'चार साल साथ रहने के बाद मैंने और हार्दिक ने सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

हमने एक साथ अपना सबसे बेहतर देने की कोशिश की, अब हमारा मानना है कि ये हम दोनों के हित में है। यह हम दोनों के लिए कठिन निर्णय था, हमने एक दूसरे को सम्मान दिया और खुशी से रहें और एक परिवार बनाया। हमें अगस्त्य मिला, जो हम दोनों के जीवन का केंद्र बना। हम सह-अभिभावक की तरह पूरी कोशिश करेंगे कि हम उसे वो सब कुछ दे सके जो उसकी खुशी के लिए कर सकते हैं। हम निवेदन करते हैं कि हमे इस मुश्किल घड़ी में आप सपोर्ट करेंगे और हमारे मुश्किल और संवेदनशील समय को समझते हुए हमें प्राइवेसी देंगे।'



फैशनिस्टा एक्ट्रेस सोनम कपूर ने कहा

डिजाइनरों से कपड़े उधार लेना ज्यादा बेहतर लगता है

बॉलीवुड फैशनिस्टा एक्ट्रेस सोनम कपूर हमेशा से ही लेटेस्ट फैशन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अब उनका एक नया फैशन स्टेटमेंट सामने आया है। उन्होंने कहा कि जब वह छोटी थीं तो बहुत सारे कपड़े खरीदती थीं। मगर उन्हें डिजाइनरों से कपड़े उधार लेना ज्यादा बेहतर लगता है। उन्होंने कहा कि यह भारत में आम नहीं है, लेकिन विदेशों में आम बात है। फैशन और कपड़ों के प्रति अपने प्यार के बारे में सोनम ने कहा, मैं बस अपने जाने-पहचाने डिजाइनरों के बनाये पसंदीदा कपड़े ही पहनना चाहती थी।

यह सिर्फ मेरी मां से मिली शिक्षा और फैशन के प्रति मेरे जुनून से प्रभावित था। दिग्गज स्टार अनिल कपूर की बेटी और 39 वर्षीय एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वह डिजाइनरों को स्टार मानती हैं। सोनम ने कहा, मैं अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही तरह के फैशन डिजाइनरों को स्टार मानती थी क्योंकि मैं अपनी मां के कारण उन्हें पसंद करती हुई बड़ी हुई हूं। यह किसी छवि को पेश करने की बात नहीं थी, यह फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार था। उन्होंने आगे कहा, मुझे एहसास हुआ कि लोग अक्सर कपड़े उधार नहीं लेते, इसलिए मैंने उन्हें उधार लेना शुरू कर दिया। हर समय सब कुछ खरीदना समझदारी नहीं थी। मैंने बहुत कुछ खरीदा, लेकिन उधार लेना ज्यादा व्यावहारिक लगा। सोनम ने कहा, यह प्रथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आम थी, लेकिन भारत में नहीं। इसलिए, मैंने बस वही किया जो उस समय सही लगा। मैं 20 साल की लड़की थी, बिना किसी इरादे के बस फैशन के प्रति अपने जुनून पर काम करती थी।

नागवधू में बोल्ड सीन्स को लेकर पहले डरी हुई थीं सुबुही जोशी



मशहूर एक्ट्रेस सुबुही जोशी टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग और कॉमेडी टाइमिंग के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह वेब सीरीज नागवधू- एक जहरीली कहानी में बोल्ड सीन्स को लेकर चर्चाओं में है। सीरीज में उनके काम को लेकर मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया से वह बेहद खुश हैं। नागवधू: एक जहरीली कहानी में सुबुही जोशी नई दुल्हन आभा के किरदार में हैं। सुबुही ने कहा, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, मुझे बहुत पॉजिटिव रिस्पांस मिला। मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने कुछ बोल्ड सीन किए थे। लेकिन, सभी ने इसके बारे में अच्छी बातें कहीं, क्योंकि स्क्रीन पर बिल्कुल भी ऐसा नहीं लग रहा था कि यह गैर-जरूरी हो। मुझे कुल मिलाकर बहुत अच्छे कमेंट्स मिले हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि फीडबैक बहुत पॉजिटिव रहा है।

दर्शकों को यह कहानी के लिए जरूरी और दिलचस्प लगा, जो मेरे लिए राहत की बात थी। तारीफों ने सीन्स की सुंदरता को बढ़ा दिया। सुबुही ने कहा कि वह सभी तरह के प्रोजेक्ट करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नागवधू जैसा कुछ फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि कहानी के लिहाज से, यह अच्छा था। जिन चीजों को लेकर मैं सबसे ज्यादा डर रही थी, वे असल में अच्छी निकलीं, इसलिए मुझे उन्हें फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है। सुबुही ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक एक्टर के लिए हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को फिर से तलाशना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा, हर प्रोजेक्ट के साथ आपको नई चीजें करने और नए किरदार निभाने का मौका मिलता है। यह नयापन दर्शकों को जोड़े रखने के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि दर्शकों के पास कंटेंट के कई ऑप्शन हैं, जिससे ऑडियंस का अटेंशन पाना मुश्किल हो जाता है। ऑन-स्क्रीन बोल्ड कंटेंट के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, आजकल बोल्ड कंटेंट को इसलिए स्वीकार किया जा रहा है क्योंकि लोग इन चीजों के बारे में ज्यादा खुले हैं। लोग इसे लेकर काफी सहज हैं, हालांकि अभी भी कुछ जगहें ऐसी हैं जहां इसे ज्यादा पसंद नहीं किया जाता क्योंकि परिवार एक साथ शो देखना चाहता है। नागवधू शो की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह उन युवकों की हत्या करती है जो उसके साथ रात बिताते हैं। इसमें पोलोमी दास ने संवरी की भूमिका निभाई है। यह शो ऑल्ट पर स्ट्रीम हो रहा है।





रील्स बनाने के चक्कर में

खाई में गिरी सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर अन्वी कामदार, हुई मौत

रील्स बनाने का क्रेज आज हर किसी के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस चक्कर में कई लोग अपनी जान गवा चुके हैं। ऐसा ही कुछ सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर अन्वी कामदार के साथ हुआ है। रील्स बनाने के चक्कर में अन्वी झरने से खाई में जा गिरीं और उनकी मौत हो गई। ये घटना महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में हुई है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अन्वी अपने सात दोस्तों के साथ मानसून में रायगढ़ घूमने गई थी। मंगलवार को एक वीडियो बनाते समय मानगाओ में प्रसिद्ध कुंभे झरने के पास वह 300 फुट गहरी खाई में गिर गईं। 6 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद अन्वी की बॉडी रिकवर की गई। हालांकि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बता दें अन्वी मुंबई के मुलंड इलाके की रहने वाली हैं। 27 वर्षीय कंटेंट क्रिएटर को घूमने-फिरने का शौक है और वो इसी पर वीडियोज बनाती थी। अन्वी पेशे से एक चार्टेड अकाउंटेंट हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा पॉपुलर हैं और ट्रेवर ब्लॉग्स बनाती हैं।

हैक हुआ भारती सिंह का यूट्यूब पॉडकास्ट चैनल

लाफ्टर क्वीन भारती सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। भारती आज जिस मुकाम पर है वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत स्ट्रगल किया है। लाफ्टर क्वीन अपने पति हर्ष लिंबाचिया के साथ मिलकर यूट्यूब पर पॉडकास्ट चैनल चलाती है, जो हैक हो गया है। भारती ने पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है और मदद की गुहार लगाई है। भारती ने पोस्ट में लिखा- हम एक गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं। यूट्यूब पर हमारा पॉडकास्ट चैनल हैक हो गया है। हमने चैनल का नाम और वीडियो बदले जाने से पहले ही एक मुद्दा उठाया है। हमें अपना चैनल वापस पाने और उसे सुरक्षित करने के लिए आपकी तत्काल सहायता की आवश्यकता है। बता दें पॉडकास्ट में भारती अपने पति हर्ष लिंबाचिया के साथ लोकप्रिय हस्तियों के साथ बातचीत करती है। भारती अपने चैनल पर बुलाकर एल्विश यादव, अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्नियों कृतिका और पायल, अवनीत कौर, जन्नत जुबैर, कृष्णा अभिषेक और कई अन्य लोगों के साथ बातचीत कर चुकी है।

एनिमल में रणबीर, शाहिद की कबीर सिंह जैसे किरदार

10-12 साल पहले कामयाब नहीं होते: कुणाल कपूर



रणबीर कपूर की एनिमल ने कैश रजिस्टर की धूम मचा दी, लेकिन आलोचकों और दर्शकों के एक वर्ग ने महिला विरोधी, हिंसक पुरुषों को हीरो बनाने के लिए इसकी आलोचना की। अब, ईटाइम्स के साथ एक इंटरव्यू में, अभिनेता कुणाल कपूर ने फिल्म पर टिप्पणी की और कहा कि आज दर्शक सभी तरह के नायकों को स्वीकार करते हैं, कुछ साल पहले के विपरीत। कुणाल ने कहा, आज दर्शक हर तरह के हीरो को स्वीकार करते हैं।

कबीर सिंह में शाहिद कपूर और एनिमल में रणबीर कपूर जैसे किरदार आपके सामने हैं। ये किरदार शायद 10-12 साल पहले कामयाब नहीं होते क्योंकि लोग हीरो से एक खास तरह की उम्मीद करते थे। हम जितना ज़्यादा उस ढांचे को आगे बढ़ाएंगे, सबके लिए उतना ही बेहतर होगा। रंग दे बसंती (2006), लव शव ते चिकन खुराना (2012) और गोल्ड (2018) जैसी फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता ने अपने करियर पर विचार करते हुए बताया कि कैसे फिल्मों में वाक्यविन्यास और कहानी कहने का तरीका पिछले कुछ वर्षों में बदल गया है। कुणाल ने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी, तो कुछ खास तरह की फिल्में बनती थीं और हीरो से एक खास तरह का होने की उम्मीद की जाती थी। आपको एक सांचे में फिट होना पड़ता था, जो मैं नहीं कर पाया। आपको जिस तरह की फिल्में करनी थीं, उनसे कुछ खास उम्मीदें थीं। और मुझे वे फिल्में पसंद नहीं आईं। सौभाग्य से, जो हुआ है वह यह है कि अब सांचा बदल गया है और अलग-अलग तरह के किरदार लिखे जा रहे हैं और अलग-अलग कहानियां बनाई जा रही हैं। मैं इसी तरह के माहौल का आनंद लेता हूं। रणबीर के अलावा, संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एनिमल में अत्यधिक हिंसा है और कई लोगों ने इसे विषाक्त मर्दानगी का महिमामंडन करने के लिए आलोचना की थी। यह अनिल के बलबीर सिंह और रणबीर के रणविजय सिंह उर्फ विजय के बीच एक परेशान पिता-पुत्र के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में रणबीर के साथ रश्मिका हैं और बॉबी मुख्य प्रतिपक्षी हैं।



स्त्री 2 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अपने श्रद्धा ने अंदाज से जीता सबका दिल

श्रद्धा कपूर और राजकुमार स्टारर स्त्री 2 का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। इसके लॉन्च के लिए फिल्ममेकर्स ने मुंबई में एक इवेंट रखा, जहां फिल्म स्टार्स खूब लाइललाइट बटोरते नजर आए। फिल्म की स्त्री इस दौरान रेड साड़ी पहने ग्लैमरस का तड़का लगाती दिखीं और एक्टर संग खूब पोज देती नजर आईं। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान श्रद्धा कपूर गोल्डन किनारी वाली रेड साड़ी में कतई बवाल लगीं। इसके साथ उन्होंने सोने के झूमके, नोज-पिन पहनी और बालों की लंबी चोटी बनाई। उन्होंने अपना मेकअप सिंपल रखा। न्यूड लिपस्टिक और आंखों में काजल लगाए लोगों पर निशाने साधती दिखीं। ओवरऑल लुक में श्रद्धा का स्टाइल देखते ही बना। कैमरे के सामने कभी एक्ट्रेस हाथ बनाते तो कभी नमस्ते करते हुए पोज देती दिखीं।



जान्हवी हुईं फूड पॉइजनिंग का हुईं हैं शिकार

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर कथित तौर पर फूड पॉइजनिंग के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। गुरुवार को अभिनेत्री को कमजोरी महसूस होने के बाद अस्पताल ले जाया गया। कथित तौर पर, उन्होंने अपने काम को भी टाल दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक जान्हवी को बुधवार को कमजोरी और बेचैनी महसूस हो रही थी, जिसकी वजह से वह बिस्तर पर थीं। जान्हवी की एक करीबी दोस्त ने बताया कि उन्हें फूड पॉइजनिंग हुई है, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्होंने अपने सारे अपॉइंटमेंट्स को टाल दिया। गुरुवार को उनकी हालत और भी खराब हो गई। इसलिए, परिवार ने उन्हें उचित इलाज दिलाने के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी दोस्त ने यह भी कहा कि अब वह ठीक हो रही हैं, हालांकि अभी भी बहुत कमजोर हैं।